ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जब तक जनविरोधी निर्णय वापस नहीं लिया जाता भाजपा का संघर्ष रहेगा जारी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 18 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-169

चीन में उइगर मुसलमानों पर भीषण अत्याचार का प्रामाणिक खुलासा

रोहिंग्या पर शैतानी शोर, उइगर पर मक्कार चुप्पी

- जर्मन मीडिया ने सबूतों के साथ किया खुलासा
- भारतीय मीडिया और खान मार्केट गिरोह मौन

रोहिंग्या पर शैतानी शोर मचाने वाली जमातें उइगर मुसलमानों पर चीन में हो रहे जुल्म पर शातिराना चुप्पी साधे हैं। जर्मनी के कुछ पत्रकारों ने उइगुर मुसलमानों पर चीन सरकार द्वारा किए जा रहे अत्याचार का प्रामाणिक खुलासा किया है। इसके बावजूद धर्मांध इस्लामिस्ट, छद्मी प्रगतिशील, दुर्बुद्धिजीवी, संकुचित लिबरल्स और टुकड़ाखोर पत्रकार चुप हैं। भारत समेत कई देशों के पत्रकार चीन से पैसा खाते हैं, इसलिए चुप रहते हैं। भारत के कुछ बड़े स्वनामधन्य पत्रकार तो चीन से पैसा खाकर भारत के ही खिलाफ बोलते और लिखते हैं। इसका आधिकारिक खुलासा हो चुका है।

बहरहाल, जर्मन मीडिया ने यह प्रामाणिक खुलासा किया है कि चीन का सुरक्षा प्रशासन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरों की मदद से उइगुर मुसलमानों पर निरंतर नजर रखता है। उन्हें डिटेंशन सेंटर में लाकर प्रताड़ित किया जाता है। उनकी दाढ़ी और बाल शेव कर दिए जाते हैं और उन्हें नमाज पढ़ने से रोका जाता है। जर्मन मीडिया के आउटलेट टेबल (डॉट) मीडिया ने इसे प्रमाण के साथ उजागर किया है। जर्मन पत्रकारों ने जिन दस्तावेज के आधार पर इसे उजागर किया है, वे दस्तावेज उन्हें शंघाई, झेजियांग प्रांत के

विभिन्न शहरों और दक्षिण-पश्चिमी महानगर चेंगदू के पुलिस विभागों से प्राप्त हुए हैं। इससे पुष्टि होती है कि एआई कैमरों के माध्यम से उइगरों पर निगरानी रखी जा रही है और उनके साथ अत्याचार किया जा रहा है।

गौरतलब है कि चीन में उइगर मुस्लिमों को खतरे की तरह देखा जाता है। इसके संबंध में 2019 से खबरें आ रही हैं कि चीन उइगर मुस्लिमों में से कट्टरपंथ की सोच निकालने के नाम पर डिटेंशन सेंटर में डालता है और वहां उन्हें अनगिनत प्रताड़नाएं दी जाती हैं। प्रताड़नाओं की खबरें बाहर तो निकलती हैं, लेकिन मीडिया इसे सुर्खियां नहीं बनाता। खास तौर पर भारतीय मीडिया इसे सघनता से नहीं उठाता। भारत में रोहिंग्या की रुदालियां गाने वाली शैतान जमातें और पड़ोस के इस्लामी मुल्क भी उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार का मसला नहीं उठाते।

इस समय चीन में हर विरासत का चीनीकरण किया जा रहा है। मस्जिदों पर हथौड़े चल रहे हैं। मस्जिदों की मीनारें और गुंबद तोड़े जा रहे हैं। इसके अलावा मुस्लिम महिलाओं पर भीषण अत्याचार हो रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन में सुरक्षाकर्मी डिटेंशन सेंटर में महिलाओं के साथ जबरन शारीरिक सम्बन्ध बनाते हैं। उइगर पुरुषों के साथ-साथ उइगर महिलाओं की भी वहां जबरन नसबंदी करा दी जाती है। उइगुर मुसलमानों को जबरन शराब पिलाने और सुअर का मांस (पोर्क) खिलाने का काम भी होता है।

जर्मन पत्रकारों के पास 2023 से लेकर बीते छह वर्षों के आधिकारिक दस्तावेज हैं जो बताते हैं कि उइगरों का चेहरा एआई कैमरों की मदद से पहचाना जाता है और उनकी प्रत्येक गतिविधियां रिकॉर्ड की जाती हैं। इस मामले में जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के झिंजियांग विशेषज्ञ ब्योर्न अल्परमैन कहते हैं कि उल्लेखित दस्तावेजों से साफ पता चलता है कि चीनी सुरक्षा अधिकारी व्यवस्थित रूप से उइगरों के साथ अपराधियों जैसा बर्ताव करते हैं और दोयम दर्जे के नागरिक की तरह उनके साथ सलूक करते हैं।

चप्पे-चप्पे में बिछे एआई कैमरों के जरिए चीन के सुरक्षाकर्मी उइगरों की तस्वीरें और उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड करते हैं। उन पर नजर रखते हैं कि वे कहां-कहां और किनसे संपर्क करते हैं। जुहूई में ही अकेले 3700 कैमरे उइगरों की निगरानी कर रहे हैं। यह एआई कैमरे तस्वीरें लेते हैं और प्रशासन को सचेत रखते हैं। निगरानी ▶10 पर

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई-चेन) में सिरमौर बन रहा भारत

तीन साल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

- फेडएक्स, फॉक्सकॉन, एप्पल का भारत में संचालन इसका प्रमाण
- वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई वैश्विक आर्थिक विश्लेषकों की रिपोर्ट
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष : 5 ट्रिलियन डॉलर वाला देश बनेगा भारत

शुभ लाभ ब्यूरो
नई दिल्ली, 17 जून।

विश्वव्यापी आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) में भारत का प्रभावशाली उदय दुनिया के देशों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। भारत में फेडएक्स, फॉक्सकॉन और एप्पल जैसी कंपनियों के परिचालन के विस्तार से भी यह साफ हो रहा है। देश का अनुकूल प्रोत्साहन और यहां के विविध उद्योग-धंधे इसे एक आकर्षक विनिर्माण केंद्र बनाते हैं।

व्यापारिक जोखिम कम करने और लागत एवं लीड टाइम के लचीलेपन में सुधार करने के लिए, आपूर्ति श्रृंखला में शामिल कई अग्रणी कंपनियां दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का विस्तार कर रही हैं। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता हानिकारक है। भू-राजनीतिक चुनौतियां बहुत हैं, जो दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला संघर्षों को और बढ़ाएंगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि आपूर्ति श्रृंखला लागत सीधे भू-राजनीति से प्रभावित होती है। नतीजतन, जैसे-जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में तनाव बढ़ता है, कई निगम अधिक झटके के लिए तैयार हो रहे हैं।

आपूर्ति श्रृंखला कंपनियों के विशेषज्ञ विविधता लाने के लिए नई वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए भौगोलिकताओं की जांच करने के बाद इस नतीजे पर पहुंच रहे हैं कि व्यापक संभावनाएं वाले उन नए क्षेत्रों में प्रमुख रूप से भारत का स्थान है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्वानुमानों के अनुसार, भारत 2027 तक जर्मनी और जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जिसकी जीडीपी 5 ट्रिलियन डॉलर होगी। इसके अलावा, सालाना 2 मिलियन से अधिक स्नातकों के साथ, भारत दुनिया में दूसरा सबसे ▶10 पर

अकेले यूपी में 20 लाख मुसलमानों को मिले पीएम आवास

भाजपा से लाभ ले रहे खूब, पर वोट नहीं देते

- भाजपा ने दो मुस्लिमों को बनाया एमएलसी, रिजल्ट शून्य
- 2.61 करोड़ को मिला राशन कार्ड, मुफ्त अनाज भी खा रहे
- मुसलमानों की सवर्ण जातियों ने भाजपा को कुछ वोट दिए

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका लगा है। साल 2019 में यहां 62 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 33 लोकसभा सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। चुनाव परिणाम के बाद भाजपा अब समीक्षा कर रही है। उत्तर प्रदेश में अपेक्षा के अनुरूप वोट न मिलने को लेकर भाजपा नेतृत्व कई बिंदुओं पर मंथन कर रहा है। मंथन में एक बात यह भी निकल कर आ रही है कि भाजपा ने अपने दूसरे कार्यकाल में मुसलमानों को प्रसन्न करने की खूब कोशिश की। इस कोशिश में देश की राजधानी दिल्ली में बसाए गए रोहिंग्याओं को सुविधाएं देने में भी भाजपा सरकार खैरख्वाह बनी और उसने अपने घुसपैठिया विरोधी सिद्धांत की सार्वजनिक खिल्लियां उड़वाईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पसमांदा पसमांदा रटते रहे। मुस्लिम समुदाय का 80 फीसदी हिस्सा पसमांदा मुसलमानों का ही है। मुसलमानों में भाजपा सरकार की योजनाओं का भरपूर फायदा उठाया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर लिया। मुफ्त अनाज योजना का पूरा लाभ उठाया। भाजपा ने दो मुसलमानों को विधान परिषद का सदस्य भी बनाया। लेकिन मुसलमानों ने भाजपा को वोट नहीं दिया। पसमांदा मुस्लिम समाज ने फायदा उठाया और समय आया तो साथ देने से नकार दिया। पसमांदाओं की चारित्रिक असलियत भाजपा समझ नहीं पाई।

उत्तर प्रदेश में भाजपा पसमांदा मुस्लिम समाज को खास तौर पर साध रही थी। पसमांदा मुसलमानों के लिए भाजपा सरकार द्वारा खास दौर पर प्रोग्राम चलाए गए। मुसलमानों के इस समुदाय को कितनी तवज्जो दी गई थी, इसका अनुमान इस बात से ही लगा सकते हैं कि इसके नेताओं को सरकार और पार्टी दोनों में जगह दी गई। खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने अपनी सभाओं में पसमांदा समाज के पिछड़ेपन का कई बार जिक्र किया और सपा एवं कांग्रेस पर इस समुदाय की उपेक्षा करने का आरोप लगा लगाया।

पसमांदा फारसी शब्द है। जिसका मतलब है पीछे छूटे हुए लोग। मुस्लिमों में पसमांदा शब्द का इस्तेमाल समाज में पिछड़े, दलित और आदिवासी तबके की पहचान बन गई है। पसमांदा मुसलमान उत्तर

प्रदेश की मुस्लिम आबादी का लगभग 80 प्रतिशत हैं। उत्तर प्रदेश के जिन जिलों में पसमांदा मुस्लिमों की संख्या काफी ज्यादा है, उनमें मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़ और वाराणसी शामिल हैं। मुस्लिमों के इस वर्ग को रिझाने के ▶10 पर

कर्नाटक सरकार के फरमान के खिलाफ व्यापक जन आक्रोश

पेट्रो कीमतें बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन में भाजपा नेता की मौत

पेट्रोल-डीजल के दाम 2% कम हुए तो कर्नाटक में क्यों बढ़े?

बेंगलुरु, 17 जून (एजेंसियां)। पेट्रोल डीजल की कीमतों में तीन रुपए से अधिक का इजाफा करने के कर्नाटक सरकार के निरंकुश फैसले के खिलाफ हो रहे जन प्रदर्शन में भाजपा के वरिष्ठ नेता एमबी भानुप्रकाश की मौत हो गई। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके एमबी भानुप्रकाश पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। इस दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

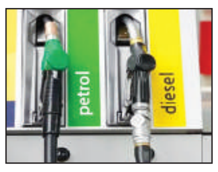

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके भानुप्रकाश विरोध प्रदर्शन का ▶10 पर

आतंकवाद के विरोध की अमेरिकी असलियत का पर्दाफाश

खालिस्तानी आतंकी के पक्ष में खड़ा अमेरिका

चेकोस्लोवाकिया से निखिल गुप्ता को जबरन अमेरिका मंगवाया

प्राग, 17 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के संरक्षण में रह रहे खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को अमेरिका में मरवाने के लिए सुपारी देने के आरोप में चेकोस्लोवाकिया में गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को अमेरिका ने दबाव देकर अपने देश मंगवा लिया। बाद में निखिल गुप्ता को अमेरिका लाए जाने की कार्रवाई को प्रत्यर्पण का नाम दिया गया। आतंकवाद के विरोध की अमेरिकी असलियत यही है। अमेरिका खुलेआम खालिस्तानी आतंकी के पक्ष में खड़ा है। निखिल गुप्ता अमेरिकी राष्ट्रपति का टार्गेट नहीं है, अमेरिकी

राष्ट्रपति का टार्गेट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन नरेंद्र मोदी को लेकर व्यक्तित्व संकट से गुजर रहे हैं।

निखिल गुप्ता को 15-16 जून को ही अमेरिका लाया गया। अब जाकर कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। निखिल गुप्ता ने चेक गणराज्य से प्रत्यर्पण से बचने के ▶10 पर

नौसेना में शामिल होंगी छह अत्याधुनिक पनडुब्बियां

स्पेन में होगा पनडुब्बियों का परीक्षण

मैड्रिड, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। स्पेन में इन पनडुब्बियों का परीक्षण होगा।

भारतीय नौसेना स्पेन में प्रोजेक्ट 75 भारत (पी75आई) के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। ▶10 पर

राज्यसभा में एनडीए को जरूरत पड़ेगी संख्या बल की

एनडीए के लिए जरूरी हैं वाईएसआरसीपी और बीजेडी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और ओड़ीशा का बीजू जनता दल (बीजेडी) चुनाव हारने के बाद भी मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। राज्यसभा में दोनों ही दलों के पास अच्छी संख्या है और इसी कारण बिल पास कराने में सरकार को उनकी मदद लेनी पड़ सकती है।

वाईएसआरसीपी के पास 11 राज्यसभा सांसद हैं, जबकि बीजेडी के पास नौ सांसद हैं।

वर्तमान में 245 सदस्यीय राज्यसभा में 117 एनडीए सांसद, 80 इंडी गठबंधन के सांसद और 33 अन्य सांसद हैं। निर्वाचित सदस्यों के लिए 10 और मनोनीत सदस्यों के लिए पांच जगह खाली हैं। 10 निर्वाचित सदस्यों की जो जगह खाली है ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,250/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,500/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 22^0

स्मार्ट सिटी मिशन

अब तक अधूरे 15,000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। क्या स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन को एक बार फिर बढ़ाया जाएगा। क्या केंद्र की मोदी सरकार डेडलाइन को बढ़ाने पर विचार कर रही है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स के लिए 30 जून, 2024 की डेडलाइन रखी गई थी लेकिन यह लगभग तय है कि इस डेडलाइन तक भी इस मिशन के तहत चल रहे काम पूरे नहीं हो पाएंगे।

स्मार्ट सिटी मिशन को केंद्र सरकार ने 2015 में लॉन्च किया था। इसके तहत जनवरी 2016 से जून 2018 तक देश के 100 शहरों का चुनाव किया गया था। जिन शहरों का चुनाव किया गया था, उन्हें 5 साल का वक्त दिया गया था कि वे इस अवधि में अपने सभी प्रोजेक्ट्स को पूरा करेंगे। कोरोना महामारी की वजह से स्मार्ट सिटी मिशन के प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन को जून 2023 तक बढ़ा दिया गया था। पिछले साल मई में शहरी विकास मंत्रालय ने एक बार फिर इस डेडलाइन को बढ़ाया था और इसे 30 जून 2024 कर दिया गया था।

स्मार्ट सिटी मिशन भारत सरकार का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, इसके तहत देश भर में 100 शहरों को विकसित करना, उन्हें लोगों की सुविधाओं के अनुकूल बनाना है। इसके तहत ई-गवर्नेंस, कूड़ा प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, कौशल विकास, बुनियादी ढांचा विकसित करना आदि काम होने हैं। इस मिशन के लिए लगभग 2 लाख करोड़ रुपए अलग से रखे गए थे। केंद्र और राज्य इसके लिए बराबर-बराबर पैसा देते हैं।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट में से लगभग 10 प्रतिशत प्रोजेक्ट जो 15,000 करोड़ रुपए की लागत के हैं, वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं और ऐसे में यह जरूरी है कि इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने की डेडलाइन को आगे बढ़ाया जाए। शहरी विकास मंत्रालय के स्मार्ट सिटी मिशन डैशबोर्ड से पता चलता है कि 1.64 लाख करोड़ रुपए के कुल 7,996 प्रोजेक्ट्स में से 1.43 ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY

जैन प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय जैन गुरुकुल हनुमंत नगर के बच्चों द्वारा 24 तीर्थंकर भगवान एवं 25 बोल तत्व ज्ञान पर आधारित जैन प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक बालक बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर अपने बनाए मॉडल के बारे में प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को विस्तार से समझाया। हनुमंत नगर जैन संघ में प्रथम बार जैन गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा इस तरह की जैन मॉडल फोटो प्रदर्शनी का आयोजन यहां हनुमंत नगर जैन स्थानक में किया गया।

बच्चों द्वारा प्रदर्शित इस प्रदर्शनी में समाज के लोगों के साथ कई अभिभावक जैन मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे और सभी ने बच्चों के इस मेहनत की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। सर्वप्रथम जैन मॉडल प्रदर्शनी का उद्घाटन लाभार्थी परिवार महावीर चंद, विशाल कुमार धारीवाल परिवार ने किया।

प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी में विशेष प्रदर्शन करने पर पायल जैन, गुंजन जैन, पूजा दक, विशेष जैन, कृपा जैन और चाहत जैन को प्रशस्ति मेडल देकर लाभार्थी परिवार एवं हनुमंत नगर संघ के अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी एवं संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने सम्मानित किया। साथ में मॉडल प्रदर्शनी बनाने वाले सभी बच्चों का भी प्रोत्साहन देकर सम्मान किया गया। बच्चों के प्रोजेक्ट जैन मॉडल बनाने में मार्गदर्शन एवं विशेष सहयोग प्रस्तुतीकरण में जैन गुरुकुल के टीचर्स संजय कुमार कचोलिया, माला बोहरा, वंदना चोपड़ा, पिंकी मुथा, रेखा भंडारी, श्वेता धारीवाल, संगीता गोटावत एवं दीपिका मांडोत का विशेष सहयोग रहा। मॉडल प्रदर्शनी के सुंदर आयोजन में हनुमंत नगर जैन युवक मंडल का विशेष सहयोग रहा।

इस अवसर पर हनुमंत नगर संघ अध्यक्ष गौतम चंद सिंघवी, संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका, कोषाध्यक्ष धनराज मुथा, उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड, हुक्मीचंद बाफना, धनपत धारीवाल, सह मंत्री संजय सिंघवी, ट्रस्ट के मंत्री उत्तमचंद बोहरा, सज्जन राज रुणवाल, राजेश बाफना, सुभाष छाजेड़, सुनील बोहरा, गुरुकुल चेयरमैन लतेश लोढ़ा आदि हनुमंत नगर संघ के अनेक पदाधिकारी गण के साथ महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बलिया, मंत्री संगीता धोका आदि समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

खागा क्रिकेट हीरा कप का हुआ शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 2024 हीरा कप बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का मागडी रोड़ स्थित एक होटल में शानदार कार्यक्रम के साथ आगाज हुआ। इस बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में दस टीमें भाग लेंगी।

सभी मुकाबले 30 जून को मागडी रोड़ स्थित जीटी मॉल में खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट के मुख्य सहयोगी हीरा एक्सपोर्ट्स है, कार्यक्रम में टीम के कप्तानों को जर्सी वितरण की गई। खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत करते हुए टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों को शुभकामनाएं दी एवं इस कार्यक्रम के संयोजक उगमराज खांटेड ने कार्यक्रम की वीडियो के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। सचिव कैलाश बालर ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में खागा द्वारा आयोजित इस खेल कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाली टीमों का हौंसला बढ़ाते हुए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के अवसर पर कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल राजपुरोहित, उपाध्यक्ष पदमसिंह राजपुरोहित, सह सचिव बिशनसिंह विराणा, सिद्धार्थ जैन, जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, दिलीप जैन, डुंगरमल चौपड़ा, कार्यकारिणी सदस्य जोगराज राजपुरोहित, विकास जैन, गौरव शर्मा, नीरज कटारिया, हिरालाल राजपुरोहित, छगनलाल जैन, प्रकाश राजपुरोहित, राजेश बंदा, अर्जुनसिंह राजपुरोहित, चंपालाल जैन, मीठालाल जैन सहित क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ कॉफी संख्या में लोग उप-स्थित रहे।

येदियुरप्पा मामले में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्पाद शुल्क मंत्री आरबी थिम्मापुरा ने कहा कि सरकार पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस.येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामले में किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं करेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मामले की जांच सीआईडी एजेंसी द्वारा की जा रही है और अदालत के निर्देश के अनुसार वह पूछताछ के लिए जांच अधिकारियों के सामने पेश हो रहे हैं। उन्हें बुढ़ापे में ऐसे मामले का सामना नहीं करना चाहिए था।

लेकिन चूंकि पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई है, इसलिए उन्हें मामले की जांच में सहयोग करना होगा। इसके चलते कुछ लोग सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में न तो मुख्यमंत्री और न ही उपमुख्यमंत्री किसी भी तरह का हस्तक्षेप करेंगे।

संघ और समाज की आवश्यकता की पूर्ति के लिए महासंघ का हुआ है निर्माण : भीकमचन्द सकलेचा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन महासंघ बेंगलूरु की कार्यकारिणी सभा में महासंघ अध्यक्ष भीकमचन्द सकलेचा ने कहा कि संघ और समाज की आवश्यकता की पूर्ति के लिए महासंघ का निर्माण हुआ हैं। सभी संघों को एक माला में पिरो कर संयुक्त रूप से आम जन हित कार्य करना समय की आवश्यकता है और खुले विचारों के साथ क्रियान्वयन से हम आवश्यक सुधार की भूमिका बना सकते हैं। रविवार मध्याह्न हीराबाग परिसर में आयोजित सभा में अनेक स्थानक वासी जैन श्रावक संघों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में

महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने महासंघ की ओर से प्रस्ताव रखें कि धार्मिक आयोजनों में गौतम प्रसादी के आइटम 11 तक सीमित रखे जाएं और सचित सलाद का उपयोग न हो। चातुर्मास प्रवेश जुलूस में वाद्य यंत्रों का उपयोग न हो और सादगी से महापुरुषों का प्रवेश कराया जाए। प्रवचन सभा में नृत्य आयोजन न हो और समय की पाबंदी रहे। चातुर्मास में ज्ञानार्जन पर जोर हो और प्रतिक्रमण सिखने वालों का सार्वजनिक सम्मान किया जाए। यह भी प्रस्ताव रखा कि जैन आगमों का जुलूस नही निकाला जाए तथा स्वागत सत्कार शब्दों से ही किया जाए। उपरोक्त प्रस्तावों पर पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हुए रिकबचंद मेहता, अमरचंद गुंदेचा, कन्हैयालाल सुराणा, नेमीचन्द भंसाली, अशोक रांका, अशोक बांठिया, ज्ञानचंद लोढा, दीपचंद भंसाली, सुमेर सिंह, महेंद्र मुणोत, किशोर दलाल ने अपने विचार रखे और महासंघ के प्रस्तावों को सही सामयिक और आवश्यक बताया। उपस्थित जनों ने महासंघ के प्रस्तावों का समर्थन किया। नवयुवकों के लिए भी कार्यशाला की आवश्यकता महसूस की गई। महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया और मंगल पाठ के साथ सभा संपन्न हुई।

केंद्रीय मंत्री जोशी को सम्मानित कर दी बधाई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजानिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी का जैन युवा संघठन हुब्बल्ली के सदस्यों द्वारा सम्मान किया गया।

इस दौरान संघठन के अध्यक्ष इन्दरकुमार जैन ने मंत्री जोशी से हुब्बल्ली से अहमदाबाद व हुब्बल्ली से जोधपुर के लिए हवाई सेवाओं के लिए निवेदन किया। जोशी ने उड्डयन मंत्री से चर्चा कर जल्द से जल्द चालू करवाने का वादा किया। इस दौरान भाजपा नेता चन्नू होसमनि, जैन युवा संघठन हुब्बल्ली के उपाध्यक्ष उसब राज सकलेचा, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा नई दिल्ली के राष्ट्रीय युवा मंत्री भारत जैन, महामंडल हुब्बल्ली के अध्यक्ष सुभाष डंक, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व कोषाध्यक्ष अंकुश जैन सहित अन्य उपस्थित थे।

नव मनोनीत पदाधिकारियों का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा हुब्बल्ली के नवमनोनीत अध्यक्ष पारसमल भंसाली, कार्यदर्शी अमरावसिंह बैद, कार्यकारिणी सदस्य जसराज लुनिया का समर्पण ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में सम्मान किया गया। इस अवसर पर समर्पण ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष गौतम भुरट ने कहा सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में तेरापंथ सभा एक नयी ऊंचाई पर पहुंचे यही शुभकामना

देता हूं। ग्रुप के गौतम गोलेछा ने कहा तेरापंथ सभा हुब्बल्ली की नयी कार्यकारिणी में हमारे समर्पण ग्रुप के अध्यक्ष जसराज लुनिया को सभा की कार्यकारिणी सदस्य व हमारे एक और सदस्य अमरावसिंह बैद को सभा का कार्यदर्शी मनोनीत किया गया है। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। इस अवसर पर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल पालगोता, ललित सेहलोत, कांतिलाल पा-लगोता, मोहनलाल जैन, गिरीश सुंकद, मेघराज भलगत, भूपेन्द्र संघवी सहित अन्य उपस्तिथ थे। सम्मान के लिए भंसाली ने सभी का आभार जताया।

__हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।__ मुनिश्री मोहजितकुमार जी के सानिध्य में हासन तेरापंथ सभा का शपथ ग्रहण कार्यक्रम हासन तेरापंथ सभा भवन में आयोजित किया गया। मंत्री सुरेश कोठरी ने गत वर्ष के कार्यक्रम की जानकारी दी। उसके बाद अध्यक्ष शोहन लाल तातेड़ को पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र तातेड़ ने शपथ दिलाई। तत्पश्चात शोहन लाल तातेड़ ने अपनी नई टीम में मंत्री के रूप में विमल कोठरी, कोषाध्यक्ष के रूप में किरण तातेड एवं सभी बोर्ड तथा कार्यकारिणी टीम को शपथ दिलाई।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री सकल जैन संघ, मंजूनाथनगर, शिवनगर के सदस्यों ने कोलार स्थित जैन स्थानक में विराजित गुरुदेव वीरेन्द्रमुनि जी के दर्शन वंदन का लाभ लिया। सदस्यों ने गुरुदेव से मंजूनाथनगर जैन भवन (उत्तम अंकित विल्ला) में घोषित चातुर्मास संबंधी चर्चा की एवं 7 जुलाई को होने वाले भव्य चातुर्मास प्रवेश की रूपरेखा रखी। कोलार के आराधना भवन में विराजित पावननिधि श्री जी, यशोनिधिश्री जी के भी दर्शन किए एवं गुरुवर्या ने चातुर्मास सफल होने की शुभकामनाए दी और मांगलिक दिया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा, कोषाध्यक्ष रेखराज सांडबोहरा, सहमंत्री सुरेश बाघमार, उत्तमचन्द लोढ़ा, अंकित आच्छा एवं अन्य भक्तगण मौजूद थे।

जमीर ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों की निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंत्री जमीर अहमद खान ने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने पर चिल्लाने वाले भाजपा नेताओं ने तब आवाज क्यों नहीं उठाई जब उन्होंने अपने शासनकाल में शतक का आंकड़ा पार कर लिया था।

इस बारे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2013 में जब यूपीए सरकार थी तो पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमत कितनी थी? भाजपा सरकार ने दस साल में कितना काम किया और जनता पर कितना बोझ डाला, यह सब पता चल गया है। उन्होंने शिकायत की कि कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क अभी भी अधिक है। कर्नाटक में टैक्स बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल 102.85 रुपये, डीजल 88.91 रुपये है। लेकिन दक्षिणी राज्यों की तुलना में हमारा अभी भी कम है। जब कच्चे तेल की कीमत बढ़ी तो यूपीए सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बढ़ाई, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार ने कमी के बावजूद पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाकर जनता को धोखा दिया।

34वीं वार्षिक एथलेटिक मीट आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बिशप कॉटन महिला क्रिश्चियन कॉलेज (बीसीडब्ल्यूसीसी) की 34वीं वार्षिक एथलेटिक मीट हाल ही में यूनाइटेड मिशन डिग्री कॉलेज ग्राउंड, मिशन रोड में आयोजित की गई। अभ्यास के प्रारंभिक दौर उसी स्थान पर आयोजित किए गए। इसका नेतृत्व और समन्वय कॉलेज की शारीरिक शिक्षा निदेशक निर्मला सी गौड़ा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मित्रालय गर्ल्स स्कूल की छात्राओं द्वारा बनाए गए बैंड द्वारा गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत तथा एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर से हुई। प्रिंसिपल ने स्वागत

भाषण के साथ सत्र का उद्घाटन किया। इसके बाद कॉलेज गीत प्रस्तुत किया गया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुदस्सिर इक्केरी थे, जो एक अंतरराष्ट्रीय एथलीट हैं। वे बेंगलूरु सेंट्रल यूनिवर्सिटी के खेल सलाहकार भी रह चुके हैं। उन्होंने लोगों को संबोधित किया और उनके भाषण का मुख्य संदेश जीत से ज्यादा भागीदारी का महत्व था।

उन्होंने छात्रों को टीम भावना के सिद्धांत का पालन करने और खेलों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि सौजन्या के.जी. थीं जो एक राष्ट्रीय एथलीट होने के साथ-साथ संस्थान की पूर्व छात्रा भी हैं। उनके भाषण का संदेश बाधाओं को दूर करना था। उन्होंने खेलों में अपने कौशल को आकार देने के लिए कॉलेज और निर्मला को भी श्रेय दिया।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ दर्शन सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा लग्गेरे स्थित सरकारी विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित किया गया। इस मौके पर महेंद्र मुणोत एवं संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

__गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।__ बेलगावी लोकसभा के नवनियुक्त सदस्य जगदीश शेट्टर रविवार को कर्नाटक सरकार के अंगूररस निगम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल भंसाली के आग्रह पर उनके निवास स्थान पर पधारे। इस अवसर पर कांतिलाल भंसाली ने शॉल ओढ़ाकर पुष्प गुच्छा प्रदान कर उनका स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता समेत जैन समाज के कई सदस्य उपस्थित थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की निंदा करते हुए भाजपा ने किया प्रदर्शन

जब तक जनविरोधी निर्णय वापस नहीं लिया जाता भाजपा का संघर्ष रहेगा जारी: बीवाई विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेन्द्र ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का नासमझी और जनविरोधी फैसला लिया है। बढ़ी दरें वापस होने तक भाजपा संघर्ष करेगी।

उन्होंने अपने नेतृत्व में फ्रीडम पार्क के पास आयोजित एक विशाल विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया और पेट्रोल और डीजल की कीमत में वृद्धि के सरकार के कदम की निंदा की। उन्होंने कहा विपक्ष के तौर पर हमें लोगों की तरफ से आवाज उठानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों, गरीबों और आम जनता को न्याय देने का काम हमें और आप सभी को करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में भाजपा ने जनविरोधी सरकार और जनविरोधी मुख्यमंत्रियों के खिलाफ लड़ाई का बीड़ा उठाया है। लोकसभा चुनाव में 18 से 20 सीटें जीतने की उम्मीद लगाए बैठे कांग्रेस नेता नतीजों के बाद निराश हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस विधायक गारंटी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब सिद्धरामैया विपक्षी दल में थे तो लोगों के लिए उनकी चिंता मुख्यमंत्री बनने के बाद कहां गायब हो गई है।

उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार पिछले एक साल में विकास के लिए एक रुपया भी नहीं दे पाई है। कांग्रेस विधायक नाद गौड़ा ने विकास कार्य रुकने को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि वह मैदान में चल भी नहीं सकते हैं। उन्होंने बताया कि वह विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। सड़क, स्कूल व अस्पताल का विकास भी एक सपना है। भाजपा सरकार के दौरान जब बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री पद से हटे तो राज्य में राजस्व अधिशेष था। तब कोई कर्ज नहीं था। सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री बनने के महज एक साल में ही कर्नाटक राज्य की आर्थिक स्थिति पूरी तरह से खराब हो गई है। राज्य दिवालियापन की कगार पर है। उन्होंने पूछा, यदि हां, तो आप किस पुरुषार्थ के लिए शासन कर रहे हैं। अनुभवी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मूल्य वृद्धि और महंगाई से अवगत होने के बावजूद लोकसभा चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का जनविरोधी निर्णय लिया, जिस पर उन्होंने एक अक्षम्य अपराध के रूप में आपत्ति जताई। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सिद्धरामैया की दोगली भाषा बोलने के लिए आलोचना की। उन्होंने सिद्धरामैया का एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि पहले जब वह विपक्ष में थे, तो उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में वृद्धि की निंदा की थी। सिद्धरामैया बिना गरिमा के कांग्रेस के हैं। उन्होंने कहा वाल्मीकि निगम के 187 करोड़ निगलने वाले नागेंद्र का विकेट गिरा है। अब दूसरा विकेट सिद्धरामैया का है। उन्होंने बढ़े हुए पेट्रोल, डीजल के दाम कम करने की मांग की। गारंटी का भुगतान राजकोष से ही किया जा रहा है। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने शिकायत की कि राज्य की कांग्रेस सरकार पिछले एक साल में लगातार कीमतें बढ़ा रही है। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के बढ़े दाम वापस लेने की मांग की।

इन नेताओं की रही उपस्थिति

विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि कर्नाटक समेत 3 राज्यों की सत्ता पर काबिज कांग्रेस पार्टी लोगों के साथ गलत कर रही है। सिद्धरामैया अकेले नहीं हैं जो टोपी पहनते हैं। उन्होंने आलोचना की कि वे सभी लोगों पर टोपी डाल रहे हैं। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि वे टोपी पहनकर और नाम रखकर लोगों को चेम्बू दे रहे हैं। राज्य के मुख्य सचिव पी.राजीव, पूर्व मंत्री बैराती बसवराज, विधान परिषद के मुख्य सचिव एन.रविकुमार, एमएलसी चलवाडी नारायणस्वामी, गोपीनाथ रेड्डी, विधायक रवि सुब्रमण्यम, उदय गरुड़चार, रघु, ए.एस.पाटिल नादहल्ली, धीरज मुनिराजू, पूर्व मंत्री, बेंगलूरु के सांसद , विधायक, विधान परिषद सदस्य, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के. राममूर्ति, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व विधान परिषद सदस्य का दिल का दौरा पड़ने से मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद के पूर्व सदस्य एमबी भानुप्रकाश का सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। शिवमोग्गा में पार्टी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। विरोध करते हुए वह गिर पड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। आरएसएस की पृष्ठभूमि में भानुप्रकाश ने शिवमोग्गा जिले में पार्टी के आयोजन में काफी मेहनत की थी। एक बार उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बंगारप्पा के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा और हार गए। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, शोभा करंदलाजे, वी. सोमन्ना और कई अन्य लोगों ने भानुप्रकाश के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ जेडीएस आज करेगी विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को कम करने की मांग को लेकर जेडीएस मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करेगी। बेंगलूरु महानगर जेडीएस की ओर से मंगलवार सुबह 10.30 बजे फ्रीडम पार्क से विधानसौधा तक राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन जेडीएस अध्यक्ष एच.एन. रमेश गौड़ा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में कमी की मांग को लेकर विधान सौधा का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। विरोध प्रदर्शन में सांसद, विधायक, पूर्व

मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पूर्व बीबीएमपी सदस्य और पार्टी नेता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि वह लोकसभा चुनाव के बाद राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का विरोध करेंगे।

10 दिन बाद भी नहीं मिला रेणुकास्वामी का मोबाइल

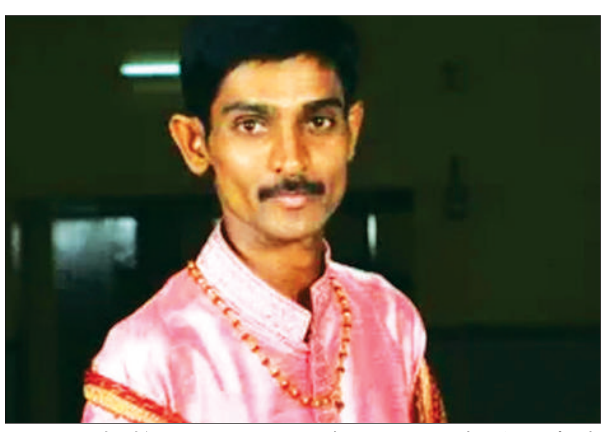

राजकलुवे में तलाश जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
फिल्म अभिनेता दर्शन गिरोह द्वारा मारे गए चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी का मोबाइल फोन 10 दिन बाद भी नहीं मिला है। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान जो जानकारी दी है कि उन्होंने मोबाइल फोन सुमनहल्ली के नाबदान में फेंक दिया था, उसके आधार पर पुलिस राजकलुवे में तलाश कर रही है। रेणुकास्वामी को 8 जून को चित्रदुर्ग से अपहरण कर शहर लाया गया था। उस दिन सुबह चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी का मोबाइल बंद हो गया था।

दोपहर होते-होते आरआर नगर में फिर से मोबाइल चालू हो गया। शाम को फिर मोबाइल बंद हो गया।

उसी दिन, जैसे ही वह शेड में आया, उसका मोबाइल फोन छीन लिया गया और पट्टनगेरे में एक शेड में रखा गया। दर्शन और उसके गिरोह ने उस पर हमला किया और उसकी हत्या कर दी और फिर शव को सुमनहल्ली के राजकलुवे में फेंक दिया। आरोप है कि रेणुकास्वामी ने अपने मोबाइल फोन से पवित्रा गौड़ा को एक मैसेज और वीडियो भेजा था। ऐसे में अगर मोबाइल फोन मिल जाता है तो पुलिस को उसमें मौजूद साक्ष्य जुटाने में मदद मिलेगी। आरोपी ने रेणुकास्वामी की हत्या करने के बाद उसके मोबाइल से सिम को अलग कर दिया था, उसे तोड़ दिया था और मोबाइल और सिम को अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया था।

घटना के सामने आते ही पुलिस ने घटनास्थल और उस जगह की तलाशी ली है जहां शव मिला था और कई सबूत एकत्र किए हैं। साथ ही पुलिस ने अभिनेता दर्शन और पवित्रा गौड़ा द्वारा पहने गए कपड़े और अन्य सामग्री पहले ही जब्त कर ली है। अगर रेणुकास्वामी का मोबाइल मिल जाए तो और सबूत मिलेंगे और जांच में मदद मिलेगी।

विकास कार्यों के लिए बढ़ाए गए पेट्रोल-डीजल के दाम: परमेश्वर

पड़ोसी राज्यों की तुलना में हमारी कीमतें कम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का पुरजोर बचाव करते हुए गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन जुटाना जरूरी है। इसलिए हमने तेल की कीमत बढ़ा दी। यह तर्क दिया गया है कि निःसंदेह इसके दुष्परिणाम होंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले भाजपा सरकार देश में 14 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा चुकी है।

तब प्रति बैरल कीमत कम थी। हमने दर वृद्धि का विरोध किया। लेकिन भाजपा ने दाम कम नहीं किये। तमिलनाडु और केरल जैसे पड़ोसी राज्यों की तुलना में हमारे पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम हैं। बिक्री कर बढ़ाने का प्रस्ताव कई वर्षों से है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब इतनी बढ़ोतरी के बाद भी हमारे यहां पेट्रोल-डीजल के दाम पड़ोसी राज्यों से कम हैं। इसलिए उन्होंने लोगों से सहयोग करने की अपील की। प्रदेश में परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएं। विभिन्न विकास कार्य कराए जाएं। इन सभी को केंद्रीकृत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि यह व्याख्या सही नहीं है कि गारंटी योजनाओं के लिए दर बढ़ायी गयी है। विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि अगर कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें कम की जाएंगी। उल्टे दरें बढ़ाए जाने की आलोचना पर परमेश्वर ने कहा कि अगर हमने कुछ कहा है तो वह हमेशा कायम नहीं रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन को स्थिति के अनुसार संचालित किया जाना चाहिए। मूल्य वृद्धि सिर्फ मन मुताबिक नहीं बढ़ाई गई है। भाजपा को इस बढ़ोतरी का कारण समझना चाहिए। इस संदर्भ में व्यापक समेकन की आवश्यकता है। हमने अभी भी दरों को पड़ोसी राज्यों के बराबर करने के लिए संशोधित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अतीत याद रखना चाहिए। तेल की कीमतें बढ़ने से बेशक जरूरी वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ रही हैं। इसे स्पिन ऑफ प्रभाव कहा जाता है। जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तो ट्रांसपोर्ट, ऑटो, बस सबका किराया बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसा ही हुआ था। अभिनेता दर्शन के मामले की जांच बिना किसी नरमी के की जा रही है। ऐसी कई अफवाहें हैं कि मृत व्यक्ति को बिजली का झटका दिया गया था। जांच पूरी होने तक कोई भी जानकारी सार्वजनिक रूप से जारी नहीं की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट आएगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट उचित फैसला लेगा। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि जिला पंचायत, तालुक पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर कोई कोर्ट न जाये, इसका ध्यान रखना जरूरी है। मधुगिरि के चिन्नेनाहल्ली दूषित जल मामले में स्पष्ट रूप से दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जांच जारी है। उन्होंने कहा कि अगर वरिष्ठ अधिकारियों की कोई चूक हुई तो जिला कलक्टर, सीईओ समेत अन्य जिम्मेदार होंगे।

ईदगाह मैदान में आयोजित सामूहिक प्रार्थना में हुए शामिल

सभी की आस्था और धर्म का बिना भेदभाव के रखा जाएगा ख्याल: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बकरीद त्योहार के तहत शहर के चामराजपेट के ईदगाह मैदान में आयोजित सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया। मंत्री जमीर अहमद खान और धार्मिक नेताओं ने सिद्धरामैया का स्वागत किया और उन्हें इमाम और शॉल से सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रार्थना में शामिल बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाई। प्रार्थना के बाद बोलते हुए, सिद्धरामैया ने मुसलमानों और सभी को बकरीद की शुभकामनाएं दीं। सभी को अपने भाई-बहन की तरह रहना चाहिए। प्यार के लिए आत्मविश्वास के साथ जीने की जरूरत होती है। देश में बहुलवादी संस्कृति है। यहां विभिन्न धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के लोग रहते हैं। मानवता सब से बड़ी है। आपसी प्रेम सहनशीलता के साथ रहना चाहिए। उन्होंने अन्य जातियों और धर्मों के प्रति प्रेम और सहनशीलता की भावना विकसित करने का आह्वान किया। हमारी सरकार सर्वधर्म में विश्वास रखती है और संविधान की इच्छा के अनुरूप कार्य करती है। सभी की आस्था और धर्म का बिना भेदभाव के ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी धर्मों के 7 करोड़ लोगों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता है।

अल्पसंख्यकों को चिंतित और भयभीत होने की जरूरत नहीं है। हम अल्पसंख्यकों के साथ-साथ बहुसंख्यकों को भी समान सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने भरपूर बारिश और फसलों के साथ राज्य में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा पॉक्सो मामले में सीआईडी के समक्ष हुए पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा सोमवार को अपने खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले के सिलसिले में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के समक्ष पेश हुए। जांच के लिए पेश होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए येदियुरप्पा ने कहा कि वह जांच में शामिल होंगे और वापस लौटेंगे। सीआईडी की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सारा फातिमा की अगुवाई वाली टीम ने मामले में येदियुरप्पा से पूछताछ की।

इस मामले में गिरफ्तारी का सामना कर रहे येदियुरप्पा को शुक्रवार को अस्थायी राहत मिली, क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पुलिस को उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू न करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की अध्यक्षता वाली पीठ ने येदियुरप्पा को सोमवार (17 जून) को बिना किसी चूक के अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था, जैसा कि उन्होंने पुलिस को दिए अपने जवाब में उल्लेख किया था। मार्च में येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। एक महिला ने आरोप लगाया कि जब वे मदद मांगने के लिए पूर्व सीएम के आवास पर गईं तो उनकी बेटी को परेशान किया गया। इस घटना के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री को निशाना बना रही है क्योंकि पार्टी लोकसभा चुनाव में हार को पचा नहीं पा रही है। सोशल मीडिया पर मंत्री जोशी ने दावा किया कि राज्य सरकार अपने कुशासन को छिपाने के लिए 81 वर्षीय नेता के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाकर उनके खिलाफ साजिश कर रही है।

राज्य का हिस्सा दिया होता, तो कर बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं

केंद्र ने जीएसटी संग्रह पर एकाधिकार कर लिया है, धन का न्यायसंगत हिस्सा देने से इनकार किया: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सरकार द्वारा की गई बढ़ोतरी पर विपक्षी भाजपा के विरोध को पलटने की कोशिश करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार पर जीएसटी पर एकाधिकार करने और राज्य को धन के न्यायसंगत हिस्से से वंचित करने का आरोप लगाया है। यहां सोमवार को कृष्णा स्थित अपने गृह कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि कर संग्रह के अवसर जो राज्यों के विशेषाधिकार थे, केंद्र ने हथिया लिए हैं और अगर मोदी शासन ने कर्नाटक के लोगों को राज्य के धन का उचित हिस्सा दिया होता, तो कर बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं होती। साथ ही, सिद्धरामैया ने कहा कि 'पेट्रोल-डीजल की दरों पर हाल ही में कर वृद्धि के बाद भी हमारे राज्य में ईंधन की कीमतें भाजपा शासित राज्यों और दक्षिण भारत के अन्य राज्यों की तुलना में कम हैं। उन्होंने कहा, अगर केंद्र सरकार ने राज्य के लोगों को राज्य का हिस्सा दिया होता, तो कर बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने ऐसा माहौल बनाया है, जिसमें कर वृद्धि अपरिहार्य थी' और राज्य के हिस्से का भुगतान न किए जाने के कारण पैदा हुई स्थिति के बारे में भी बताया। तथ्यों और आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 2015 के बाद, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत आधी हो गई थी, तब भी मोदी सरकार ने देश की जनता को लाभ दिए बिना ईंधन की कीमत लगातार बढ़ाई।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर में वृद्धि से एकत्रित अनुमानित 3,000 करोड़ रुपये का राजस्व राज्य के खजाने में जमा किया जाएगा। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा पैसा लोगों के कल्याण कार्यक्रमों के लिए आवंटित किया जाएगा और यह हमारी जेब में नहीं जाएगा। बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली पिछली बीजेपी सरकार में राज्य की हर योजना में कर के पैसे का 40 प्रतिशत हिस्सा बीजेपी नेताओं की जेब में जाता था। इस तरह राज्य की जनता की गाढ़ी कमाई का लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपया इन भाजपा नेताओं की जेबों में भर दिया गया है। उन्होंने कहा लूटपाट करने वाले, भ्रष्ट, जनविरोधी भाजपा नेताओं में इतनी गरिमा कहां है कि वे जनकल्याण के लिए करों में मामूली वृद्धि पर सवाल उठा सकें। राज्य सरकार गारंटी योजनाओं के लिए 60,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। यह राशि राज्य के सभी जाति-समुदायों के गरीब और मध्यम वर्ग को जाती है। डीजल-पेट्रोल कर में मौजूदा मामूली वृद्धि से केवल 3,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त संसाधन पैदा होंगे। लेकिन हम गारंटी के लिए 60,000 करोड़ रुपये दे रहे हैं। इसलिए, भाजपा नेता आर अशोक के मूर्खतापूर्ण शब्दों का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अशोक को यह सब समझ में नहीं आता है और न ही वे इसे समझने में सक्षम हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य के विकास कार्यों के लिए संसाधनों को इस तरह से जुटाने के उद्देश्य से कि लोगों पर बोझ न पड़े, पेट्रोल और डीजल बिक्री कर में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी प्रणाली लागू किए जाने के बाद राज्य सरकारों के लिए संसाधन जुटाने की गुंजाइश सीमित हो गई है। केंद्र सरकार जीएसटी, आयकर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क आदि स्रोतों से कर एकत्र करती है। राज्य सरकार के पास पंजीकरण और स्टांप शुल्क, वाहन कर, पेट्रोल, डीजल पर बिक्री कर और शराब पर बिक्री कर के अलावा कोई स्रोत नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार ने कर में मामूली वृद्धि की है और उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अन्य राज्यों की तुलना में कम हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि भाजपा को विरोध करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने अतिरिक्त चावल नहीं दिया

भाजपा गरीबों, दलितों और आम लोगों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों के खिलाफ है। उन्होंने सवाल किया कि अगर लोगों को मुफ्त बस यात्रा या 2000 रुपये प्रति माह दिए जाएं तो उनकी आर्थिक ताकत बढ़ जाती है? अगर उन्हें मुफ्त बिजली दी जाए तो क्या वे पैसे नहीं बचाते? जब हमने उनसे अनुरोध किया तो उन्होंने अतिरिक्त चावल नहीं दिया। क्या किसी ने कुछ कहा? सिद्धरामैया ने बिना किसी आधार के कांग्रेस सरकार को दिवालिया बताने के लिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा विपक्षी नेता कैसे कहते हैं कि सरकार दिवालिया है? क्या हमने किसी को भुगतान करना बंद कर दिया है? क्या बजट में घोषित कार्यक्रम अनुदान दिए बिना बंद कर दिए गए हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का जोरदार बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से मिलने वाले 3,000 करोड़ रुपये लोगों के कल्याण के लिए जाते हैं। क्या हम अंबानी और अडानी का कर्ज माफ कर रहे हैं? किसानों का एक रुपया भी कर्ज माफ नहीं किया गया है। क्या उन्हें हमसे सवाल करने का नैतिक अधिकार है।

2015 में यह कीमत आधी हो गई थी

डॉ मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 113 डॉलर थी। हालांकि 2015 में यह कीमत आधी हो गई थी, लेकिन नरेंद्र मोदी ने कीमत कम करने और लोगों पर बोझ कम करने के लिए कोई चिंता नहीं दिखाई। उन्होंने पूछा कि भाजपा को किसके खिलाफ लड़ना चाहिए? उन्होंने कहा भले ही मोदी सरकार द्वारा कर्नाटक के साथ लगातार अन्याय किया जा रहा हो, लेकिन भाजपा ने इस पर आवाज नहीं उठाई है। कराधान अनुचित होने पर भाजपा के किसी भी सांसद ने इस मुद्दे पर बात नहीं की है। हालांकि 15वें वित्त आयोग ने राज्य को विशेष अनुदान देने की सिफारिश की है, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे नहीं दिया है। उन्होंने कहा, 'केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भद्रा अपर बैंक परियोजना के लिए बजट में 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हालांकि यह घोषणा की गई थी कि इसे प्रदान किया जाएगा, लेकिन कोई पैसा नहीं दिया गया। क्या भाजपा ने इन मुद्दों पर अपनी आवाज उठाई है? बढ़ोतरी अंबानी-अडानी के ऋण माफ करने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा का 'गरीब विरोधी, दलित विरोधी रवैया' है। सूखे के लिए मुआवजे की मांग करने के लिए हमें अदालत जाना पड़ा। उन्होंने हमें 3,454 करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि हमने राहत के तौर पर 18,000 करोड़ रुपये मांगे थे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 3 और 3.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के खिलाफ जिला भाजपा ने सोमवार को पीवीएस जंक्शन पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और विरोध के प्रतीक के रूप में खाली बर्तन दिखाए।

उन्होंने कुछ वाहनों को धक्का देकर और कुछ को रस्सी से खींचकर भी प्रदर्शन किया। जिला भाजपा अध्यक्ष सतीश कुम्पाला ने कहा कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करके आम आदमी पर बोझ डाला है। पिछले एक साल में, कांग्रेस सरकार ने जनता से उनकी गारंटी के मुआवजे के रूप में पैसे वसूलने के लिए हर वस्तु की कीमत बढ़ा दी है। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा मतदाताओं ने हाल के चुनावों में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है, और जवाब में, सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सजा के तौर पर पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ा दी है, जिससे लोगों पर और बोझ पड़ गया है। विरोध प्रदर्शन में विधायक वेदव्यास कामथ, महापौर सुधीर शेट्टी, एमएलसी प्रतापसिंह नायक, पूर्व एमएलसी कैप्टन गणेश कार्णिक और अन्य उपस्थित थे।

केआरआइडीई को जल्द ही पूर्णकालिक एमडी के रूप में तकनीकी विशेषज्ञ मिलेंगे: सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (कर्नाटक) लिमिटेड (केआरआइडीई) को अगले 15 से 20 दिनों के भीतर एमडी के रूप में पूर्णकालिक तकनीकी विशेषज्ञ मिलेंगे। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शहर में एक बैठक में यह बात कही।

वे बेंगलूरु कैंटोनमेंट रेलवे स्टेशन के पास रेल हाउस में दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद प्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, केआरआइडीई के पास कोई स्थायी एमडी नहीं है। मैंने पहले ही मुख्य सचिव को केआरआइडीई एमडी के रूप में एक तकनीकी विशेषज्ञ को नियुक्त करने के लिए सूचित कर दिया है। रेलवे की अधिसूचना के आधार पर, हम 15 से 20 दिनों के भीतर पूर्णकालिक एमडी की नियुक्ति करेंगे। उपनगरीय रेलवे के लिए कई हजार पेड़ों को काटने के प्रस्ताव के बारे में केआरआईडीई द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति के बावजूद, उन्होंने ऐसे दावों को खारिज कर दिया और कहा कि इस संबंध में चर्चा की जाएगी। सोमन्ना ने आश्वासन दिया कि कई लंबित परियोजनाएं जल्द ही पूरी हो जाएंगी।

उन्होंने कहा हम विस्तृत चर्चा करेंगे और कर्नाटक में नौ परियोजनाओं में से कुछ को दिसंबर 2025 तक पूरा करेंगे, जो 1995-96, 2004-05 या 2010-11 से चल रही हैं और बाकी को दिसंबर 2026 तक नागरिकों को सौंपने से पहले पूरा करेंगे। उन्होंने छह रेलवे ट्रैक - होटगी-कुडगी-गदग, यशवंतपुर-चन्नासंद्रा, बैयप्पनहल्ली-होसुर, होस्पेट-वास्को रेल दोहरीकरण परियोजना, पेनुकोंडा-धर्मावरम और बेंगलूरु सिटी-कृष्णराजपुरम-व्हाइटफील्ड पर चल रही दोहरीकरण परियोजनाओं की ओर भी इशारा किया और पूरा होने का आश्वासन दिया। मंत्री ने यह भी कहा कि वह सभी लेवल क्रॉसिंग को रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) या रोड ओवरब्रिज (आरओबी) में बदलने के काम को तेजी से पूरा करेंगे। पश्चिम बंगाल में हुई रेल दुर्घटना पर टिप्पणी करते हुए सोमन्ना ने कहा इस दुर्घटना से हम सभी को दुख पहुंचा है। मैंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हमें वहां हुई घटना के बारे में सूचित करें। वे घटनास्थल पर गए हैं। मैं रेल भवन जा रहा हूं और पता लगाऊंगा कि क्या हुआ, कैसे और क्यों हुआ।

अभिनेता दर्शन की हत्या में कथित संलिप्तता का मामला

बड़े सितारों ने पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
करीब एक हफ्ते बाद कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारों ने सोमवार को अभिनेता दर्शन की हत्या में कथित संलिप्तता के बारे में बात की। कन्नड़ फिल्म बिरादरी के शीर्ष सितारों, अभिनेता उपेंद्र और किच्चा सुदीप ने रेणुकास्वामी की हत्या के मामले पर अपनी राय व्यक्त की, जिसमें दर्शन और उनकी अभिनेत्री मित्र पवित्रा गौड़ा को 12 जून को गिरफ्तार किया गया था। दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि पीड़ित और उसके परिवार को उनका उचित न्याय मिलना चाहिए। उपेंद्र ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि जब कोई सार्वजनिक व्यक्ति ऐसे क्रूर मामले में पकड़ा जाता है, तो सभी वीडियो, दस्तावेज और सबूत सार्वजनिक किए जाने चाहिए। इस बात पर जोर देते हुए कि न केवल कर्नाटक बल्कि पूरा भारत देख रहा है, उपेंद्र ने कहा कि वह इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई में निष्पक्ष निर्णय और न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने लिखा रेणुकास्वामी के परिवार, लोगों, मीडिया और दर्शन के प्रशंसकों में इस बात को लेकर कुछ चिंता और संदेह है कि इस मामले को कैसे संभाला जा रहा है।

अटकलें लगाई जा रही हैं। इसलिए, मुकदमे की वीडियो फुटेज और गवाहों के सभी विवरण पुलिस को संबंधित व्यक्तियों के परिवारों के साथ साझा करने चाहिए। वास्तव में, यह एक कानून बन जाना चाहिए। उनके अनुसार, पहले पुलिस मुकदमे लिखती और रिकॉर्ड करती थी, अब तकनीक इतनी आगे बढ़ गई है कि हर चीज का वीडियो रिकॉर्ड किया जा सकता है और लाइव-स्ट्रीम किया जा सकता है, इसलिए इस तरह के कानूनी सुधार को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा विशेष रूप से, किसी सार्वजनिक व्यक्ति से जुड़े मामले के मामले में, पुलिस को नियमित रूप से मामले की सुनवाई की वीडियो फुटेज और गवाहों के सभी विवरण सार्वजनिक करने चाहिए। किसी सार्वजनिक व्यक्ति का मुकदमा पूरी पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक रूप से होना चाहिए। इस तरह, सबूतों के साथ छेड़छाड़, प्रभावशाली लोगों द्वारा हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होगा। उपेन्द्र ने जोर देकर कहा कि यही एकमात्र तरीका है जिससे रेणुकास्वामी के परिवार, लोगों, मीडिया और दर्शन के प्रशंसकों में पुलिस के प्रति अधिक सम्मान पैदा होगा। इस बीच, पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुदीप ने कहा कि लोगों को केवल वही पता है जो मीडिया उन्हें दिखा रहा है, क्योंकि वे जानकारी लेने के लिए पुलिस स्टेशन नहीं जा रहे हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि सड़कों पर मरने वाले रेणुकास्वामी न्याय के हकदार हैं।

उनकी पत्नी न्याय की हकदार हैं। उनके अजन्मे बच्चे को न्याय मिलना चाहिए। सबसे बढ़कर, सभी को इस पर भरोसा होना चाहिए, इस मामले में न्याय होना चाहिए। जब एक पत्रकार ने उन्हें याद दिलाया कि वे दर्शन के दोस्त हुआ करते थे, तो सुदीप ने कहा कि दोस्ती या रिश्ता न्याय चाहने से अलग होता है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी के बारे में बुरा-भला कहने की आदत नहीं है, लेकिन वह बस इतना चाहते हैं कि फिल्म उद्योग को बदनाम न किया जाए। कन्नड़ फिल्म उद्योग कई लोगों की कड़ी मेहनत की वजह से आज इस मुकाम पर पहुंचा है।

इसका इतिहास बहुत पुराना है। यह गलत है कि एक व्यक्ति की वजह से इस उद्योग को बदनाम किया जा रहा है। इसलिए हमारा इरादा यह सुनिश्चित करना है कि इस मामले में न्याय हो। उन्होंने लोगों से मशहूर हस्तियों की राय के बजाय तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालने का आग्रह किया। उन्होंने कहा एक मशहूर हस्ती होने का मतलब यह नहीं है कि हम भगवान हैं, हमारे साथ ऐसा व्यवहार न करें। मुझसे यह न पूछें कि फिल्म उद्योग को क्या कदम उठाने चाहिए। समाचार देखें और अपने निष्कर्ष निकालें और जानें कि आपको अपने जीवन में क्या नहीं करना चाहिए। दर्शन, गौड़ा और उनके 17 सहयोगियों को 8 जून को चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

काव्य मोतियों से सजा मंच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मंजिल ग्रुप साहित्यिक मंच (भारतवर्ष) की दक्षिणी शाखा दक्षिण भारत के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। सर्वप्रथम दक्षिण भारत की राष्ट्रीय प्रभारी वीणा मेदनी ने संस्थापक सभापति को नमन करते हुए सभा को संबोधित किया।

संस्था की थोड़ी जानकारी और उद्देश्यों को दर्शाया जो निस्वार्थ भाव से संचालित होते आया है और दो प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति करते आया है। प्रथम उद्देश्य श्रेष्ठ रचनाओं को जन-जन तक पहुँचाना, दूसरा मैं से हम का आह्वान अर्थात मैं का त्याग और हम में सम्मिलित हो है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार भारत नायक बाबू ने की। बतौर मुख्य अतिथि डॉक्टर उषा रानी राव आमंत्रित थी।

कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत एवं विकास अग्रवाल बिंदल की सरस्वती वंदना से शुरू हुआ। कविता पाठ में रितु प्रज्ञा, मधु मनमौजी, शिवालिका सिंह कुशवाहा, कमल पुरोहित अपरिचित, डॉ शशि मंगल, अंजनी कुमार सुधाकर, वीणा मेदनी, रामकुमारी, विकास अग्रवाल बिंदल, डॉ मंजू रूस्तगी, मोती प्रसाद साहू, रमेशचंद्र द्विवेदी, उषा वर्मा वेदना, सरला विजय सिंह सरल और स्वर्ण ज्योति समेत अन्य लोगों ने भाग लिया। एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां हुई। सारे रसों का आनंद सम्मानित सभा ने उठाया।

रक्तदान शिविर में 124 यूनिट रक्त एकत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच की बेंगलूरु शाखा ने रविवार को नारायणा हृदयालय ब्लड बैंक के सहयोग से शहर के 2 अपार्टमेंट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पहला शिविर मैसूरु रोड के नायदनहल्ली स्थित सलारपुरिया डिविनिटी अपार्टमेन्ट के क्लब हाउस में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने सलारपुरिया डिविनिटी अपार्टमेन्ट ऑनर्स एसोसिएशन के सहयोग से किया। जिसमें कुल मिलाकर 86 यूनिट

रक्त का संग्रह हुआ। दूसरा रक्तदान शिविर कनकपुरा रोड के उदयापुरा स्थित ब्रिगेड मिडोज अपार्टमेन्ट के क्लब हाउस में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने ब्रिगेड मिडोज अपार्टमेन्ट ऑनर्स एसोसिएशन के सहयोग से किया। जिसमें कुल मिलाकर 38 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। इस रक्तदान शिविर समारोह में मंच के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी रक्तदाताओं का स्वागत किया। सचिव शुभम लोहिया ने आज की परिस्थिति में रक्तदान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं को रक्तदान के बाद आभार पत्र के साथ फलों का जूस और बिस्किट दिया। संयोजक गौरव शर्मा ने रक्तदान शिविर की रुपरेखा बताई और साथ में भविष्य के होने वाले रक्तदान शिविर की जानकारी दी। इन दोनों रक्तदान शिविर में दोनों अपार्टमेन्ट के निवासियों ने बढ़चढ़ कर भाग किया। साथ ही मंच के युवाओं ने भी उत्साह से अपने पूरे परिवार और मित्रों के साथ रक्तदान किया। इस अवसर पर मायुमं बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा उपाध्यक्ष गोपाल कुमार और सुशील सैनी सहित शाखा के वरिष्ठ सदस्य पवन राजलीवाल और शाखा सदस्य बरूण अग्रवाल, वैभव खंडेलवाल, सन्नी जैन, कन्हैया अग्रवाल, विवेक खंडेलवाल, हितेश पोद्दार, एकता खंडेलवाल आदि उपस्थित थे।

कंचनजंगा एक्सप्रेस से टकराई मालगाड़ी 15 की मौत, 60 से अधिक घायल

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी सहित कई नेताओं ने जताया दुःख
- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घटनास्थल पहुंचे, हालात का लिया जायजा
- पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए दिए जाएंगे

दार्जिलिंग, 17 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिल में सोमवार को बड़ा रेल हादसा हुआ है। कोलकाता से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 15 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। ट्रेन को सिलीगुड़ी के रंगापानी क्षेत्र में एक मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घटनास्थल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। रेल मंत्री ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात भी दी। उधर द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी सहित कई नेताओं ने घटना पर गहरा दुःख जताया है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार

रूपए अनुग्रह राशि दिये जाने की घोषणा की।

हालांकि रेलवे बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जय वर्मा ने 5 लोगों की मौत और 25 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, ईस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ कौशिक मित्रा ने नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के हवाले से बताया कि 2 लोको पायलट और एक गार्ड समेत 8 लोगों की मौत हुई है।

न्यूज एजेंसियों ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि रेलवे के आंतरिक दस्तावेज में इस बात का खुलासा हुआ है कि ऑटोमेटिक सिग्नल खराब था, इस वजह से मालगाड़ी का ड्राइवर आगे बढ़ गया। रेड सिग्नल काम ही नहीं कर रहे थे। रानीपात्रा के स्टेशन मास्टर ने मालगाड़ी के ड्राइवर को जारी किए दस्तावेज में उसे सभी रेड सिग्नल पार करने की मंजूरी थी। इससे पहले रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा के मुताबिक, मालगाड़ी के लोको पायलट ने सिग्नल ओवरशूट किया। जिसके कारण वह कंजनजंगा एक्सप्रेस से टकरा गई। इस हादसे में गार्ड का डिब्बा, जनरल डिब्बा क्षतिग्रस्त हुआ है। आर्मी और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू का काम पूरा कर लिया है। रेल रूट के रेस्टोरेशन का काम शुरू हो चुका है। कौशिक मित्रा ने बताया कि कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के आखिरी में दो पार्सल और एक एसएलआर कोच लगे हुए थे। इसमें कोई पैसेंजर नहीं था। ट्रेन के 5 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। 12:40 बजे एक स्पेशल ट्रेन सियालदह के लिए रवाना हुई। ट्रेन में अधिकतर यात्री मालदा और बोलपुर के हैं। सिंगल लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई है।

रेल मंत्री ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख और घायलों को ढाई-ढाई लाख रुपए देने का किया ऐलान

नई दिल्ली 17 जून (वार्ता) रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी के समीप सोमवार को अगरतला-सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल लोगों को ढाई-ढाई लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, पीड़ितों को बढ़ी हुई अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। मृत्यु की स्थिति में 10 -10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल के लिए 2.5-2.5 लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 50,000-50,000 रुपए दिए जाएंगे।

रायबरेली रहेंगे राहुल गांधी
वायनाड से लड़ेंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद देशभर में सियासी दल आंतरिक बैठक कर आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक की और राहुल गांधी की संसदीय सीट को लेकर फैसला किया।

बैठक के बाद खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी वायनाड सीट छोड़ेंगे और रायबरेली अपने पास रखेंगे। इसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी। इस मीटिंग में सोनिया गांधी के साथ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल भी शामिल हुए।

खड़गे ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, हम सबने बैठक में यह तय कर लिया कि राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे, क्योंकि रायबरेली पहले से भी उनके काफी नजदीक रही है। उस परिवार के साथ जुड़ाव है और पीढ़ियों से वहां से लड़ते आए हैं। इसलिए वहां के लोगों और पार्टी के लोगों का भी कहना है कि वह रायबरेली की सीट अपने पास रखें। वायनाड के लोगों का प्यार भी राहुल को मिला है। वे लोग चाहते हैं कि राहुल वायनाड में ही रहें, लेकिन कानून इसकी इजाजत नहीं देता कि कोई दो सीटें अपने पास रखे। इसीलिए वायनाड सीट से प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ेंगी।

प्रियंका गांधी ने कहा, मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। वायनाड का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात होगी। मैं एक अच्छा प्रतिनिधि बनने की कोशिश करुंगी। रायबरेली से मेरा पुराना रिश्ता है और मैंने रायबरेली और अमेठी के लिए काफी काम किया है। मैं भैया की मदद रायबरेली में भी करूंगी। हम दोनों वायनाड और रायबरेली में एक-दूसरे की मदद भी करेंगे। कांग्रेस आलाकमान की यह बैठक राहुल गांधी के रायबरेली या वायनाड सीट छोड़ने पर मची सियासी सरगर्मी के बीच आयोजित की गई थी।

बांडीपोरा में मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, गोलीबारी जारी

जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)। उत्तरी कश्मीर के बांडीपोरा जिले के अरागाम इलाके में सोमवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच चल रही मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। जबकि दूसरे के साथ समाचार भिजवाए जाने तक गोलीबारी जारी थी। दूसरी ओर सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा मे हिज्बुल मुजाहिदीन के एक आतंकी को हथियारों समेत धर लिया है।

अरागाम में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है, जिसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। सेना के एक अधिकारी ने भी चल रही मुठभेड़ में एक आतंकवादी के मारे जाने की पुष्टि की है। जैसे ही सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने संदिग्ध स्थान की ओर तलाशी तेज की, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस गोलीबारी का सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। मुठभेड़ में दो आतंकवादी फंसे हुए थे। जानकारी के लिए जम्मू- कश्मीर में हाल ही में चार आतंकी हमलों के बाद अलग-अलग जगहों पर संदिग्ध देखे गए थे। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया था। गौरतलब है कि 24 अप्रैल को इसी स्थान पर आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी में दो सैन्य जवान घायल हो गए थे।

दूसरी ओर उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा में पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम को बड़ी सफलता मिली है। जिले के उप जिला हंदवाड़ा में एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। आतंकी प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन संगठन से जुड़ा हुआ है और वह क्षेत्र में साफ्ट टारगेट करने की फिराक में था। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने सोमवार को हंदवाड़ा के काचरी गांव से हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के आतंकवादी को गिरफ्तार किया। उसे लक्षित हत्याओं को अंजाम देने का काम सौंपा गया था। हंदवाड़ा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी हंदवाड़ा दाऊद अयूब ने कहा कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना की 30आरआर और हंदवाड़ा पुलिस सहित सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान जाकिर हामिद मीर के रूप में की गई है।

हेलीकॉप्टर से अमरनाथ आने वालों को ऑनलाइन बुकिंग करानी होगी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 17 जून।

इस बार हेलीकॉप्टर से अमरनाथ यात्रा में शामिल होने की योजना बना रहे श्रद्धालुओं को इस बार ऑनलाइन बुकिंग करानी होगी। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड ने इस बार सभी टिकट आनलाइन ही बेचने का निर्णय लिया है। इस बार हेलीकॉप्टर से दर्शन करने के लिए जाने वालों को कोई प्राथमिकता के आधार पर दर्शन सुविधा नहीं मिलेगी।

अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, इस बार ठफलाइन टिकट या प्राथमिकता उपलब्ध नहीं होगी, इसलिए बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी और सीधे श्रद्धालुओं को प्रदान की जाएगी।

इस अधिकारी ने जानकारी दी की पहलगाम से पंजतरणी तक का एकतरफा किराया 4,900 रुपए, दो तरफा किराया 9,800 रुपए है जबकि नीलग्रथ से पंजतरणी तक का एकतरफा किराया 3,250 रुपए और दोनों तरफ का किराया 6,500 रुपए तय किया गया है।

जानकारी के लिए इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा की ऑनलाइन बुकिंग 16 जून से शुरू हो गई हे। अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने 29 जून से शुरू होने वाली इस साल की 52 दिवसीय अमरनाथ यात्रा के लिए बालटाल और पहलगाम दोनों यात्रा मार्गों के लिए सुविधा शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बालटाल मार्ग के लिए नीलग्रथ-पंजतरणी-नीलग्रथ पर हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि पहलगाम मार्ग के लिए पहलगाम-पंजतरणी-पहलगाम मार्ग पर हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध होगी।

एसएएसबी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू हो रही है और 19 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर सम्पन्न होगी। पंजतरणी हेलीपैड से पवित्र गुफा तक और वापस यात्रा में समय लगता है, इसलिए तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध स्लॉट यात्राओं के बीच कम से कम 5 से 6 घंटे के अंतराल पर दिखाई देंगे।

श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि यात्री को यात्रा के दौरान मूल फोटो पहचान पत्र और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र साथ रखना होगा, जबकि तीर्थयात्रियों को बुक किए गए समय से कम से कम 30 मिनट पहले संबंधित हेलीपैड पर पहुंचना होगा। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि हेलीकॉप्टर सेवा की ऑनलाइन बुकिंग आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर की जा सकती है। श्राइन बोर्ड ने एक बयान में कहा कि चार्टर बुकिंग केवल श्रीनगर और नीलग्रथ के बीच यात्रा के लिए अनुमति दी गई है, जिसमें नीलग्रथ और पंजतरणी के बीच चलने वाली कनेक्टिंग सेवा पर प्राथमिकता वाली सीटें हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चार्टर बुकिंग से यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के पास भी हेलीकाप्टर टिकट बुक करते समय स्वास्थ्य प्रमाणपत्र होना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अनुसार, तीर्थ यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। तीर्थयात्रियों के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल से ही शुरू हो चुका है। इस साल, पवित्र गुफा तक 125 लंगर लगाने की अनुमति दी गई है। कई स्थानों पर लंगर व्यवस्थाएं मूर्त रूप लेने लगी हैं।

चुनाव से पहले आएगी नौकरी की बहार मुख्यमंत्री ने समय सीमा भी बताई

पटना, 17 जून (ब्यूरो)। चुनावी माहौल में तेजस्वी यादव 17 महीने में नौकरी देने की बात कहते रहे जिसका असर लोकसभा चुनाव के परिणाम में देखने को मिला। हार-जीत के मंथन में सरकार ने इस बात को भी समझा और इसलिए लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के समाप्त होते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहले कैबिनेट की बैठक के साथ यह फैसला लिया कि 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने 10 लाख नौकरियां और 10 लाख रोजगार की जो बात कही थी, उसे अब अगले चुनाव यानि बिहार विधान सभा चुनाव से पहले पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि आधा काम हो गया है और आधा काम जल्द से जल्द पूरा कर लेना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2020-25 के अन्तर्गत

15 दिसम्बर 2020 से लागू सात निश्चय - 2 के अन्तर्गत 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। अब तक 5 लाख 16 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। 1 लाख 99 हजार सरकारी नौकरी से संबंधित नियुक्ति की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गयी है। सरकार का कहना है कि अगले तीन महीने में नियुक्ति पत्र का वितरण कर लिया जायेगा।

2 लाख 11 हजार नई नियुक्ति हेतु अधियाचना विभिन्न आयोगों को भेजी जा चुकी है, जबकि 2 लाख 34 हजार पदों पर नियुक्ति के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना भेजने की तैयारी की जा रही है। इस प्रकार कुल 5 लाख 17 हजार सरकारी नौकरी की नियुक्ति के लिए विभिन्न आयोगों को अधियाचना या तो भेजी जा चुकी है या फिर प्रक्रियाधीन है। वर्ष 2024-25 तक नियुक्ति पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किय गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय - 2 के अन्तर्गत मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित 10 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के विरूद्ध आगामी वर्ष तक 12 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरियां दे दी जायेगी। हालांकि अब तक 22 लाख से अधिक रोजगार सृजित किये जा चुके हैं, जबकि वर्ष 2024-25 में कुल 11 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नियुक्ति हेतु आयोजित परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता न हो सके। साथ ही प्रश्नपत्र लीक न हो इसको लेकर एक सख्त कानून बनाया जायेगा। इसके लिए एक प्रस्ताव आगामी विधानसभा के सत्र में लाया जायेगा।

सात निश्चय- 2 के अन्तर्गत 5 लाख 16 हजार नियुक्तियां की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 1 लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण के लिये तैयार है। साथ ही 5 लाख 17 हजार रिक्तियों के विरूद्ध नियुक्ति प्रक्रियाधीन है यानी (5 लाख 16 हजार + 1 लाख 99 हजार + 5 लाख 17 हजार) कुल 12 लाख से अधिक सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है।

हीरानगर हमले के बाद जम्मू सीमा के संवेदनशील ठिकानों पर सतर्कता

जम्मू, 17 जून (ब्यूरो)। कठुआ के हीरानगर में पिछले हफ्ते हुए आतंकी हमले के उपरांत बीएसएफ की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल इसलिए उठने लगे थे क्योंकि जम्मू कश्मीर पुलिस का कहना था कि मारे गए आतंकी जम्मू सीमा को पार कर ही इस ओर आए थे। यही नहीं पुलिस का तो यह भी दावा था कि मारे गए आतंकियों के साथी अभी भी इस ओर जिन्दा हैं।

ऐसे में बीएसएफ ने इस चुनौती का सामना करने के लिए 264 किमी लंबी जम्मू सीमा पर संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा ग्रिड को और पुख्ता बनाया है। नदी, नालों से लगते इलाकों में अतिरिक्त कंटीली तारें बिछाई गई हैं। इसके साथ इन जगहों पर घुसपैठ को रोकने के लिए बेतहर तकनीकी सर्वेलांस का सहारा लिया जा रहा है। संवेदनशील जगहों पर जवानों की तैनात बढ़ाने के साथ ड्रोन की मदद से भी सरहद के हर हिस्से पर नजर रखी जा रही है। कई स्थानों पर पहली बार बारूदी सुरंगें भी बिछाई हैं।

कई स्थानों पर जमीन में सुरंगों को खोजने का कार्य भी जारी है क्योंकि आशंका यह है कि ताजा घुसे आतंकी किसी सुरंग के सहारे इस ओर घुसे थे। यह आशंका इसलिए जताई जा रही है क्योंकि बीएसएफ के सूत्रों का दावा था कि कहीं से कोई तारबंदी कटी हुई नहीं पाई गई है। सीमा पर घुसपैठ को नाकाम बनाने की दिशा में सीमा सुरक्षा बल ने अहम भूमिका निभाई है। पिछले सालों में जब पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण पाकिस्तानी रेंजर्स की बुनियाद हिला रहा तो उस समय सीमा सुरक्षा बल सीमा से सटे इलाकों की सफाई कर रही थी। पाकिस्तान की ओर से एतराज करने, गोलीबारी करने के बाद भी सीमा प्रहरियों की मुहिम चलती रही है। ऐसे में सांबा सेक्टर में बसंतर नदी के पास सीमा सुरक्षाबल ने पांच सौ कनाल जमीन से सरकंडे हटाकर इसे खेती लायक बना दिया। यह वही जगह थी यहां बाढ़ से फैंसिंग को नुकसान होने के बाद सरकंडों की आड़ में घुसपैठ की कोशिशें होती थी।

सीमा सुरक्षाबल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आतंकवाद के समूल नाश के लिए बनी रणनीति के तहत सेना, सीमा सुरक्षा बल व जम्मू कश्मीर पुलिस मिलकर काम कर रहे हैं। सरहद पर घुसपैठ पर अंकुश लगाने के बाद सक्रिय आतंकवादियों को मार गिराने के साथ जमीनी पर उन्हें सहयोग देने वाले ओवरग्राउंड वर्करों को निष्क्रिय किया जा रहा है। यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। हताशा में आतंकववादियों का कश्मीर में आम लोगों को निशाना बनाना इसका सबूत है। आने वाले दिनों में आतंकवादियों को घेरने के दायरे को और सख्त बनाया जाएगा।

यही नहीं जम्मू के इंटरनेशनल बार्डर पर बरसात एक बार फिर बीएसएफ के लिए चुनौती साबित होने जा रही है। यही कारण था कि बरसात के दिनों में सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को रोकने की खातिर बीएसएफ सभी उपाय कर लेना चाहती है। बरसात के दिनों में बाढ़ से नदी, नालों पर फैंसिंग क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसके साथ नदी से सटे इलाकों में जलस्तर कम होने से कई घुसपैठ के रास्ते बन जाते हैं। बारिश के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दूर तक देखना संभव नहीं होता है। ऐसे में कई बार आतंकवादी बारिश के बीच घुसपैठ करने के लिए कोशिशें करते हैं।

बाढ़ से निपटने को तैयार योगी सरकार, 29 जिलों पर पैनी नजर

बाढ़ से निटपने के लिए प्रदेश को तीन भाग में बांटा गया

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)।

भीषण गर्मी और लू से परेशान प्रदेशवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आयी है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में 20 से 25 जून के बीच मानसून आने की संभावना है। ऐसे में योगी सरकार मानसून को लेकर अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक कर मानसून की सक्रियता के बाद बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को खाका तैयार करने का आदेश दिया था ताकि प्रदेशवासियों और उनके मवेशियों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप बाढ़ की स्थिति से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए प्रदेश को तीन भागों में बांटा गया है। इसमें अति संवेदनशील श्रेणी में 29, संवेदनशील श्रेणी में 11 और सामान्य श्रेणी में 35 जनपद शामिल हैं। इन जिलों में

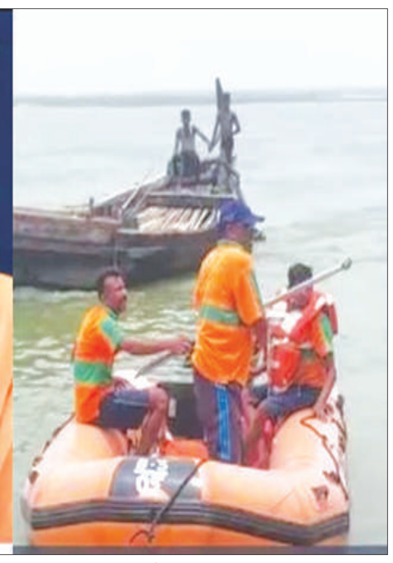

विशेष निगरानी के लिए टीमों का गठन कर अलर्ट कर दिया गया है, जिसमें सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारी के साथ कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पीएसी और मौसम विभाग भी अलर्ट मोड पर है। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 7 टीमें, एसडीआरएफ की 18 टीमें और पीएसी की 17 टीमों की प्रीपोजीशनिंग की जा चुकी है। इसके साथ ही राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा बाढ़ की अवधि में मौसम विभाग, सिंचाई विभाग, कृषि विभाग और केंद्रीय जल आयोग से रिपोर्ट प्राप्त कर दैनिक समीक्षा का रोस्टर तैयार कर लिया गया है ताकि बाढ़ प्रबंधन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बाढ़ से निपटने के लिए राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को भी एक्टिव कर दिया गया है, जहां चौबीसों घंटे राहत हेल्पलाइन 1070 के लिए 20 सीटर कॉल सेंटर संचालित कर दिया गया है। इमरजेंसी सेंटर के माध्यम से प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों में फील्ड में तैनात अधिकारियों को एसएमएस और वॉयस कॉल के माध्यम से वास्तविक स्थिति से अपडेट किया जाएगा ताकि समय रहते स्थिति से निपटा जा सके। इतना ही नहीं सभी जिलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा समेत 24 घंटे डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित कर दिए गए हैं। साथ ही इन्हे राज्य स्तरीय राहत कंट्रोल रूम से जोड़ दिया गया है। वहीं बाढ़ की तैयारी के लिए सभी जनपदों को बाढ़ पूर्व तैयारी चेक लिस्ट भेजी जा चुकी है। योगी सरकार ने प्रदेश में बाढ़ समेत अन्य आपदा से निपटने के लिए 400 आपदा मित्रों की तैनाती की है। उन्हें 15 दिन की ट्रेनिंग के साथ यूनीफार्म, आईडी कार्ड, सर्टिफिकेट तथा इमरजेंसी रिस्पांडर किट उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा 10500 वालंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर काशी का आभार जताएंगे मोदी

दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को वाराणसी आ रहे हैं पीएम

वाराणसी, 17 जून (एजेंसियां)।

तीसरी बार देश की सत्ता संभालने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अपनी काशी पहुंचेंगे। 18वीं लोकसभा चुनाव परिणाम के उपरांत 18 जून से उनका दो दिवसीय वाराणसी दौरा होगा। प्रधानमंत्री सेवापुरी विधानसभा स्थित मेंहदीगंज में किसान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। साथ ही दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीएम किसान सम्मान निधि की लगभग 20,000 करोड़ की 17 वीं क़िस्त जारी करेंगे और स्वयं सहायता समूहों की 30 हजार से अधिक महिलाओं को सर्टिफिकेट भी देंगे। भारतीय जनता पार्टी ने किसान सम्मेलन में 50 हजार किसानों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र की जनता का धन्यवाद करने के लिए दो दिनों के दौरे पर मंगलवार को वाराणसी पहुंचेंगे। काशी की जनता और भाजपा कार्यकर्ता अपने सांसद का भव्य स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शाम लगभग 3.30 बजे आएंगे। वहां से मेंहदीगंज जनसभा स्थल पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री किसानों की जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री डीबीटी के माध्यम से लगभग 20 हजार करोड़ की किसान सम्मान निधि लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं सहायता समूह की 30,000 महिलाओं को प्रमाण पत्र भी देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामांकन के पहले बाबा विश्वनाथ और मां गंगा का दर्शन करने गए थे। चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री पद की हैट्रिक लगाने के बाद एक बार फिर मंगलवार को वे बाबा विश्वनाथ के दरबार में शीश नवाएंगे, साथ ही दशाश्वमेध पर मां गंगा का दर्शन-आरती में भी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पीएम की अगवानी करने के बाद सभी कार्यक्रम में साथ रहेंगे। प्रधानमंत्री रात्रि विश्राम बरेका में करेंगे। 19 जून की सुबह वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ काशी की जनता भी जुटी है। भाजपा कार्यकर्ता बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ ही मेहंदीगंज ग्राम सभा स्थल पर भव्य स्वागत करेंगे। पुलिस लाइन से लेकर दशाश्वमेध घाट व विश्वनाथ मंदिर गेट नंबर चार तक पूरे यात्रा मार्ग में काशीवासियों संग भाजपा कार्यकर्ता ढोल, नगाड़ा, डमरू दल के साथ शंखनाद एवं गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर पीएम का जोरदार स्वागत करेंगे।

यूपी के पॉटरी उद्योग को बड़ा आधार देने की तैयारी

खुर्जा के पॉटरी उत्पादों की पूरी दुनिया में है मांग

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के जरिए प्रदेश के जिलों की पारंपरिक पहचान को बड़े उद्योग के रूप में डेवलप करने का योगी सरकार का प्रयास निरंतर गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खुर्जा की सिरेमिक और पॉटरी उद्योग को बड़ा फलक देने की तैयारी है। खुर्जा महायोजना 2031 के अंतर्गत सिरेमिक हाट विकसित किया जाएगा, जिसके बाद इस उद्योग से जुड़े 400 यूनिट्स को बड़ा लाभ मिलना तय है। बुलंदशहर के खुर्जा शहर की पहचान ओडीओपी योजना आने के बाद से वैश्विक फलक पर छाने लगी है। यही वजह है कि प्रदेश सिरेमिक और पॉटरी उद्योग के जरिए करीब 23 मिलियन डॉलर का निर्यात कर रहा है, जिसमें खुर्जा के सिरेमिक और पॉटरी उद्योग का बड़ा हिस्सा है।

योगी सरकार राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र के आस-पास के जिलों और नगरों का तेजी से विकास करने जा रही है। इसी क्रम में बुलंदशहर के खुर्जा के लिए महायोजना 2031 पर काम शुरू हो चुका है।

अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष खुर्जा को लेकर विस्तृत प्लान पेश किया जा चुका है। इसमें सर्वाधिक जोर सेरेमिक और पॉटरी उद्योग को बूस्ट करने को लेकर लेकर है। यहां का पॉटरी उद्योग न केवल भारत बल्कि विदेशों में भी विख्यात है। इसे सेरेमिक सिटी भी कहते हैं। योगी सरकार यहां के पॉटरी और सेरेमिक उद्योग को और आगे बढ़ाना चाहती है। इसके पीछे कारण यह भी है कि यहां से दिल्ली 129 किलोमीटर, तो वहीं मेरठ 92 किमी और निर्माणाधीन जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट महज 33 किमी की दूरी पर स्थित है।

खुर्जा देश के सबसे पुराने पॉटरी क्लस्टरों में से एक है और अभी यहां तकरीबन 400 से अधिक लघु स्तरीय इकाइयां इस उद्योग में क्रियाशील हैं। साथ ही खुर्जा रणनीतिक रूप से ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, एफटीब्ल्यूजेड जैसी परियोजनाओं से भी जुड़ा हुआ है, जिसका लाभ सिरेमिक और पॉटरी उद्योग को मिलना तय है। सेरेमिक उद्योग यहां के एक जिला एक उत्पाद स्कीम में भी शामिल है और तकरीबन 25 हजार लोग इस रोजगार से सीधे सीधे जुड़े हुए हैं। महायोजना 2031 में योगी सरकार सेरेमिक हाट विकसित करने जा रही है। इसके अलावा पुरानी आबादी से सेरेमिक से संबंधित इकाइयों को विकसित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की भी योजना है। सीएम योगी ने इस उद्योग को और आगे ले जाने के लिए इसकी पैकेजिंग की गुणवत्ता में सुधार और एक्सपोर्ट को बढ़ाने पर बल देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। साथ ही सेरेमिक और पॉटरी उद्योग में नये इनोवेशन और टेक्नोलॉजी से जोड़ते हुए प्रोडक्ट के डिस्प्ले में वृद्धि और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण और विकास कार्यों में तेजी

गोमती नदी किनारे बन रहा राष्ट्र प्रेरणा स्थल

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के निर्माण व विकास कार्यों को गति देने पर विशेष फोकस कर रही है।

लखनऊ के वसंत कुंज योजना सेक्टर-जे में गोमती नदी किनारे मास्टर प्लान ग्रीन में राष्ट्र प्रेरणा स्थल परियोजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है तथा यहां म्यूजियम समेत विभिन्न निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है। इन सभी कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को दी गई है और यहां पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस क्रम में, 3 प्रतिमाओं की स्थापना के लिए 21.07 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण और विकास कार्यों को पूर्ण करने की कुल अनुमानित लागत 138 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसमें से टोकन के रूप में 1 करोड़, प्रथम किस्त के तौर पर 28.47 करोड़, तथा दूसरी किस्त के तौर पर 21.52 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस प्रकार, कुल 138 करोड़ की धनराशि में से 72.7 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की जा चुकी है। फिलहाल, वित्तीय व प्रशासकीय स्वीकृतियों के जरिए परियोजना के अंतर्गत जारी कार्यों को तेजी प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डिजिटल म्यूजियम समेत कई सुविधाओं का विकास हो रहा है जो अपने आप में विशिष्ट हैं। यहां बड़े स्तर पर वाहनों की पार्किंग के लिए पार्किंग एरिया भी बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, तीन हैलीपैड भी बनाए जा रहे हैं जबकि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की बड़ी प्रतिमाएं लगाई जा रही हैं। वहीं, म्यूजियम ब्लॉक, एंट्रेंस लॉबी, रिसेप्शन, वीआईपी लाउंज, बैक स्टेज ग्रीन रूम, 50 लोगों की कैपेसिटी वाला वीआईपी डायनिंग हॉल, इनडोर-आउटडोर डिस्प्ले एरिया, योगा सेंटर, मल्टीपर्पज हॉल, मेडिटेशन सेंटर, कैफेटेरिया ब्लॉक व टॉयलेट्स समेत तमाम सुविधाओं के निर्माण और विकास के कार्य जारी हैं।

अयोध्या में राम की पैड़ी पर सन्नाटा

25 जून तक डुबकी नहीं लगा सकेंगे श्रद्धालु

अयोध्या, 17 जून (एजेंसियां)।

भीषण गर्मी में राम की पैड़ी का अविरल प्रवाह थम गया है। यहां पर अब सन्नाटा पसर गया है। पूरे दिन राम की पैड़ी में डुबकी लगाने वालों का तांता लगा रहता था, लेकिन अब श्रद्धालु यहां आकर मायूस हो रहे हैं।

भीषण गर्मी में पिकनिक स्पॉट बने राम की पैड़ी परिसर में सन्नाटा पसरा है। 25 जून तक श्रद्धालु पैड़ी में डुबकी नहीं लगा सकेंगे। गर्मी में राम की पैड़ी का अविरल प्रवाह थम गया है। पैड़ी की सिल्ट की सफाई का काम भी चल रहा है। उस वजह से भी पैड़ी के प्रवाह को रोका गया है। अयोध्या आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए राम की पैड़ी आकर्षण का केंद्र रही है। जब से राम की पैड़ी अविरल हुई है, पर्यटकों और श्रद्धालुओं को संख्या बढ़ती ही जा रही है। दो साल पहले तक

राम की पैड़ी गंदे नाले के रूप में नजर आती थी।

2022 में 40 करोड़ की लागत से इसकी रिमॉडलिंग का कार्य सम्पन्न किया गया। पहले दो पंप चलते थे अब पंपों की संख्या बढ़ाकर छह कर दी गई है। जिससे राम की पैड़ी का प्रवाह 24 घंटे अविरल रहता है। जो किसी कारण से सरयू में स्नान नहीं कर पाते वे राम की पैड़ी में भी डुबकी लगा लेते हैं क्योंकि पैड़ी में भी सरयू की पावन जलधारा ही प्रवाहित होती है।

सरयू नहर खंड के सहायक अभियंता अरुण कुमार ने बताया कि साल भर में एक बार राम की पैड़ी की सफाई की जाती है। पैड़ी में अविरल जल प्रवाह रहे इसलिए छह पंप कैनाल लगाए गए हैं। इन पंपों के जरिए सरयू का पानी राम की पैड़ी में प्रवाहित होता है। साल भर पंप चलते हैं इससे पंपों में सिल्ट जम जाती है, इसके अलावा पैड़ी में भी सिल्ट जम जाती है। इसीलिए साल में एक बार पैड़ी की सफाई के लिए पंप बंद किया जाता है। बताया कि सफाई का कार्य पिछले 11 जून से चल रहा है। 25 जून तक सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा।

युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा निखार रही योगी सरकार

ललित कला अकादमी की कार्यशाला का युवा ले रहे लाभ

लखनऊ, 17 जून (एजेंसियां)।

गर्मी की छुट्टियों में उत्तर प्रदेश के युवा दृश्य कला के गुर सीख कर अपने क्रिएटिव स्किल को समृद्ध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप राज्य ललित कला अकादमी की तरफ से राजधानी लखनऊ समेत कई जनपदों में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 10 से 17 और 18 से 25 वर्ष के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्मियों में 12 जिलों में यह प्रारंभ हुआ था। इसमें से कई जिलों में प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है, जबकि कई अन्य जिलों में 30 जून तक ग्रीष्मकालीन शिविर चलेगा।

राज्य ललित कला अकादमी की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश के युवाओं में असीम प्रतिभा है। इनकी

रचनात्मकता को निखारने और दृश्य कला के प्रति अभिरुचि जागृत करने के लिए सीएम योगी की मंशा के अनुरूप लखनऊ समेत प्रदेश के कई जनपदों में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। गर्मियों की छुट्टियों के मद्देनजर यह कार्यशाला प्रारंभ की गई थी। लखनऊ में राज्य ललित कला अकादमी में 20 जून तक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लगभग तीन दर्जन से अधिक प्रशिक्षु प्रतिभाग कर रहे हैं।

कार्यशाला में विजुअल आर्ट्स संबंधी बारीकियों को सिखाया जा रहा है जिसमें ड्राइंग, स्केचिंग, वॉटर कलर पेंटिंग, फैब्रिक व ऑयल कलर पेंटिंग, मेहंदी डिजाइन जैसे विषय प्रमुख हैं। इससे प्रशिक्षुओं की कलात्मक अभिरुचि को नई दिशा व उचित कौशल प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

आगरा के ललित कला संस्थान, सिविल लाइंस में 30 जून, प्रयागराज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग में 23 जून तक कार्यशाला चलती रहेगी, जिसमें नौनिहाल दृश्य कला की बारीकियों से अवगत हो रहे हैं। वहीं सिद्धार्थनगर में 30 जून, वाराणसी के जीवनदीप महाविद्यालय, ललित कला विभाग बड़ालापुर में 27 जून तक चलेगी। बरेली के साहू राम स्वरूप धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित चंद्रावती सूरज औतार पब्लिक स्कूल में पांच जून से प्रारंभ हुआ ग्रीष्मकालीन शिविर 25 जून तक चलेगा। इसके अतिरिक्त, सीतापुर, कानपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, बलिया आदि जिलों में कार्यशाला पूर्ण हो गई है।

संपादकीय

अल्पमत नहीं, बहुमती सरकार

रायसीना हिल्स की सत्ता स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन 'अल्पमत' में थी। तब गठबंधन के सहयोगी दलों के समर्थन के बूते पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बन पाए थे। उसके बाद सरकार को बचाए रखने के लिए कांग्रेस को सांसदों की खरीद-फरोख्त करनी पड़ी थी। देश के प्रधानमंत्री को 'अभियुक्त' बना दिया गया था और केस चलाने के लिए विशेष अदालत बनाई गई थी। 2004 में लोकसभा में कांग्रेस के 145 सांसद जीत कर आए और तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा 138 सांसदों के साथ 'पराजित पार्टी' थी। बहुमत के आंकड़े से दोनों ही पक्ष बहुत दूर थे। गठबंधन का एक तम्बू तैयार किया गया और उसके नीचे समधर्मा राजनीतिक दल लामबंद हुए। तब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सरकार बन सकी। खूब विरोधाभास थे, सरकार ने लगातार हिचकोले खाए, परमाणु करार पर वाममोर्चे के सांसदों ने समर्थन वापस तक ले लिया। मनमोहन सरकार अल्पमत में आकर लडख़ड़ाई। तब मुलायम सिंह की सपा के 39 सांसदों और अन्य का जुगाड़ करना पड़ा। मनमोहन सरकार गिरते-गिरते बची। 2009 में भी कांग्रेस 206 सांसदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। एक बात स्पष्ट कर दें कि परंपरानुसार राष्ट्रपति सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को ही सरकार बनाने का पहला न्योता देते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के समय में भाजपा 161, 182, 182 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वाजपेयी ने ही विभिन्न समधर्मी दलों को साथ मिला कर एनडीए का गठन किया था। बेशक आज एनडीए की संरचना बदल चुकी है, लेकिन मूल गठबंधन वही है। तेलुगूदेशम पार्टी, जद-यू, शिवसेना सरीखे दल तब भी साथ थे और अंततः आज भी गठबंधन के घटक दल हैं। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने 1998-2004 तक सुखद, सौहार्द, समन्वय के साथ सफल गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया। कांग्रेस और भाजपा के इन तमाम संदर्भों में बहुमत का जनादेश किसी के भी पक्ष में नहीं था, लिहाजा गठबंधन सरकारें बनीं और पूरे स्थायित्व के साथ अपने-अपने कार्यकाल सम्पन्न किए। अब सवाल है कि आज मोदी सरकार, विपक्ष के नजरिए से, अल्पमत की और अस्थिर सरकार क्यों है? संसद का सत्र जल्द ही शुरू हो रहा है। इसी 26 जून को स्पीकर का चुनाव होना है। चूंकि विपक्ष के पास अपेक्षाकृत आंकड़े काफी हैं, लिहाजा वह स्पीकर का उम्मीदवार उतारने के बयान दे रहा है। पूरा विपक्ष एक तरफ हो जाए और दूसरी ओर अकेली भाजपा को रखा जाए, तब भी विपक्ष पराजित हो जाएगा। सौदेबाजी के मद्देनजर कथित 'इंडिया' ने डिप्टी स्पीकर के पद की मांग शुरू की है। यह निर्णय सरकार को लेना है। खुशफहमी में न रहें, लिहाजा जद-यू और टीडीपी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्पीकर भाजपा तय करेगी, क्योंकि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी है। स्पीकर का चुनाव ही तय कर देगा कि मोदी सरकार अल्पमत में है या उसका स्पष्ट बहुमत है। यकीनन सरकार के सामने खूब चुनौतियां होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अपना एकाधिकारवादी रुख भी बदलना पड़ सकता है। कैबिनेट से तो उन्होंने साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार पर सवाल नहीं किया जा सकता। फिलहाल मोदी सरकार 'अल्पमत की सरकार' नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ग्रहण की है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है, लेकिन विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' (अल्पमत कहें) है और बहुत जल्दी इसका पतन होगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। हम एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के आंकड़े भी गिनें, तो वह 240 सांसदों के साथ लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 99 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। उस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस! इतिहास को खंगालें, तो 1991 में कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन 'अल्पमत' में थी।

पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं

अब नौकरियों की बड़ी चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी।

यकीनन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी, जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निःसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढक़र चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढऩा होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुठ्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतः एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएम-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यूए और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं। अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढऩे से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं, ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढऩा होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढऩा होगा। इससे देश की युवा श्रमशक्ति विदेशों में अधिक रोजगार के साथ अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई भी कर सकेगी। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी। हम उम्मीद करें कि मोदी सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और कौशल विकास व उद्यमिता राज्यमंत्री जयंत चौधरी 142 करोड़ से अधिक आबादी के साथ दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी को नए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित करके उनके चेहरों पर रोजगार की मुस्कुराहट देने के साथ आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के लिए नई कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे।

दृष्टि कोण

राष्ट्रीय विवेचन : जंगलों का हमदर्द बनने की जरूरत

पूरे ब्रह्मांड में प्राकृतिक दुनिया की सबसे बेशकीमती व खूबसूरत संपदा पेड़ पौधों से लबरेज वन हैं। प्राचीन काल से वन्य क्षेत्र जंगली जानवरों व मानवता के लिए अनमोल प्राकृतिक संसाधन रहे हैं। देश की सियासत व तमाम इंतजामिया हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में मशगूल थे, मगर हिमाचल सहित कई अन्य राज्यों में जंगल दावानल की चपेट में आ चुके थे। नब्बे प्रतिशत से अधिक जैव विविधता जंगलों में ही पाई जाती है। लोगों को प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के प्रति जागरूकता तथा पर्यावरण की अहमियत को समझाने के लिए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर वर्ष पर्यावरण दिवस व पृथ्वी दिवस मनाए जाते हैं। जंगली जीवों के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए तीन मार्च को 'विश्व वन्य जीव' दिवस भी मनाया जाता है। जंगलों व पेड़ों के महत्व के मद्देनजर सन-1950 से वन महोत्सव तथा वन संरक्षण से संबधित अतरराष्ट्रीय वन दिवस भी मनाया जाता है। पर्यावरण व वन संरक्षण के लिए देश की अदालतों में एक बड़ा कानूनी मसौदा मौजूद है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण व प्रशासन जैसी व्यवस्थाओं के दफ्तरों में अंग्रेजी झाडऩे वाली अफसरशाही तथा सैकड़ों अहलकार विराजमान हैं। राज्यों से लेकर मरकजी हुकूमत तक पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मौजूद हैं। लेकिन इसे इत्तेफाक कहें या व्यवस्थाओं की नाकामी, हर वर्ष जंगलों में लगने वाली भयंकर आग से निपटने के लिए कोई भी हिकमत-ए-अमली कारगर साबित नहीं हुई। बल्कि वनाग्नि की घटनाओं में हर वर्ष इजाफा हो रहा है। चुनावी दौर में मुल्क की आवाम गुरबत, जाति, मजहब, मुफ्तखोरी की खैरात, नौकरियां व विकास जैसे मुद्दे उठाने के प्रति जागरूक है। मगर पर्यावरण संरक्षण व जंगलों की भयंकर आग जैसे संवेदनशील मसले पर आवाज कभी बुलंद नहीं होती। लोकसभा चुनावों के दौरान सियासी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। लेकिन पर्यावरण संरक्षण व जलते जंगलों का जिक्र किसी भी सियासी मंच से नहीं हुआ। पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा कभी चुनावी घोषणापत्रों में भी शामिल नहीं हुआ। वनाग्नि के मसले पर सियासी तौर पर भी कभी चर्चा नहीं हुई। भारत में 'राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण' (एनजीटी) को 'पर्यावरण अदालत' कहा जाता है। एनजीटी को उच्च न्यायालय के बराबर शक्तियां प्राप्त हैं। सन-2010 में एनजीटी की स्थापना का मकसद पर्यावरणीय क्षति व वन संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित मुद्दों को शीघ्रता से हल करने से है। आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के बाद पर्यावरण न्यायाधिकरण की स्थापना करने में भारत विश्व में तीसरा देश है। दुनिया के सबसे बड़े वन क्षेत्रों वाले दस देशों में भारत भी शामिल है, मगर दावानल की भयंकर चपेट में आने से जंगल, पर्यावरण व जैव विविधता जिस कदर सिसकियां भर रहे हैं, उस सूरत-ए-हाल को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। जंगल आग की चपेट में आ रहे हैं। देश में हजारों उद्योग व फैक्टरियां लगातार प्रदूषण उगल रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों व शहरों में ज्यादातर लोग प्रदूषण की जद में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। हिमाचल प्रदेश का नाम सुनते ही जहन में पहाड़ों व वनों की तस्वीर उभरती है। पर्वतीय राज्य हिमाचल में पर्यटन उद्योग युवावर्ग के लिए रोजगार का महत्त्वपूर्ण साधन है। मैदानी क्षेत्रों व शहरों से हजारों की तादाद में लोग भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए तथा सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहाड़ों का रुख करते हैं। प्रकृति से सराबोर जंगल पर्यटन उद्योग के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। मगर बरसात के मौसम में प्रकृति के प्रकोप से पहाड़ दरक रहे हैं। गर्मियों में जंगल भीषण आग से जल रहे हैं। कई जंगली जीवों व पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों का प्रजनन काल गर्मी के मौसम में होता है, परन्तु प्रतिवर्ष असंख्य वन्य जीव व जंगली जानवर वनों की भयानक आग में जलकर राख हो जाते हैं। वनों में आगजनी की बढ़ती घटनाओं से वन्य जीवों व पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों का वजूद मिट चुका है। औषधीय वनस्पति से लबरेज वनों का आयुर्वेदिक पद्धति में भी अत्यधिक महत्त्व रहा है, मगर वनाग्नि से कई किस्म की औषधीय वनस्पति का अस्तित्व समाप्त हो चुका है। यदि अमूल्य वन संपदा वनाग्नि की भेंट चढ़ जाएगी, तो पर्यावरण के साथ पर्यटन उद्योग भी मुतासिर होगा। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर काबू पाने का मुफीद विकल्प पेड़ों से लबरेज वन्य क्षेत्र हैं। वन्य क्षेत्र के बिना स्वच्छ पर्यावरण, जैव विविधता व जंगली जीवों के वजूद की कल्पना नहीं की जा सकती। वनों में आग लगने की घटनाओं पर देश के न्यायालय, पर्यावरणकर्ता व सरकारें चिंता जरूर व्यक्त करती हैं, जबकि प्रकृति को सबसे अधिक नुकसान मानवीय गतिविधियों से ही पहुंचता है। जंगलों में आग लगने के ज्यादातर कारण मानवीय लापरवाही के हैं। भयंकर दावानल पर काबू पाना लगभग नामुमकिन है। अलबत्ता सामाजिक तौर पर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है, ताकि जंगलों में आग न लगाई जाए। वनों के लगातार जलने से इस धरा पर समस्त प्राणियों का जीवन असम्भव हो जाएगा। वनाग्नि से अमूल्य वन सम्पदा व जंगली जीवों तथा पक्षियों के जलने का दर्द समझना होगा। प्राचीन भारत के अनुसंधान का केन्द्र रहे वन्य क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य का सबसे बड़ा रक्षा कवच हैं। भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से वनों का आध्यात्मिक, आर्थिक एंव सांस्कृतिक महत्व रहा है। वैदिक साहित्य के रचयिता हमारे मनीषियों के चिंतन, ध्यान साधना, अध्यात्म, दर्शन व शोध का केन्द्र वन्य क्षेत्र ही रहे हैं। आधुनिक दौर के पर्यावरण संरक्षण के आयोजनों व मंत्रालयों के बिना प्रकृति को सहेजने के कई उत्सव व संस्कार प्राचीन भारत की वैदिक संस्कृति व सामाजिक परिवेश में मौजूद थे।

कुछ अलग

डेटा सुरक्षा में बड़ी सेंध

कोविन एप के जरिए स्टोर हुए लोगों के निजी डेटा की हैकिंग पर सरकार ने जो बयान दिए हैं, उससे कहीं यह भरोसा नहीं बंधता की ऐसी घटना नहीं हुई है। सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सारा डेटा सुरक्षित है और इसमें सेंध लगने की खबरें शरारतपूर्ण हैं। अगर ऐसा है, तो पहले एक मलयालम वेबसाइट और फिर कई अन्य समाचार माध्यमों में नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीन शॉट्स कैसे प्रकाशित हो गए? सूचना तकनीक मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस बारे में जो पहला बयान दिया, उससे स्थिति स्पष्ट होने के बजाय कई नए सवाल खड़े हो गए। इसलिए बेहतर होता कि कोरोना वैक्सीन लगवाने की अनिवार्य शर्त बना कर सरकार ने लोगों की जो निजी सूचनाएं ऐप के जरिए इकट्ठी की थीं, अगर हैकरों ने उसकी सुरक्षा तोड़ दी है, तो वह इस बात को स्वीकार करती। साथ ही इसकी व्यापक जांच शुरू करती, ताकि हैकरों तक पहुंचा जा सके। कुछ महीने पहले नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सर्वर की भी हैकिंग हुई थी। तब हैकरों ने महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य डेटा चुरा लिए थे। उसकी जांच कहां पहुंची, यह आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दरअसल, भारत में डेटा सुरक्षा में सेंध लगने की सिर्फ यही दो घटनाएं नहीं हैं। जिस युग में डेटा को सोना कहा जाता है, उस समय डेटा सुरक्षा के ऐसे हाल के साथ कोई भी देश सुरक्षित रहने और विकास मार्ग पर चलने को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता। अन्य सूचनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी डेटा की भी बाजार में ऊंची कीमत है, इसलिए अपराधी हैकरों की नजर इन पर रहती है। यह सरकार और उन संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि जिन लोगों का डेटा वे लेते हैं, उन्हें सुरक्षित रखें। भारत में सरकार और संस्थाएं इस जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम नजर आ रही हैं। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि अगर इसी तरह सैन्य सुरक्षा और बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी आंकड़ों की चोरी कर ली गई, तो उसका क्या परिणाम होगा? इसलिए सरकार को ताजा घटना को अति गंभीरता से लेना चाहिए और इसका पूरा सच देश को बताना चाहिए।

देश दुनिया से

प्रधानमंत्री खुद को कितना बदल पाएंगे, क्या शासन शैली में भी आएगा परिवर्तन!

हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है।

करीब एक साल पहले यानी 1 जुलाई, 2023 को इसी पेज पर छपे एक लेख में मैंने लिखा था कि मुझे भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद है। मुझे लगता था कि "लोकसभा में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है।" हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है। उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, "मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है। वामपंथी और उदारवादी जमीनी हकीकत को समझ नहीं पाए और भाजपा को लगभग 230 सीटें मिल सकती हैं।" एक सप्ताह बाद फिर माहेश्वरी ने यह लिखा, "मोदी अपने राजनीतिक स्वभाव में तानाशाही गुणों के साथ अनिर्णय से ग्रस्त हैं। यह बात मेरे इस कथन को मजबूत करता है कि भाजपा की ताकत 230 सीटों तक कम हो सकती है।" 18 मार्च को माहेश्वरी ने पुनः मुझे एक ई-मेल भेजा, जिसमें लिखा था, "भाजपा को 230 सीटें मिलेंगी, जिनमें उत्तर प्रदेश में 80 में से 30 सीटें शामिल हैं। राहुल गांधी की क्षमताओं के बारे में मेरे मन में कई तरह की आशंकाएं हैं, फिर भी वह एकमात्र ऐसे गैर-भाजपाई नेता हैं, जो सड़क पर उतरे हैं और अच्छी-खासी भीड़ को अपनी ओर खींचने में सफल रहे हैं।" अनिल माहेश्वरी ने चुनाव शुरू होने से एक महीने पहले यह भविष्यवाणी कर दी थी। जुलाई, 2023 में मैंने आशा के विपरीत उम्मीद जताते हुए कहा था कि "गठबंधन की सरकार आएगी। भारत बहुत बड़ा और विविधताओं वाला देश है। इसे सहयोग और सलाहों के बिना चलाया ही नहीं जा सकता है। हालांकि संसद में ज्यादा बहुमत होने से सत्ता पक्ष में अहंकार आ जाता है। बहुत अधिक बहुमत वाला प्रधानमंत्री अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है, विपक्ष का अनादर करता है, प्रेस पर लगाम लगाता है, संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म करता है और नहीं तो कम से कम राज्य के हितों और अधिकारों की अनदेखी करता है। खासतौर पर उन राज्यों की, जहां किसी और पार्टी का शासन रहता है।" नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले मैंने इंदिरा और राजीव गांधी की सरकारों को देखा है, जिनमें प्रचंड बहुमत के कारण सत्तावादी प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लक्षण मिलते हैं। दूसरी तरफ मैंने गठबंधन सरकारों

को भी देखा है, जब प्रेस और न्यायपालिका अधिक स्वतंत्र थे और नियामक संस्थाओं पर नियंत्रण करने की कोशिश कम थी। 1989 से 2014 के बीच किसी भी एक पार्टी को संसद में बहुमत नहीं मिला था। इस दौरान सात प्रधानमंत्री हुए, जिनमें से चार- वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा और गुजराल दो साल से भी कम समय तक कार्यालय में रहे। दूसरी तरफ, तीन प्रधानमंत्रियों ने पांच साल के कार्यकाल पूरे किए, जिनमें नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह शामिल हैं। अब मोदी तीसरे कार्यकाल में उन प्रधानमंत्रियों की श्रेणी में आ गए हैं, जिन्होंने बिना पूर्ण बहुमत के सरकार चलाई। हालांकि उनसे पहले के प्रधानमंत्रियों ने अपने अनुभव और स्वभाव के चलते प्रभावी तरीके से सरकार चलाई। नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री बनने से पहले इंदिरा और राजीव गांधी की कैबिनेट में लंबे समय तक काम किया। वाजपेयी प्रधानमंत्री बनने से पहले मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की सरकार में विदेश मंत्री रहे। मनमोहन सिंह ने भी प्रधानमंत्री के पद पर आने से पहले नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में काम किया था। इसके अलावा राव, वाजपेयी और मनमोहन ने सरकार से बाहर रहते हुए विपक्षी सांसदों की भूमिका भी निभाई। एक प्रचारक और पार्टी के संगठनकर्ता के तौर पर मोदी ने कई वर्षों तक अन्य लोगों के साथ या उनके अधीन भी काम किया, लेकिन जब से उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा, वह कभी भी मात्र विधायक या सांसद नहीं रहे। यहां तक कि राज्य या केंद्रीय स्तर पर मंत्री भी नहीं रहे। 2001 से उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के रूप में ही देखा है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने खुद को बॉस, टॉप बॉस, सोल और सुप्रीम बॉस के रूप में देखा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसने एक बहुत बड़े पंथ का निर्माण किया है या एक ऐसा नेता, जो अपने दम पर पहले अपने राज्य और फिर देश को समृद्धि के शिखर पर ले जाएगा। राज्य और केंद्र, दोनों जगहों पर उन्होंने किसी भी नई परियोजना के शुरू होने या उसके पूरे होने का हमेशा श्रेय लिया, चाहे वह पुल हो, हाईवे हो, रेलवे स्टेशन हो, खाद्य सब्सिडी हो या कुछ और। नरसिम्हा राव और वीपी सिंह का व्यक्तित्व आत्मसंतुष्ट और संयमित था। वाजपेयी का व्यक्तित्व अधिक करिश्माई था, लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को पार्टी का केंद्र-बिंदु नहीं माना, अपनी सरकार या देश का तो बिल्कुल भी नहीं। इस तरह देखा जाए तो ये तीनों ही अपने अनुभव और स्वभाव के आधार पर कैबिनेट के सहयोगियों और विपक्ष के साथ सलाह-मशविरा कर काम करने के लिए तैयार रहते थे। देखा जाए तो प्रधानमंत्री को स्वयं जीत की हैट्रिक लगाने की पूरी उम्मीद थी, इसलिए उन्होंने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि नए सिरे से पदभार संभालने पर वह पहले सौ दिनों के एजेंडे पर तेजी से काम करेंगे। 'द इकोनोमिक टाइम्स' ने 10 मई को इस बात का दावा किया कि 'मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में 100 दिनों के एजेंडे में 50 से 70 लक्ष्य निर्धारित करेंगे।'

आप का नजरिया

पर्यटन सारथी परिवहन

यह महज यात्री बस नहीं है और न ही हिमाचल की डेस्टिनेशन में सहज रूट है। यह एक अनुभव, साल की गणना में खुला मौसम, पर्वतीय आवरण में चहलकदमी और लेह रूट का हिमाचल के पर्यटन का गहरा रिश्ता है। जाहिर तौर पर यह एचआरटीसी की साहसिक यात्रा का सालाना समारोह भी है, जो चंद महीनों के लिए ट्रांसपोर्ट की बादशाहत में हिमाचल को पर्यटन का ब्रांड बनाता है। दिल्ली- लेह मार्ग पर फिर से दौड़ रही बस अपने साथ शगुनों का एक पूरा मोहल्ला ले कर चलती है और यह सफर की चुनौतियों में मंजिल का भरोसा है। यानी 981 किलोमीटर की दूरी और तीस घंटे का साथ, पर्वतीय दुरुहता से गुजरने का शौर्य है। एक रिकार्ड, एक मील पत्थर और यादों के नजारों के बीच रुह में बस जाने का तजुर्बा। वास्तव में यह हिमाचल की दिलेर यात्रा है जहां ड्राइविंग हुनर की पराकाष्ठा में एचआरटीसी पर भरोसा परवान चढ़ता है, लेकिन अब हमें इस रिकार्ड से आगे निकल कर दिल्ली-लेह रूट के अनुभव को परिमार्जित करते हुए, इसे पर्यटकों की बेशकीमती मांग बनाना चाहिए ताकि यह एहसास सदा जिंदा रहे। यह इसलिए कि हिमाचल की धुरी केवल एक रूट की बस के इर्द-गिर्द घूम रही है। अगर हम इस रूट को पर्यटन का परमिट बना दें, तो मानव जिज्ञासा के हर मोड़ पर हिमाचल परिवहन सारथी बन सकती है। दिल्ली से मनाली तक के सफर की आरामदायक भूमिका में कई आयाम स्थापित करने के बावजूद आगे का सफर अभी भी एक रिवायत के सिवा नहीं बढ़ा। बेशक यह चार दिनों की चांदनी जैसा है, लेकिन इस खजाने में कई उपयोग व प्रयोग हो सकते हैं। यह महज यात्रा के आगे 'पर्यटन सारथी परिवहन' की मुद्रा में हिमाचल के आकर्षण को कई गुणा बढ़ा सकती है बशर्ते हम इस एहसास की पेशगी में सैलानियों को यात्रा टिकट से कहीं आगे सुविधा टिकट की गारंटी दें। पर्यटन सारथी परिवहन की परिकल्पना में एक साथ लेह के लिए न केवल दिल्ली, बल्कि जयपुर, देहरादून-मसूरी, अमृतसर व जम्मू से बसें निकलें जो मनाली के आगे मिनी बसों का काफिला बन सकती हैं। यात्रा के दौरान कम से कम एक दिन-रात का विश्राम हिमाचल में होना चाहिए। हिमाचल को अंतरराज्यीय बस सेवाओं से कुछ रूट 'पर्यटन सारथी परिवहन' के रूप में चिन्हित करने चाहिएं। प्रदेश के बहुत सारे डेस्टिनेशन अब साधारण बस सेवाओं से कहीं अधिक लग्जरी बसों की अधिकतम मांग पैदा कर रहे हैं। धर्मशाला, डलहौजी, मनाली, शिमला, बीड़ व कुछ अन्य शहरों में निजी क्षेत्र परिवहन की इस मांग को पूरा करके सफल हो रहा है, तो परिवहन निगम को भी अपनी सेवाओं में यात्रियों के अलावा पर्यटक आकर्षित करने चाहिएं। 'पर्यटन सारथी परिवहन' सेवा के तहत डेस्टिनेशन टू डेस्टिनेशन सेवा के आधार पर अगर बस सेवाएं उपलब्ध हों तो अंतरराज्यीय पर्यटन की क्षमता में पथ परिवहन निगम के घाटे कम हो जाएंगे। यह इसलिए भी कि निजी वोल्वो बसें अपने किराए व बस स्टॉपेज के कारण विवादित रहती हैं, जबकि दिल्ली जैसे शहर से पर्यटकों को हिमाचल पहुंचाने के लिए एचआरटीसी कई पैकेज बना सकता है। पर्यटन व परिवहन निगम अगर 'पर्यटन सारथी परिवहन' योजना के साथी बनाए जाएं तो पर्यटन के रूट खासी चर्चा में आएंगे।

दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के जहाज के बीच टक्कर, ड्रैगन ने पूरा आरोप मनीला पर मढ़ा

बीजिंग, 17 जून (एजेंसियां) ।

चीन दक्षिण चीन सागर को पूरी तरह से हड़पने के लिए लगातार दूसरे देशों से टकराता रहता है। पिछले कुछ महीनों से चीन और फिलीपींस के तटरक्षक बलों के बीच होने वाली झड़पें खबरों में रही हैं। हालांकि, इस बीच दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपींस के आपूर्ति जहाज के बीच टक्कर होने की जानकारी सामने आई है। थॉमस सोल के पास हादसा चीन के तटरक्षक बल ने बताया कि दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपीन आपूर्ति जहाज टकरा गया। तटरक्षक बल ने आगे बताया कि फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने द्वितीय थॉमस शोल के निकट पानी में प्रवेश किया, जो स्प्रैटली द्वीप समूह में एक जलमग्न चट्टान है। चेतावनियों को किया नजरअंदाज चीनी तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीचैट पर कहा कि चीन बार-बार चेतावनी दे रहा था, लेकिन फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने गंभीर चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। वहीं, एक चीनी जहाज के पास गैर-पेशेवर तरीके से खतरनाक तरीके से पहुंचा, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हो गई। आगे कहा कि इस पूरे मामले का जिम्मेदार फिलीपींस है। मनीला की सफाई हालांकि, फिलीपींस की राजधानी मनीला का कहना है कि यह समुद्री तट, जो उसके तट से 200 समुद्री मील (370 किलोमीटर) से भी कम दूरी पर स्थित है, उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र में आता है और वह अक्सर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के फैसले का हवाला देता है, जिसने ऐतिहासिक आधार पर दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों को अमान्य कर दिया था। शोल के पास हाल के महीनों में कई घटनाएं हुई हैं, जहां फिलीपींस ने बीआरपी सिएरा माद्रे जहाज पर एक चौकी बना रखी है। दक्षिण चीन सागर को लेकर क्या विवाद है दक्षिण चीन सागर दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है। यह समुद्री मार्ग से व्यापार एवं परिवहन के लिए एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। दक्षिण चीन सागर या साउथ चाइन सी पर दावे को लेकर चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रूनेई दारुसलाम, फिलीपींस, ताइवान, स्कार्बोराफ रीफ जैसे विभिन्न देशों के बीच विवाद है।

न्यूज ब्रीफ

धीरे-धीरे एटमी हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है चीन, भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा परमाणु बम

बीजिंग। चीन धीरे-धीरे अपनी परमाणु क्षमताओं में बढ़ोतरी कर रहा है। यह खुलासा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन अपनी परमाणु क्षमताओं का विस्तार और आधुनिकीकरण कर रहा है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वह साल 2030 तक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों में अमेरिका या रूस की बराबरी कर लेगा। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में भले ही एटमी हथियारों की संख्या घट रही हो, लेकिन ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। चीन तेजी से बढ़ा रहा परमाणु भंडार दुनियाभर में हथियारों की दौड़ पर निगाह रखने वाली स्वीडन के थिंक टैंक सिपरी निदेशक डैन स्मिथ ने जारी ईयरबुक 2024 में बताया है कि दुनिया भर में हर साल सक्रिय परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ रही है, जिसमें सबसे तेजी से बढ़ रहा भंडार चीन का है। संस्थान ने भविष्यवाणी की है कि 2030 तक चीन के ऑपरेशनल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या अमेरिकी और रूस के बराबर हो सकती है। डैन स्मिथ के मुताबिक दुनियाभर में ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जबकि शीत युद्ध के दौर के हथियारों को धीरे-धीरे खत्म किए जाने के कारण वैश्विक परमाणु हथियारों की कुल संख्या में गिरावट जारी है, लेकिन अफसोस की बात है कि हम ऑपरेशनल परमाणु हथियारों की संख्या में साल-दर-साल बढ़ोतरी देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी और आने वाले वर्षों में इसमें शायद और बढ़ोतरी हो और यह अत्यंत चिंताजनक है। चीन के पास 500 परमाणु हथियार रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी तक चीन के परमाणु भंडार में पिछले साल के मुकाबले 410 से बढ़कर 500 परमाणु हथियार हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में लगभग 2,100 तैनात परमाणु हथियार हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर हैं, जिनमें से अधिकांश रूस और अमेरिका के हैं। पहली बार ऐसा माना जा रहा है कि चीन ने भी शांति काल के दौरान मिसाइलों पर अपने कुछ हथियार अलर्ट पर रखे हैं। चीन ने पिछले एक साल में 90 नए परमाणु बम बनाए हैं। निष्कर्ष अमेरिकी पेंटागन द्वारा कांग्रेस को दी गई रिपोर्ट से मेल खाते हैं, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि चीन के पास वर्तमान में 500 से अधिक ऑपरेशनल परमाणु हथियार हैं, जो संभवतः जिनकी संख्या इस दशक के अंत तक 1,000 से ऊपर पहुंच सकती है।

इजराइली सेना के हर दिन 11 घंटे युद्धविराम पर रार आग बबूला हुए पीएम नेतन्याहू, कहा- यह अस्वीकार्य

यरूशलम, 17 जून (एजेंसियां) ।

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइल पर हमले की शुरुआत की थी। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था, जो अभी भी जारी है। ऐसे में गाजा की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सेना ने युद्ध विराम करने का फैसला लिया, लेकिन पीएम नेतन्याहू गुस्सा हो गए। हमास और इजराइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच खबर सामने आ रही है कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सेना से नाराज हो गए हैं। दरअसल, सेना ने हाल ही में फैसला लिया था कि फलस्तीनी क्षेत्र में सहायता पहुंचाने के लिए गाजा की मुख्य सड़कों में से एक पर लड़ाई में प्रतिदिन रणनीतिक विराम लगाया जाएगा। इस कदम को लेकर ही पीएम नेतन्याहू भड़क गए और सेना की आलोचना की।

सेना ने यह उठाया कदम

सेना ने केरेम शालोम क्रॉसिंग से सलाह अल-दीन रोड और फिर उत्तर की ओर के क्षेत्र में हर दिन सुबह पांच बजे से शाम को चार बजे तक कोई भी हमला नहीं करने का एलान किया था।

आगबूबला हुए पीएम

एक अधिकारी ने बताया कि जब प्रधनामंत्री को इस बात का पता चला कि हर दिन 11 घंटे का युद्ध पर विराम रहेगा तो वह आग बबूला हो गए। उन्होंने तुरंत सेना के सचिव से बात की और स्पष्ट किया कि यह कदम वह स्वीकार्य नहीं करेंगे।

सेना ने दिया जवाब

वहीं, सेना ने स्पष्टीकरण दिया कि राफा में सामान्य अभियान जारी रहेंगे, जहां आठ सैनिक मारे गए थे।हालांकि, नेतन्याहू की प्रतिक्रिया ने गाजा में सहायता के मुद्दे पर राजनीतिक तनाव को रेखांकित किया, जहां अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने बढ़ते मानवीय संकट की चेतावनी दी है।

जिसने भी फैसला किया वह मूर्ख

नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन में राष्ट्रवादी धार्मिक दलों में से एक का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने एक रणनीतिक विराम के विचार की निंदा करते हुए कहा कि जिसने भी फैसला किया वह मूर्ख था। फैसला करने वाले को नौकरी से निकाला जाना चाहिए।

नया संघर्ष छिड़ता दिख रहा

युद्ध विराम को लेकर गठबंधन के सदस्यों और सेना के बीच नया संघर्ष छिड़ता दिख रहा है। इससे एक सप्ताह पहले मध्यमार्गी पूर्व जनरल बेनी गैंट्ज ने नेतन्याहू पर गाजा में कोई प्रभावी रणनीति नहीं होने का आरोप लगाते हुए सरकार का साथ छोड़ दिया था।

यहूदियों को सेना में भर्ती करने पर मतभेद

पिछले सप्ताह संसद में अति-रूढ़िवादी यहूदियों को सेना में भर्ती करने संबंधी कानून पर हुए मतदान में मतभेद उजागर हो गए, जब रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने पार्टी के आदेशों की अवहेलना करते हुए इसके खिलाफ मतदान किया और कहा कि यह कानून सेना की जरूरतों के लिए अपर्याप्त है। गठबंधन में शामिल धार्मिक दलों ने अति-रूढ़िवादी लोगों के लिए भर्ती का कड़ा विरोध किया है, जिससे कई इस्राइलियों में गुस्सा है, जो युद्ध के चलते और गहराता जा रहा है। सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने कहा कि तेजी से बढ़ते अति-रूढ़िवादी समुदाय से अधिक सैनिकों की भर्ती करने की निश्चित आवश्यकता है।

यह है मामला

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

ट्रंप ने किया इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का वादा, बाइडन को दी दिमाग का टेस्ट कराने की सलाह

वॉशिंगटन, 17 जून (एजेंसियां) ।

इस साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप में कड़ी टक्कर है। दोनों उम्मीदवार एक दूसरे पर जमकर निशाना साधते रहते हैं। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ने मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन पर तंज कसते हुए दावा किया कि वह फिर से सत्ता में आते हैं तो देश के इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाया जाएगा। वहीं, बाइडन को सलाह दी है कि उन्हें दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि, इस दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम गलत बोल गए। मतदान करने का आह्वान 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में फिर से चुने जाते हैं तो सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाएंगे। मिशिगन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने समर्थकों से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति के लिए मतदान करने का आह्वान किया। लोगों के पास दो विकल्प उन्होंने कहा, नवंबर में हर मतदाता के पास विकल्प है। आप ऐसा राष्ट्रपति चुन सकते हैं, जो हजारों चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को हमारे देश में आने दें। या फिर आप एक ऐसा राष्ट्रपति बना सकते हैं, जो चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को देश से बाहर निकाल देगा। ट्रंप ने कहा, मेरे नए प्रशासन के पहले दिन हम अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब रिपब्लिकन खेमा प्रवासियों के हमले को उठाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप और उनके समर्थक चुनाव से पहले ही ऐसा माहौल बना रहे हैं कि डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रवासियों के लिए अमेरिका आना आसान बना दिया है। दिमाग का टेस्ट लें बाइडन इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति को एक सुझाव दिया कि उन्हें एक दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि सुझाव के दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम भूल गए और डॉक्टर रॉनी जैक्सन को रॉनी जॉनसन कहकर बुलाने लगे। पूर्व राष्ट्रपति ने डेट्रायट में टर्निंग प्वाइंट एक्शन के एक कार्यक्रम में बाइडन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वह यह भी नहीं जानते कि मुद्रास्फीति शब्द का मतलब क्या होता है।

राष्ट्र विरोधी अभियानों को रोकने के लिए शहबाज सरकार ने दी चेतावनी, पीटीआई से प्रचार रोकने का आग्रह

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां) ।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की सरकार ने चेतावनी दी है कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा, पाकिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र है, उसे किसी अन्य राष्ट्र से आदेश लेने की जरूरत नहीं है। हम सभी राष्ट्र के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामी अभियान चलाया गया। इसने पाकिस्तान विरोध प्रचार को बढ़ावा दिया है। अकील मलिक ने पीटीआई को घेरा मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने विदेशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान चलाने के लिए पीएम फार्म और पैरवी करने वालों को काम पर लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर चलाए गए राष्ट्र विरोधी अभियानों में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कदम उठाया जाएगा। कानूनी मामलों के प्रवक्ता ने पीटीआई से राज्य विरोधी गतिविधियों और प्रचार को रोकने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की छवि को धूमिल करने की बजाय उन्हें इसके समाधान पर विचार करने के लिए सरकार से बात करनी चाहिए। मलिक ने दावा कि सभी पाकिस्तान विरोधी कानून पीटीआई के इशारों पर बनाए जाते हैं और इस पार्टी के साथ विशेष जुड़ाव रखने वाले प्रवासी पाकिस्तानी इन कानूनों का दुरुपयोग करते हैं। बता दें कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव को लेकर पीटीआई सवाल उठा रहा है।

हज करने गए जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी के कारण मौत, ईरान के पांच लोगों की भी गई जान

रियाद, 17 जून (एजेंसियां) ।

सऊदी के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अल-अब्दुलअली ने बताया कि 2,760 तीर्थयात्री सनस्ट्रोक और लू के शिकार हुए। उन्होंने आगे कहा कि संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। सऊदी अरब में हज करने गए जॉर्डन के कम से कम 14 तीर्थयात्रियों की भीषण गर्मी से मौत हो गई। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि हज यात्रा के दौरान 17 अन्य तीर्थयात्री लापता हो गए। हालांकि, इसे लेकर मंत्रालय लगातार सऊदी अधिकारियों के संपर्क में हैं। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, जॉर्डन के 14 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि हज यात्रा के दौरान 17 तीर्थयात्री लापता हो गए। मीडिया के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण स्ट्रोक से पीड़ित होने के बाद नागरिकों की मौत हो गई। मंत्रालय ने कहा कि तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब में दफनाने या फिर जॉर्डन में स्थानांतरित करने के लिए सऊदी के अधिकारियों से बातचीत जारी है।

ईरानी तीर्थयात्रियों की भी मौत

ईरान ने भी बताया कि हज यात्रा के दौरान उनके पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हालांकि, उन्होंने मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की। सऊदी अरब ने भी अभी तक जान गंवाने वालों को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। सऊदी के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अल-अब्दुलअली ने बताया कि 2,760 तीर्थयात्री सनस्ट्रोक और लू के शिकार हुए। उन्होंने आगे कहा कि संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसी के साथ उन्होंने तीर्थयात्रियों से भरी दोपहरी में नहीं निकलने की अपील की और खुद को हाइड्रेट रखने को कहा।

मक्का का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है। हज यात्रा संपन्न होगी। पिछले साल हज यात्रा के दौरान 240 लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में ज्यादातर इंडोनेशिया के थे।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में पांच आतंकवादी ढेर

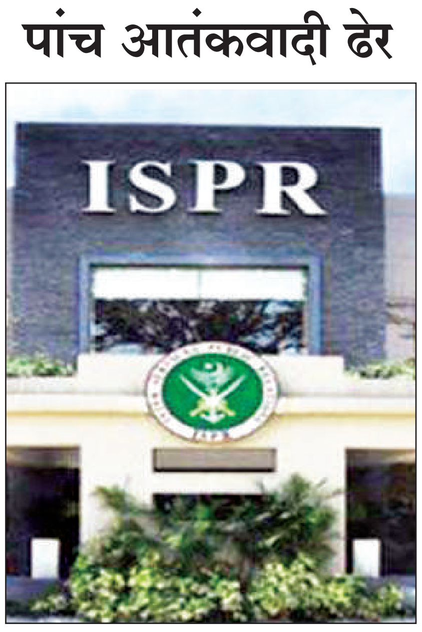

इस्लामाबाद, 17 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में पांच आतंकवादी मारे गये। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने सोमवार को बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर रविवार को सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर कबायली जिले में अभियान शुरू किया।

बयान में कहा गया है कि अभियान के दौरान, सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी ढंग से कब्ज़ा कर लिया और पांच आतंकवादियों को मार गिराया।

आईएसपीआर ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किये गये।

मतभेदों को सुलझाने पर सहमति, ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष से मुलाकात के बाद बोले चीनी पीएम कियांग

मेलबर्न, 17 जून (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कैनबरा में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। अल्बनीस के साथ अपनी बातचीत को स्पष्ट, गहन और सार्थक करार देते हुए ली ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच कुछ मतभेदों और असहमतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और उनपर आगे काम करने पर सहमति व्यक्त की।

हेंगजुन की तबियत सही नहीं

इससे पहले, यांग हेंगजुन के समर्थकों ने प्रधानमंत्री अल्बनीस से अनुरोध किया था कि वे चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से बीमार चल रहे लेखक को मेडिकल पैरोल पर रिहा करने या उन्हें ऑस्ट्रेलिया को सौंपने के लिए कहें। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, लेखक और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता यांग हेंगजुन जासूसी के आरोप में 2019 से ही चीन की जेल में बंद हैं। हालांकि, हेंगजुन अपने ऊपर लगे आरोपों को शुरू से ही नकारते आ रहे हैं।

वार्षिक बैठक में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बात हुई। हालांकि अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि हेंगजुन को रिहा करने के मुद्दे पर बात हुई या नहीं। मगर माना जा रहा है कि दोनों के बीच इस पर चर्चा हुई होगी।

सात साल बाद...

सात साल बाद चीन का कोई प्रधानमंत्री आस्ट्रेलिया की यात्रा पर आया है। धीरे-धीरे दोनों देशों के बीच संबंध सुधरते जा रहे हैं। बैठक के बाद ली कियांग ने कहा कि दोनों पक्ष उच्च स्तरीय आदान-प्रदान बनाए रखने और दोनों देशों के बीच सरकारी विभागों और राजनीतिक दलों के बीच आदान-प्रदान को मजबूत करने पर सहमत हुए।

उन्होंने कहा, अभी-अभी, प्रधानमंत्री अल्बनीज और मैंने एक बैठक की और कई मुद्दे पर आम सहमति पर पहुंचे। हम दोनों अपने द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में बनाए रखने, सुधार और विकास की इसकी गति को मजबूत करने पर सहमत हुए। हमने इस संबंध को एक रणनीतिक साझेदारी के रूप में परिभाषित करने, आपसी सम्मान और विश्वास के लिए और इस रिश्ते को सकारात्मक दृष्टिकोण में देखने और संभालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

ली ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे

दरअसल, चीनी प्रधानमंत्री ली ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। इस दौरान चीनी दूतावास द्वारा जारी एक बयान में ली ने कहा था कि चीन-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध उतार-चढ़ाव के बाद पटरी पर लौट आए हैं। वहीं, एडिलेड के पास एक वाइनरी में ली के लिए दोपहर का भोजन आयोजित किया गया था, जिसमें विदेश मंत्री पेनी वोंग, व्यापार मंत्री डॉन फैरेल और कृषि मंत्री मरे वाट ने भाग लिया था।

बाद में चीनी पीएम ने एडिलेड चिड़ियाघर का भी दौरा किया था। वहां दो चीनी पांडा की घोषणा की, जो लंबे समय से एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण रहे हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर पीटर मालिनौस्कास ने कहा था कि यह घोषणा ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंधों के स्थिरीकरण का एक शक्तिशाली संकेत है।

अल्बनीज ने संकेत दिया था कि बातचीत में वे दोनों देशों के बीच के मुश्किल मुद्दों को उठाएंगे। इनमें हाल की घटनाएं शामिल हैं। थोड़े दिन पहले ऑस्ट्रेलिया की सैन्य संपत्तियों और कर्मियों को चीनी सोनार और फ्लेयर्स द्वारा निशाना बनाया गया था।

झींगा मछलियों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध...

ऑस्ट्रेलियाई सरकार उम्मीद कर रही है कि इस यात्रा से ऑस्ट्रेलियाई झींगा मछलियों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को जल्द से जल्द हटा दिया जाएगा, हालांकि फैरेल ने संकेत दिया कि उन्हें तत्काल घोषणा की उम्मीद नहीं है। यह पिछली गठबंधन सरकार के खिलाफ चीनी प्रतिशोध से उत्पन्न बाधाओं का सामना करने वाला अंतिम महत्वपूर्ण ऑस्ट्रेलियाई उत्पाद है।

वेगहोर्स्ट के गोल से नीदरलैंड ने पोलैंड को 2–1 से हराया, डेनमार्क ने स्लोवेनिया से ड्रॉ खेला

बर्लिन, 17 जून (एजेंसियां) ।

नीदरलैंड के फॉरवर्ड वाउट वेगहोर्स्ट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरकर प्रभावित करते रहे हैं और यूरोपीय चैम्पियनशिप के मुकाबले में भी उन्होंने ऐसा करते हुए अंत में गोल कर अपनी टीम को पोलैंड पर 2–1 से जीत दिलायी। इस स्ट्राइकर ने 83वें मिनट में मेम्फिस डिपे की जगह मैदान पर आने के बाद पहले ही प्रयास में बायें पैर से नीचा शॉट लगाकर गोल दाग दिया। डिपे ने कई मौके गंवा दिये थे।

रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना उतरी पोलैंड की टीम – चोटिल स्टार रॉबर्त लेवानदॉस्की के बिना खेल रही पोलैंड ने उनकी जगह पर उतरे छह फुट तीन इंच की लंबी कद काठी के एडम बुक्सा के 16वें मिनट में हेडर से किये गोल की मदद से 1–0 से बढ़त बना ली थी जो ज्यादा देर तक नहीं रह सकी। नीदरलैंड के लिए कोडी गाकपो ने 29वें मिनट में पोलैंड के गोलकीपर वोजसिएच स्जेस्नी को चकमा देते हुए 'डिफ्लेक्टिड' शॉट से बराबरी गोल दागा। नीदरलैंड की इस जीत से ग्रुप डी की प्रबल दावेदार फ्रांस की टीम पर कुछ दबाव बढ़ जायेगा जो आस्ट्रिया से भिड़ेगी।

डेनमार्क और स्लोवेनिया ने 1–1 से ड्रॉ खेला – डेनमार्क ने स्लोवेनिया के साथ दूसरे मुकाबले में 1–1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप–सी के इस मैच में डेनमार्क के क्रिश्चियन एरिक्सन ने 17वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। हालांकि, दूसरे हाफ में 77वें मिनट में एरिक जानजा ने गोल दाग स्लोवेनिया की वापसी कराई। इसके बाद दोनों टीमें फुल टाइम तक कोई गोल नहीं कर सकी।

गत विजेता इटली ने अल्बानिया को 2–1 से पराजित किया – गत विजेता इटली मैदान पर उतरते ही कुछ समझ पाता कि 23वें सेकंड में उसके खिलाफ गोल हो गया। अल्बानिया के नेदिम बजरामी की ओर से किए गए इस गोल ने नए कोच लूसियानो स्पैलेटी की टीम को हिला दिया। यह यूरोपियन चैंपियनशिप के 64 वर्षों के इतिहास का सबसे तेज गोल था। हालांकि इटली जल्द ही संभल गया और 16वें मिनट तक उसने दो गोल दागते हुए 2–1 की बढ़त बना ली और इसी अंतर से बाद में उसने अल्बानिया पर जीत हासिल कर ली।

बारेला, बास्तोनी ने इटली के लिए दागे गोल – फेडरिको डिमार्को की थ्रो अलसांद्रो बास्तोनी के पास नहीं पहुंची। बजरामी ने इसे कब्जे में लेते हुए गोल भेद कर वेस्टफालेनस्टेडिऑन में मौजूद अल्बानियाई समर्थकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद इटली ने आक्रमणों की झड़ी लगा दी।

न्यूज़ ब्रीफ

यूरो 2024 में इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया

गेल्सेनकिर्चेन (जर्मनी)। इंग्लैंड ने अपने यूरो 2024 अभियान की शुरुआत जूड बेलिंगहैम के हैडर की बदौलत एरेना औफशाल्के में ग्रुप सी में सर्बिया के खिलाफ 1–0 की करीबी जीत के साथ की। इंग्लैंड ने आशाजनक शुरुआत की, विरोधियों के खिलाफ शुरुआती कब्जे का भरपूर आनंद लिया। काइल वॉकर ने बुकायो साका को एक सटीक पास दिया, जिसका दाहिनी ओर से क्रॉस स्ट्रहिंजा पावलोविच से टकरा गया। गेंद आने वाले जूड बेलिंगहैम के पास गई, जिन्होंने इसे प्रीड्रैग राजकोविच के पास से निकालकर गोल में पहुंचा दिया। बेलिंगहैम ने मैच के बाद कहा, पहले हाफ से पता चलता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ गोल क्यों कर सकते हैं, और दूसरे हाफ से पता चलता है कि हम किसी भी टीम के खिलाफ क्लीन शीट रख सकते हैं। हमें थोड़ा नुकसान उठाना पड़ा लेकिन हमने क्लीन शीट रखी और जब आप ऐसा करते हैं, तो आपको केवल इसकी आवश्यकता होती है मैच जीतने के लिए एक गोल करना होगा, कुल मिलाकर, हम उस प्रदर्शन से खुश होंगे। हालाँकि इंग्लैंड नियंत्रण में दिख रहा था, सर्बिया ने यह दिखाने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया था कि वे खतरा बरकरार रखे हुए हैं, और दूसरे हाफ की शुरुआत में स्थानापन्न फ़िलिप म्लादेनोविच व्लाहोविच के निचले क्रॉस को अंतिम टच देने के करीब थे। ट्रेंट अलेक्जेंडर–अर्नोल्ड ने राजकोविच के हाथों में मार दिया क्योंकि इंग्लैंड ने जवाब दिया, हालांकि इसके बाद मित्रोविच को बराबरी करने से रोकने के लिए जॉर्डन पिकफोर्ड और कीरन ट्रिप्पियर के संयोजन की आवश्यकता पड़ी। सर्बिया के स्थानापन्नों ने टीम को पुनर्जीवित किया, और डुसान टैडिच ने लुका जोविच को लगभग स्थापित कर दिया।

चिंता की बात नहीं......जब जरुरत होगी कोहली ठोंक देगा रन, भारतीय बल्लेबाजी कोच ने दिया जबाव

लॉडरहिल । भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली

का लगातार खराब फॉर्म कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि वह नेट पर शानदार फॉर्म में हैं। वे सुपर आठ से पहले कहीं ज्यादा जोश में दिख रहे हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने अब तक आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ क्रमशः 1, 4 और 0 रन बनाए हैं। राठौर ने कहा, मुझे अच्छा लगता है जब मैं आता हूं, तब हर बार विराट कोहली के बारे में सवाल पूछा जाता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता की बात नहीं है। वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) से आया है, उससे शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। यहां कुछ आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। राठौर को भरोसा है कि कोहली तब अच्छा प्रदर्शन करेगा जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

रवि शास्त्री ने बताया पंत की सेहत का राज

मुंबई । दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना का शिकार हुए ऋषभ पंत को मैदान पर वापसी करने में करीब 15 माह का समय लगा। सर्जरी के बाद पुनर्वास और रिकवरी के लिए उन्होंने कठिन मेहनत की। पंत मौजूदा टी20 विश्व कप में टीम के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं, उन्होंने नंबर 3 पर बल्ले से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया है। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व कोच रवि शास्त्री ने पंत के समर्पण के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह (ऋषभ) सबसे प्रभावशाली रहे हैं, हर नए खिलाड़ी को बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन उनकी मूवमेंट की रेंज शानदार रही है। जैसा कि उन्होंने कहा कि अक्सर आपको 2 मौके नहीं मिलते। भगवान आपको जीने के लिए दो मौके नहीं देता। यह भगवान ही उससे कह रहा है कि तुम ऊपर आने के लिए अभी बहुत छोटे हो। तुम नीचे रहो और अपना क्रिकेट खेलो। शास्त्री ने कहा कि रिकी (पोंटिंग) ने उल्लेख किया कि वह डीसी के साथ थे और वह अपने स्वयं के शेफ को ले जा रहे थे।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 78 रन पर समेटा

तारुबा, 17 जून (एजेंसियां)।

लॉकी फर्ग्युसन बिना कोई रन दिये तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने सोमवार को टी–20 विश्वकप के 39वें मुकाबले में पापुआ न्यू गिनी को 78 रनों के स्कोर पर समेट दिया है।

आज यहां ब्रायन लारा स्टेडियम में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पापुआ न्यू गिनी की शुरुआत खराब रही और उसने 14 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। टोनी ऊरा (1) और कप्तान असद वाला (6) रन बनाकर आउट हुए। असद वाला को लॉकी फर्ग्युसन ने आउट किया। इसके बाद चार्ल्स अमिनी और सेसे बाऊ ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

12वें ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने चार्ल्स अमिनी (17) को आउट कर अपने खाते में दूसरा विकेट जोड़ा। अगले ही ओवर में सेसे बाऊ (12) रन बनाकर आउट हुए। फर्ग्युसन ने चैड सोपर (1) को आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। नॉर्मन वानुआ ने (14) रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के आगे पापुआ न्यू गिनी के बल्लेबाज तू चल मैं आता हूं की तर्ज पर एक–एक कर पवेलियन लौट गये। पापुआ न्यू गिनी के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पापुआ न्यू गिनी ने 19.4 ओवर में मात्र 78 रन के स्कोर पर समेट दिया। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने चार ओवर में बिना कोई रन दिये तीन विकेट झटके। टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और ईश सोढ़ी ने दो–दो विकेट लिये। मिचेल सैंटनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

श्रीलंकाई बल्लेबाज ने दिखाया दम, जड़ा ऐसा छक्का कि छत पर जाकर टकराई गेंद

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां) ।

श्रीलंकाई बल्लेबाज चरित असलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 37वें मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 46 रन की धांसू पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान सिर्फ एक चौका जमाया जबकि पांच छक्के जड़े।

हालांकि, असलंका के एक सिक्स ने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यह सिक्स असलंका ने पारी के 16वें ओवर में लगाया था। नीदरलैंड्स के बास डी लीड गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने ओवर की पांचवीं गेंद शॉर्ट लेंथ की डाली, जिस पर असलंका ने मिडविकेट की दिशा में हवाई शॉट जमाया।

असलंका के इस शॉट में इतनी ताकत थी कि गेंद जाकर छत से टकरा गई। आईसीसी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर असलंका के इस सिक्स का वीडियो शेयर किया, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आईसीसी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, बूम।

श्रीलंका की विजयी विदाई

बता दें कि श्रीलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के अपने आखिरी लीग मैच में नीदरलैंड्स को 83 रन के विशाल अंतर से मात दी। श्रीलंका ने किंग्सटन में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 201 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स की टीम 16.4 ओवर में 118 रन पर ऑलआउट हुई।

श्रीलंका का प्रदर्शन

श्रीलंका की टूर्नामेंट से विजयी विदाई हुई। वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी साख बचाने में कामयाब रही क्योंकि एक भी मैच नहीं जीत सकी थी। श्रीलंका को लीग मैचों में दक्षिण अफ्रीका (6 विकेट) और बांग्लादेश (2 विकेट) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। नेपाल के खिलाफ श्रीलंका का मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

कप्तानी के बारे में निर्णय पीसीबी को लेना है, मुझे नहीं : बाबर

लौडरहिल, 17 जून (एजेंसियां) ।

टी 20 विश्व कप से ग्रुप चरण में पाकिस्तान के बाहर होने के बाद बाबर आज़म के पाकिस्तान का कप्तान बने रहने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. हालांकि बाबर ने कहा कि वह इस संबंध में वह कोई भी निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ पाकिस्तान के वर्ल्ड कप अभियान की समीक्षा के लिए होने वाली मीटिंग के बाद ही लेंगे ।

बाबर ने कहा, जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी, तब मुझे यही लगा था कि मुझे आगे कप्तानी नहीं करनी चाहिए और इसीलिए मैंने खुद ही कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी. इसके बाद मुझे वापस कप्तानी दे दी गई और यह पीसीबी का निर्णय था. जब मैं वापस जाऊंगा तब जो भी चीजें यहां घटित हुई हैं उनके ऊपर बोर्ड के साथ चर्चा करूंगा और अगर मुझे कप्तानी छोड़नी पड़ी तो मैं सार्वजनिक तौर पर इसकी घोषणा करूंगा. लेकिन अभी के लिए मैंने इस बारे में नहीं सोचा है, अंततः यह पीसीबी का निर्णय है।

बाबर से जब यह पूछा गया कि क्या वह टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के शुरुआती चरण में पाकिस्तान के बाहर होने की ज़िम्मेदारी लेते हैं तब उन्होंने यही कहा, मैंने आपको जैसा कि पहले भी कहा कि हम एक व्यक्ति की वजह से नहीं हारे हैं, हम एक टीम के तौर पर जीतते या हारते हैं. आप कप्तान होने के संदर्भ में मेरे से यह सवाल कर रहे हैं लेकिन मैं हर खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता. टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी का अपना रोल होता है. हम यह स्वीकारते हैं कि हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले।

उन्होंने कहा,जिस तरह की टीम हमारे पास थी उससे बेहतर परिणाम की अपेक्षा थी. एक कप्तान के तौर पर मैं किसी एक खिलाड़ी के ऊपर उंगली नहीं उठा सकता. कमी सभी 15 खिलाड़ियों में थी. हम समीक्षा करेंगे. एक कप्तान के तौर पर मेरा दायित्व यह है कि मैं निर्णय लेने वाले लोगों को अपना फ़ीडबैक दूं।

सुपर–8 की तैयारी करने उतरेंगे वेस्टइंडीज़ और अफ़ग़ानिस्तान

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां) ।

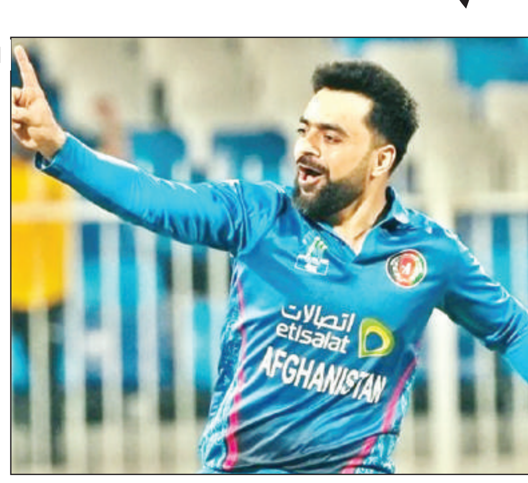

टी20 विश्व कप 2024 का अंतिम ग्रुप मुक़ाबला मेज़बान वेस्टइंडीज़ और अफ़ग़ानिस्तान के बीच सेंट लूसिया के ग्रॉस आइलेट मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मुक़ाबला सुबह छह बजे खेला जाएगा।

दोनों टीमें ग्रुप मुक़ाबलों में अपने तीनों मैच जीतकर आ रही हैं, इसलिए उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है और यह मुक़ाबला रोमांचक हो सकता है। दोनों टीमों की नज़र आख़िरी ग्रुप मुक़ाबला भी जीतकर सही नोट के साथ सुपर–8 में पहुंचना होगा।

कप्तानों के बीच जंग : रोवमन पॉवेल और राशिद ख़ान

जनवरी 2023 के बाद से रोवमन पॉवेल वेस्टइंडीज़ के लिए टी20 मैचों में तीसरे सबसे अधिक रन (461) बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं, हालांकि इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट (163.47) अन्य दो शीर्ष बल्लेबाज़ों निकोलस पूरन और ब्रैंडन किंग से अधिक रहा है। इस विश्व कप के तीन मैचों में उनके नाम 105 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 39 रन है और वह फ़ॉर्म में वापसी को बेचैन होंगे। यह मैच उनका हो सकता है और इस मैच में रन बनाकर वह सुपर–8 मुक़ाबलों में मेज़बान कप्तान के तौर पर बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ जाना चाहेंगे।

क्या राशिद ख़ान वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ अपने फ़ॉर्म को सुधार पाएंगे

वहीं अफ़ग़ानिस्तान के कप्तान राशिद ख़ान के नाम इस विश्व कप के तीन मैचों में छह विकेट हैं। वह बीच के ओवरों में आते हैं और विपक्षी टीम की रीढ़ ही तोड़ देते हैं। हालांकि वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ उनका रिकॉर्ड कुछ ख़ास नहीं रहा है और उन्होंने इस टीम के ख़िलाफ़ आठ टी20 मैचों में सिर्फ़ नौ विकेट लिए हैं। वेस्टइंडीज़ उन चार अंतर्राष्ट्रीय टीमों में से है, जिनके ख़िलाफ़ राशिद का औसत भी 20 से अधिक हो जाता है। वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ी क्रम को देखते हुए राशिद इस मैच में अपने रिकॉर्ड को सुधार सकते हैं।

टीमें

वेस्टइंडीज़: रोवमन पॉवेल (कप्तान), अल्ज़ारी जोसेफ़ (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रॉस्टन चेज़, शिमरॉन हेटमायर, शमार जोसेफ़, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), शाई होप, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफ़र्ड, ओबेद मकॉए, अकील हुसैन, गुडाकेश मोती, शर्फ़ेन रदरफ़ोर्ड

अफ़ग़ानिस्तान: राशिद ख़ान (कप्तान), रहमानउल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, मोहम्मद इशाक़, अज़्मतउल्लाह ओमरज़ाई, करीम जनत, गुलबदीन नईब, नजीबउल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, नवीन उल हक़, नांगेलिया ख़रोटे, नूर अहमद, फ़ज़लहक़ फ़ारूक़ी, फ़रीद अहमद, मुजीब उर रहमान।

सीवान टाइटेंस बनी पहली बिहार वुमेन कबड्डी लीग की चैंपियन, विजेता टीम हुई मालामाल

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां) ।

सीवान टाइटेंस की टीम बिहार वुमन कबड्डी लीग की पहली चैंपियन बनी। 10–16 जून तक 10 से 16 जून तक बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग में आयोजित फाइनल मुकाबले में सीवान टाइटेंस ने सारण स्ट्राइकर्स को 27–20 के अंतर से रौंदा। विजेता टीम को 1,51,000 नकद राशि और ट्रॉफी के साथ गोल्ड मेडल दिया गया। सारण स्ट्राइकर्स की टीम उपविजेता रही, जिसे सिल्वर मेडल और 75,000 रुपये की नकद राशि दी गई। पटना पेलिकंस की टीम तीसरे स्थान पर रही, जिसे ब्रॉन्ज मेडल और 51,000 रुपये की नकद राशि दी गई। इसके अलावा मगध वॉरियर्स की सुंदरी कुमारी को बेस्ट रेडर चुना गया, जिन्होंने कुल 91 अंक हासिल किए। वहीं, सीतामढ़ी सेंटीनल्स की अंजलि कुमारी को बेस्ट डिफेंडर चुना गया। अंजलि ने 48 टैकल प्वाइंट्स बनाए। नालंदा निंजास की नैंसी प्रिया को बेस्ट ऑलराउंड चुना गया। बता दें कि पूरी प्रतियोगिता के बेस्ट रेफरी राणा रंजीतसिंह बने जबकि सारण टीम के नील कमल को बेस्ट कोच चुना गया। जानकारी है कि बेस्ट ऑलराउंडर 15000 नकद रुपये तथा बेस्ट रेडर, बेस्ट डिफेंडर ,बेस्ट रेफरी तथा बेस्ट कोच को मेडल के अलावा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

मुख्य अतिथि बिहार सरकार के खेल विभाग के मंत्री माननीय सुरेन्द्र मेहता, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवीन्द्रण शंकरण , निदेशक सह सचिव श्री पंकज कुमार राज की उपस्थिति में, विजेता टीम और खिलाड़ियों को ट्रॉफी , मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने सभी का अभिनंदन करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि कोई भी खेल आपसी प्रेम और भाईचारा को बढ़ाता है और बिहार की बेटियों का खेल देख कर बहुत खुशी हुई। सरकार राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर हर संभव प्रयास कर रही है। बहुत जल्द ही खेल को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए हर पंचायत में सभी संसाधनों से युक्त स्पोर्ट्स क्लब खोलने की दिशा में काम हो रहा है। खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने प्रथम बिहार वुमेन कबड्डी लीग के सफल आयोजन पर इसके प्रबंधन ,संचालन और प्रसारण से जुड़े विभिन्न घटकों के सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए उन्हे धन्यवाद दिया कि सभी के सामूहिक प्रयास से ही इसका सफल आयोजन हो सका है । आगे श्री शंकरण ने बताया कि पूरे देश में पहली बार सरकार द्वारा महिला कबड्डी लीग का आयोजन किया जा रहा है, यह बिहार के लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है।

एक बार याद दिला दें कि बिहार वुमेन कबड्डी लीग के पहले संस्करण में कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया था। इन टीमों के नाम व प्रायोजक इस प्रकार हैं:

- सीतामढ़ी सेंटीनल्स – वुमन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
- पटना पेलिकंस – बिहार टूरिज्म
- मगध वॉरियर्स – एपीआर ऑटोमोबाइल्स
- नालंदा निंजास – माइक्रो फाइनेंस बैंक सीडॉट
- सारण स्ट्राइकर्स – निनीति हॉस्पिटल
- सीवान टाइटेंस – परिवर्तन।

ये जानना अहम

इस लीग की टूर्नामेंट डायरेक्टर रहीं प्रतिष्ठित ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित भारतीय महिला टीम की प्रशिक्षक कविता सेल्वाराज के मार्गदर्शन में इस प्रतियोगिता में चयन के लिए आयीं 480 प्रतिभागियों में से 96 प्रतिभावान खिलाड़ियों को चुन कर उन्हें 15 दिन के प्रशिक्षण शिविर में कविता द्वारा प्रशिक्षित किया गया और सभी छह टीमों में इन 96 खिलाड़ियों को योग्यता और क्षमता में बराबरी का ध्यान रखते हुए विभाजित किया गया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़ा भारत का यूएई से सोने, चांदी का आयात, जीटीआरआई ने कहा- एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत

नई दिल्ली,17 जून (एजेंसियां)।

आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि सोने और चांदी के आयात में तेज वृद्धि मुख्य रूप से भारत-यूएई के व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत की तरफ से यूएई को दी गई आयात शुल्क में रियायतों से प्रेरित है। भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर 7 प्रतिशत टैरिफ या सीमा शुल्क रियायत और 160 मीट्रिक टन सोने पर 1 प्रतिशत रियायत देता है।

मई 2022 में लागू हुआ था सीईपीए - फरवरी 2022 में सीईपीए पर हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अलावा भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से निजी फर्मों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा प्रदान करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले, केवल अधिकृत एजेंसियां ही इस तरह के आयात को संभाल सकती थीं।

बाकी सभी उत्पादों पर घटा आयात - यूएई से भारत का कुल आयात वित्त वर्ष 2023 में 53.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2024 में 48 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। वहीं सोने और चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 बिलियन अमरीकी डॉलर से 10.7 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। रिपोर्ट में ये कहा गया है, कि बाकी सभी उत्पादों का आयात 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 23 में 49.7 बिलियन अमरीकी डॉलर से वित्त वर्ष 24 में 37.3 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

उच्च आयात शुल्क ही समस्या की जड़ - ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मौजूदा समय में यूएई से सोने और चांदी के आयात टिकाऊ नहीं है क्योंकि यूएई सोने-चांदी का खनन नहीं करता हैं या आयात में पर्याप्त मूल्य नहीं जोड़ता है। अजय श्रीवास्तव ने आगे कहा कि भारत में सोने, चांदी और आभूषणों पर 15 प्रतिशत का उच्च आयात शुल्क ही समस्या की जड़ है। इस टैरिफ को घटाकर 5 प्रतिशत करने पर विचार करें। इससे बड़े पैमाने पर तस्करी और अन्य दुरुपयोगों में कमी आएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

निचले स्लैब के लोगों को आयकर में मिले राहत; सीआईआई अध्यक्ष बोले- जारी रहे सरलीकरण की प्रक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में निचले स्लैब के लोगों को आयकर में राहत मिलनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि महंगाई अब भी उच्च स्तर पर है।सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में थोक महंगाई लगातार तीसरे महीने बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई।अच्छे मानसून की उम्मीद के कारण इस वर्ष खुदरा महंगाई की दर 4.5 फीसदी के आसपास रहने की उम्मीद है। पुरानी व्यवस्था में कर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये तक की आय पर लागू होती है। नई व्यवस्था में यह 3 लाख रुपये तक की आय पर है। पुरी ने कहा, हमारा सुझाव है कि कर के मोर्चे पर सरलीकरण की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और दरों की बहुलता में कुछ परिचालन कठिनाइयां हैं। इनका सरलीकरण जरूरी है। पुरी ने कहा, सीमा शुल्क के मोर्चे पर हमें त्रिस्तरीय संरचना की ओर बढ़ना चाहिए। सबसे निचले स्तर पर प्राथमिक, बीच में मध्यवर्ती और फिर तैयार माल एवं कुछ समय की अवधि में अपवादों के साथ मध्यम दरें होनी चाहिए। बेहतर मानसून से सस्ते होंगे खाद्य पदार्थ सीआईआई अध्यक्ष ने कहा, मानसून के उम्मीद से बेहतर रहने के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।इससे महंगाईके मोर्चे पर भी राहत मिल सकती है।उम्मीद है कि आरबीआई प्रमुख ब्याज दर में कटौती करेगा। यह दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से शुरू हो सकता है। कुछसाल में तीसरी बड़ी जीडीपी बन जाएगा भारत पुरी ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन व मोदी के पिछले दो कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी। हमें उम्मीद है कि भारत अगले कुछ साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सीआईआई ने इस साल जीडीपी के 8 फीसदी की मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ने की उम्मीद जताईहै। नए अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी को अनुमान से बेहतर मानसून और खाद्य महंगाई में नरमी जैसे कईकारकों से समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में सुधारों पर नहीं पड़ेगा असर पुरी ने कहा, गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक नहीं बनेंगी।

ब्रिटेन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना, पिछले साल मई में ब्रिटेन भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था

नई दिल्ली। ब्रिटेन मई में चीन को पीछे छोड़कर भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। पिछले साल मई में वह भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मई में भारत से ब्रिटेन को निर्यात लगभग एक तिहाई बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया और चीन का निर्यात 1.33 अरब डॉलर ही रहा। मई में भारत का वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार कम होने से पिछले कई महीनों तक निर्यात में सुस्ती रही थी मगर मई में अच्छी वृद्धि हुई। अमेरिका को निर्यात में 13 फीसदी इजाफा हुआ और वह भारत का सबसे बड़ा निर्यात साझेदार बना रहा। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात में 19 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है और मई में वहां के लिए निर्यात 44 फीदी चढ़कर 2.19 अरब डॉलर हो गया। भारत से चीन को निर्यात में पिछले महीने केवल 3 फीसदी इजाफा हुआ। सऊदी अरब को निर्यात में 8.46 फीसदी, सिंगापुर को 4.64 फीसदी, बांग्लादेश को 13.47 फीसदी, जर्मनी को 6.74 फीसदी और फ्रांस को निर्यात में 36.94 फीसदी बढ़ोतरी रही। भारत ने जिन 10 देशों से सबसे ज्यादा आयात करता है, उनमें से केवल 2 देशों से आयात में कमी आई। मई में सऊदी अरब से आयात में 4.11 फीसदी और स्विट्जरलैंड से आयात में 32.33 फीसदी कमी दर्ज की गई। मई में भारत का कुल वस्तु आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। रूस से होने वाला आयात 18 फीसदी बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया, जिसकी बड़ी वजह वहां के तेल पर भारत की निर्भरता है। चीन के बाद भारत सबसे ज्यादा आयात इसी देश से करता है और यह सिलसिला मई में भी जारी रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहिंग्या पर..

के दौरान चेहरे की तस्वीर और उसका पूरा डाटा आता है। चश्मा लगाए लोग और दाढ़ी बढ़ाकर भी कोई व्यक्ति इन कैमरों से नहीं बच सकता। एआई इस डाटा को कलेक्ट करके सारी जानकारियां निकाल लेता है और उनसे जुड़ी सारी जानकारी चीन के सुरक्षा अधिकारियों को देता है। फिलहाल जुहूई में यह एआई सिस्टम 14 पुलिस थानों, डिटेंशन सेंटर और ट्रैफिक पुलिस कार्यालयों में इस्तेमाल में है।

तीन साल में ...

बड़ा अंग्रेजी बोलने वाली आबादी वाला देश है और साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथ (स्टेम) शिक्षा में अग्रणी है। भारत अपने उच्च शिक्षित कार्यबल, मध्य पूर्व, यूरोप और पश्चिम अफ्रीका के करीब रणनीतिक स्थान के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया से जुड़ने वाले अपने स्थापित समुद्री कनेक्शन के कारण व्यापार के लिए एक शानदार क्षेत्र है।इंडिया रिव्यू के अनुसार, भारत अपने बड़े श्रम, विशाल उपभोक्ता आधार, कम परिचालन लागत और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव के कारण निर्माताओं और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण के लिए एक विश्वसनीय वैकल्पिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था, व्यापार करने में अपेक्षाकृत आसानी और अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए खुले उद्योगों की बढ़ती रेंज इसके और भी आकर्षण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर भारत व्यापार के लिए एक प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने वाले व्यवसायों में फेडएक्स, फॉक्सकॉन, एप्पल और कई अन्य प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और चिकित्सा उपकरण उद्योग शामिल हैं। यह संभवतः भारत सरकार द्वारा मिलने वाले प्रोत्साहनों के कारण है। भारत को दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में स्थापित करने के लिए वर्ष 2019 में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति बनाई गई और मदरबोर्ड चिपसेट, ग्राफिक्स चिप्स, सेमीकंडक्टर चिप्स और अन्य कंप्यूटिंग उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन गया। इसके बाद, घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने और सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और इलेक्ट्रॉनिक घटकों में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन कार्यक्रम के माध्यम से वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया। इन प्रोत्साहनों की वजह से अब चौदह और नए उद्योग शामिल हो गए हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल का विश्लेषण कहता है कि हाल के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार और विविधीकरण देखा गया है, जिसमें कई उद्योग देश की आर्थिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत का विनिर्माण क्षेत्र जीवंत और विविधतापूर्ण है, जिसमें चिकित्सा उपकरण, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

अंतरिक्ष यान, हवाई जहाज और संबंधित उपकरणों के निर्माण के लिए भारत को एक बेहतरीन जगह के रूप में देखा जा रहा है। सैन्य और वाणिज्यिक दोनों तरह के उपयोगों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ विमान निर्माण क्षेत्र में समय के साथ काफी वृद्धि हुई है। तकनीकी विकास, अत्यधिक कुशल श्रम आधार और एयरोस्पेस उत्पादन का समर्थन करने के लिए सरकारी योजनाएं और कार्यक्रम इस क्षेत्र की सहायता करते हैं। विदेशी एयरोस्पेस व्यवसायों के साथ सहयोग और साझेदारी ने इस क्षेत्र के विकास में योगदान दिया है, जो दुनिया भर में एयरोस्पेस निर्माण में भारत की ताकत को पहचान दिला रहा है।रिपोर्ट कहती है कि भारत में चिकित्सा प्रौद्योगिकी या मेडटेक का क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। उदाहरण के लिए, बोस्टन साइंटिफिक ने 2016 में गुरुग्राम में अपना पहला केंद्र स्थापित किया। 2023 में अमेरिका स्थित कॉरपोरेशन बोस्टन साइंटिफिक ने पुणे में अपना दूसरा अनुसंधान और विकास केंद्र खोला। अमेरिका के बाहर कंपनी की दूसरी सबसे बड़ी अनुसंधान और विकास सुविधाएं भारत में ही स्थित हैं। ट्रिविट्रॉन हेल्थकेयर और ऑप्टो सर्किट इंडिया लिमिटेड जैसे व्यवसायों द्वारा वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए चिकित्सा उपकरणों और गैजेट्स की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के साथ, भारत का चिकित्सा उपकरण निर्माण उद्योग भी बढ़ा है।ऑटोमोबाइल क्षेत्र में टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी कंपनियां ऑटोमोबाइल और मोटरबाइक से लेकर कॉमर्शियल ट्रक और बस तक कई तरह के वाहन बनाती हैं, जिसके चलते भारत वैश्विक ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। मेक इन इंडिया परियोजना उन कई रणनीतियों में से एक है, जिनके तहत भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अपने देश में बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेक इन इंडिया पहल की शुरुआत की गई थी। इस अभियान के घोषित लक्ष्य निवेश आकर्षित करना, नवाचार का समर्थन करना, कौशल विकास में सुधार करना, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा करना और दुनिया में सबसे बेहतरीन विनिर्माण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। इसके तहत 25 उद्योगों की पहचान की गई है जो विदेशी निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि से तुरंत लाभान्वित होंगे। इनमें चिकित्सा उपकरण, रेलमार्ग, बीमा और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं।दुनियाभर के उद्योग क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ-उद्यमी यह सवाल उठाते हैं कि व्यवसाय भारत में क्यों स्थानांतरित हो रहे हैं? भारत अगला विनिर्माण केंद्र क्यों है? इस पर व्यापक सहमति व्यक्त की गई कि औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा देने के लिए भारत के संघीय और राज्य सरकारों द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। भारत के राज्य भी अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए होड़ कर रहे हैं। भारत ने पहले ही बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश किया है, और यह और भी तेजी से बढ़ रहा है।

भारत में कई उद्योगों के पास विशेष आर्थिक क्षेत्र हैं, खासकर वे जो फैब्रिकेशन और सेमीकंडक्टर सुविधाओं से सम्बद्ध हैं। भारत की नई नौकरशाही व्यवसाय समर्थक है। भारत की पुरानी नौकरशाही जो अत्यंत धीमी गति से चलती थी और लाल फीताशाही में अनेक उद्योग धंधे चौपट हो रहे थे, वह दौर अब समाप्त हो गया है। भारत सरकार का अभियान इन्वेस्ट इंडिया का उद्देश्य ही है भारत में व्यवसाय करने को आसान बनाना। भारत में शिक्षा की स्तरीयता पर भी जोर है। आर्थिक के साथ-साथ भारत सरकार शिक्षा नीतियां बना रही है। इसका नतीजा है कि सबसे अच्छे स्कूलों से निकलने वाली प्रतिभा कार्यबल के लिए तैयार है। उद्योग और शिक्षा अन्योन्याश्रित तरीके से मिलकर काम करते हैं।भारत के विनिर्माण विकास का एक हिस्सा खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के क्षेत्र में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से संचालित हो रहा है। उपभोक्ता प्रतिस्पर्धी मूल्य बिंदुओं पर अत्याधुनिक सुविधाओं और क्षमताओं के साथ प्रीमियम सामान की तलाश करते हैं। भारत उपभोक्ताओं को विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कम लागत पर अधिक विकल्प प्रदान कर रहा है। भारत में एयरोस्पेस के सफल होने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में है। देश के सुस्थापित वैमानिकी बुनियादी ढांचे, विनिर्माण करारों और उदार प्रोत्साहनों के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रसिद्ध उद्यमी कंपनियां भारत में बड़े निवेश कर रही हैं।भारत अपने कम टैरिफ के कारण उद्यमों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। क्षेत्रीय संचालन पर विचार करने वाले विदेशी कॉरपोरेट्स को आकर्षित करने वाला एक अन्य कारक भारत की कम जमीनी लागत भी है। भारत में कई अन्य देशों की तुलना में अधिक किफायती श्रम है और यह यूरोप, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार के लिए आदर्श स्थान है। इसके अलावा, भारत के पास कई व्यापार समझौते हैं जो टैरिफ को कम करते हैं और आयात और निर्यात प्रक्रियाओं को आसान और कम खर्चीला बनाते हैं। अंततः क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए कुल लैंडेड लागत रसद प्रभावशीलता और कम परिवहन व्यय से और भी कम हो जाती है।दुनिया के प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक विश्लेषक प्रतिष्ठानों का मानना है कि भारत विश्व औद्योगिक परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है और अनुमान है कि आने वाले वर्षों में यह गति जारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय लीथियम-आयन बैटरी रीसाइकलिंग कंपनी लोहुम के संस्थापक और सीईओ रजत वर्मा का कहना है कि भारत लिथियम आपूर्ति श्रृंखला में बिना इसका उत्पादन किए वैश्विक लीडर बन सकता है। भारत रीसाइक्लिंग पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

भाजपा से लाभ ..

लिए भाजपा कई तरह के आउटरीच प्रोग्राम चल रही थी। पार्टी द्वारा पसमांदाओं को अपने पाले में लाने के लिए कई तरह के सम्मेलन, स्नेह यात्राओं का आयोजन किया गया। पसमांदा मुसलमानों और मुस्लिमों के अन्य वर्गों में अंतर दिखाने के लिए भाजपा ने इस साल की शुरुआत में कौमी चौपालों का भी आयोजन किया था।जुलाई 2022 में हैदराबाद में हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में पसमांदा मुसलमानों पर फोकस करने की योजना बनाई गई थी। इस योजना पर भाजपा द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी की सभी समुदायों के वंचित और दलित वर्गों तक पहुंचने की अपील के बाद शुरू किया गया। उस साल हुए विधानसभा चुनावों में पसमांदा समुदाय के करीब 8 प्रतिशत वोटर्स द्वारा पार्टी का समर्थन किए जाने के बाद भाजपा उत्साहित थी। लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस के गठबंधन होने के बाद भी भाजपा को उम्मीद थी कि उसे पसमांदा मुसलमानों से और समर्थन मिलेगा।विधानसभा चुनाव 2022 के बाद भाजपा ने दानिश आजाद अंसारी को एमएलसी बनाया और फिर राज्य सरकार में मंत्री पद दिया। दानिश आजाद पसमांदा मुस्लिम समाज से आते हैं। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज राज्य मंत्री हैं। उनके अलावा भाजपा ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तारिक मंसूर को भी एमएलसी बनाया और उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया। पिछले साल के स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान, भाजपा ने 300 से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए थे, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत पसमांदा थे।अपने चुनावी भाषणों में पीएम नरेंद्र मोदी अक्सर पसमांदा मुसलमानों का जिक्र करते थे। उन्होंने एक रैली में कहा था कि उन्हें मुस्लिम महिलाओं का आशीर्वाद भी प्राप्त है। भाजपा मानती रही कि 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मुस्लिम महिलाओं ने उन्हें वोट दिया है। भाजपा यह भी आरोप लगाती है कि कांग्रेस और सपा दोनों ने तुष्टिकरण के नाम पर केवल चुनिंदा अल्पसंख्यक नेताओं को लाभ पहुंचाया और पसमांदाओं की उपेक्षा की।हाल ही में लखनऊ स्थित भाजपा दफ्तर में हुई एक समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा, हमने नतीजों को स्वीकार कर लिया है और हम जनता के फैसले के आगे नतमस्तक हैं। लेकिन एक राजनीतिक संगठन के तौर पर हमने अपने सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से लोकसभा सीटवार कैंप करने और जानकारी जुटाने को कहा है। इस जानकारी के आधार पर हम आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। हम उन सभी कारणों को समझने की कोशिश कर रहे हैं, जिनकी वजह से हमें अपेक्षित नतीजे नहीं मिल पाए।

उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने कहा, यह सच है कि पसमांदा मुस्लिम समुदाय के लिए बहुत कुछ किया गया है, संगठन में पद देने से लेकर एमएलसी बनाने तक और यहां तक कि मंत्री पद भी दिए गए हैं। पसमांदा मुसलमानों को पीएम आवास के तहत बीस लाख घर और 2.61 करोड़ राशन कार्ड प्रदान किए गए हैं। बुनकर समुदाय के लिए भी विशेष पहल की गई है। लेकिन इन सबके बावजूद समुदाय ने शायद ही हमारे उम्मीदवारों को वोट दिया हो।

उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में पार्टी को पसमांदा मुसलमानों का कुछ वोट जरूर मिला, लेकिन यह कैराना, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर जीतने के लिए काफी नहीं था। काफी सीटों में भाजपा को पसमांदा मुसलमानों का एक फीसदी वोट भी नहीं मिला। पसमांदा मुस्लिम बहुल इलाकों में बूथ की समीक्षा में पता चला कि भाजपा को पसमांदा समुदाय के महज एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। जबकि, भाजपा को मुस्लिम राजपूतों, जाटों, त्यागियों, अशरफों, पठानों और तुर्कों सहित ऊंची जाति के मुसलमानों के कुछ वोट अवश्य मिले। विडंबना यह है कि मुसलमानों के इस उच्च जाति वर्ग को भाजपा ने कोई तरजीह नहीं दी।

भाजपा पसमांदा मुस्लिमों को मनाने में क्यों विफल रही, इस पर चिंतन की जरूरत की बात करते हुए पार्टी के एक नेता कहते हैं कि हमें बारीकी से विचार करने की जरूरत है। ओम प्रकाश राजभर के बेटे घोसी लोकसभा से चुनाव लड़े, यहां पसमांदा मुस्लिमों यानी अंसारियों की आबादी काफी ज्यादा है। इस सीट पर दानिश अंसारी को कैंप करवाया गया था फिर भी यहां सपा के भूमिहार नेता की जीत हुई। समीक्षा में यह बात स्पष्ट हुई कि मुसलमान और हिंदू समुदाय की समझदार और उदार जातियां भारतीय जनता पार्टी के सिद्धांतों को समझती हैं और समर्थन भी देती हैं, लेकिन भाजपा हो या कांग्रेस, इन्हें तरजीह नहीं देती और इसका खामियाजा भी भुगतती हैं।

पेट्रो कीमतें ...

नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। इसके बाद अपनी कार में बैठते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह गिर गए। भाजपा नेता को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

उधर ईंधन की बढ़ती कीमतों पर कर्नाटक को भाजपा नेता सीटी रवि ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री दोहरे चरित्र वाले हैं? भाजपा ने कहा मुख्यमंत्री बनने से पहले सिद्धारमैया ने कहा था कि सरकार ईंधन की कीमतों को 10 रुपए कम करेगी। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद ईंधन की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हुई है। अगर सरकार के खजाने में पैसा है तो जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, स्टांप ड्यूटी शुल्क, आबकारी शुल्क और बिजली के दामों में बढ़ोतरी क्यों की गई?

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि भारत एकमात्र देश है जहां प्रतिनिधि अवधि में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान डीजल की कीमतें बढ़ने के बजाय कम हुईं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने इसकी वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में दो बार पेट्रोल और डीजल पर केंद्र द्वारा लगाए गए उत्पाद शुल्क को कम किया। इस वजह से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों ने भी पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम किया। वैट के आंकड़ों पर ध्यान देने से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

खालिस्तानी आतंकी ...

लिए वहां के स्थानीय कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, लेकिन अमेरिका के दबाव में चेक गणराज्य की कहां चलने वाली थी। जबकि चेक गणराज्य की अदालत ने इससे पहले फरवरी 2024 में निखिल गुप्ता को अमेरिका ले जाए जाने की अमेरिकी कोशिशों पर रोक लगा दी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के जस्टिस विभाग ने आरोप लगाया था कि निखिल गुप्ता अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मरवाने की साजिश में शामिल था। निखिल गुप्ता पर आरोप लगाया गया था कि उसने अमेरिका में पन्नू को मारने के लिए एक हत्यारे को 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपए) की सुपारी दी थी। अमेरिकी एजेंसियों ने यह भी आरोप लगाया था कि वह भारतीय खुफिया एजेंसियों से मिल कर काम कर रहा था और यह सुपारी उसने भारतीय एजेंटों के कहने पर ही दी थी। इसके लिए 15,000 डॉलर का अग्रिम भुगतान किया गया था। निखिल गुप्ता ने जिसको पैसे दिए थे वह अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का ही सदस्य था। इसी कारण पूरा मामला खुल गया। अमेरिका में निखिल गुप्ता को प्रताड़ित किया जा रहा है। निखिल गुप्ता के परिवार वालों ने कहा कि निखिल को जबरन गोमांस और सुअर का मांस खिलाया जा रहा था जो उनके धार्मिक मूल्यों के विरुद्ध है।अमेरिका के आरोपों को भारत लगातार खारिज कर रहा है। भारत ने अमेरिकी आरोप की जांच के लिए एक कमेटी भी गठित कर दी है। निखिल गुप्ता को अमेरिका लाए जाने को लेकर विदेश मंत्रालय ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

नौसेना में शामिल ...

नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजेक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना कार्टाजेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) यानी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन परीक्षण करेगी।रिकार्डो डोमिंगुज ने कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) कंपनी देगी। परीक्षण के दौरान भारतीय नौसेना को विश्व स्तर की एआईपी तकनीक की जानकारी दी जाएगी। बताया गया कि भारतीय नौसेना एआईपी तकनीक से सुसज्जित छह पनडुब्बियों का अधिग्रहण करेगी। इस तकनीक की मदद से पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकती हैं। भारतीय नौसेना के पास इससे पहले एआईपी सिस्टम वाली पनडुब्बियां नहीं थीं।

करीब 60 हजार करोड़ की इस परियोजना में एलएंडटी और नवंतिया के साथ जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम और भारत की मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड भी शामिल हैं। नवंतिया ने भारतीय नौसेना की परियोजना के लिए एस-80 पनडुब्बी के डिजाइन की पेशकश की है। इनमें से एक पनडुब्बी वर्ष 2024 में स्पेनिश नौसेना में शामिल हो चुकी है। नवंतिया ने दावा किया कि ड80 की खास बात यह है कि यह बिना किसी पुनर्निर्माण की आवश्यकता के पी75(आई) की तकनीक आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करती है।

एनडीए के लिए...

उसमें भाजपा के पास सात, कांग्रेस के पास दो और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पास एक सीट है। फिलहाल भाजपा इनमें से कम से कम छह सीटें जीतने का दम रखती है। ऐसे परिदृश्य में एनडीए को कानून पारित करने के लिए दूसरों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन वाईएसआरसीपी और बीजेडी का समर्थन उसे आरामदायक स्थिति में रखेगा।

बीजेडी ने अभी तक अपनी राज्यसभा रणनीति के बारे में बात नहीं की है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ज्यादातर संसद में भाजपा के साथ गठबंधन करती रही है। वहीं वाईएसआरसीपी ने कहा है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को मुद्दा-आधारित समर्थन देगी। पिछले हफ्ते दिल्ली में वाईएसआरसीपी नेता वी विजयसाई रेड्डी ने केंद्र सरकार से आंध्र प्रदेश में चुनाव-संबंधी हिंसा का जायजा लेने के लिए कहा और कहा कि एनडीए को राज्यसभा में बिल पारित करने के लिए हमारी संख्या की आवश्यकता होगी।वाईएसआरसीपी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भाजपा के बाद एनडीए की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी टीडीपी पर चुनाव के दौरान ज्यादतियां करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, उन्हें (भाजपा को) हमारी शिकायत पर ध्यान देना होगा क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में मिलाकर हमारे पास 15 सांसद हैं। यह टीडीपी की संख्या से सिर्फ एक सांसद कम है।टीडीपी ने आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनावों में 135 सीटें और 16 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। वाईएसआरसीपी 11 विधानसभा सीटों पर सिमट गई और लोकसभा में उसके चार सांसद हैं। वाईएसआरसीपी ने स्पष्ट किया है कि वह एनडीए या इंडी गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने को तैयार नहीं है। रेड्डी ने कहा हम उन मामलों का समर्थन करेंगे जो देश के हित में हैं। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी के फैसले संवैधानिक मूल्यों पर आधारित होंगे।वाईएसआरसीपी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वाईएसआरसीपी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर किसी भी कानून का समर्थन नहीं करेगी। रेड्डी ने कहा, चुनाव से पहले ही हमने स्पष्ट कर दिया था कि हम यूसीसी का समर्थन नहीं करेंगे। हालांकि पार्टी ने यह सार्वजनिक नहीं किया है कि क्या वह एक राष्ट्र, एक चुनाव का समर्थन करेगी या नही। रेड्डी ने कहा कि इसपर निर्णय बाद में लिया जाएगा। वहीं बीजेडी ने भी अभी तक यूसीसी या वन नेशन, वन इलेक्शन पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।पिछली लोकसभा के कार्यकाल के दौरान वाईएसआरसीपी और बीजेडी ने दोनों सदनों में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जैसे कानून पारित करने में भाजपा का समर्थन किया था। हालांकि वाईएसआरसीपी ने अपने रुख पर फिर से विचार किया और मार्च में कहा कि वह मौजूदा प्रारूप में सीएए का समर्थन नहीं करती है। इससे पहले पार्टी ने आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का विरोध किया था। तीन तलाक पर बीजेडी ने भाजपा का समर्थन किया जबकि वाईएसआरसीपी ने इसका विरोध किया। हालांकि वाईएसआरसीपी ने भाजपा सरकार के विवादास्पद कृषि कानूनों का समर्थन किया, जिन्हें किसानों के साल भर के विरोध के बाद 2021 में निरस्त कर दिया गया था। बीजेडी ने भी कृषि कानूनों का विरोध किया था।राज्यसभा में जो अन्य दल अपनी बात रखेंगे उनमें 26 सांसदों वाली कांग्रेस और 13 सांसदों वाली तृणमूल कांग्रेस शामिल हैं। आम आदमी पार्टी (आपा) और डीएमके (दोनों इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं) के पास 10-10 सदस्य हैं। राज्यसभा सदस्यों वाली अन्य प्रमुख पार्टियों में पांच सांसदों वाली भारत राष्ट्र समिति शामिल है। सीपीआई (एम) और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पास पांच-पांच सदस्य, एआईएडीएमके, जनता दल (यूनाइटेड), और समाजवादी पार्टी के पास चार-चार सदस्य, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के पास तीन सांसद और दो सांसद सीपीआई के पास हैं।

अब तक अधूरे ...

लाख करोड़ रुपए के 7,118 प्रोजेक्ट्स 7 जून तक पूरे हो चुके थे। जबकि 21,189 करोड़ की 878 परियोजनाएं अभी भी चल रही हैं। वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों को पूरा करने में शहरों को लगभग छह महीने का वक्त और लग सकता है।स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सभी 100 शहरों में 11,775 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं। 44,300 रुपए की पानी, सफाई और स्वच्छता से जुड़े प्रोजेक्ट्स, 33,019 करोड़ रुपए के स्मार्ट मोबिलिटी प्रोजेक्ट्स और 15,474 करोड़ रुपए के स्मार्ट गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स को पूरे हो चुके कामों में शामिल किया गया है।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को मोदी सरकार ने शहरी आवास मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। खट्टर के सामने सबसे पहली चुनौती स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे प्रोजेक्ट्स को जल्द से जल्द पूरा करने की है।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने इस साल जनवरी में बताया था कि 100 स्मार्ट शहरों में 600 किमी. से अधिक लंबे साइकिल ट्रैक विकसित किए गए हैं, जबकि 76,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, 6,855 स्मार्ट क्लासरूम और 40 डिजिटल लाइब्रेरी बनाई गई हैं। 50 लाख से अधिक सोलर और एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं और 89,000 किमी. से अधिक अंडरग्राउंड बिजली केबल का निर्माण किया गया है।इस साल की शुरुआत में शहरी आवास मंत्रालय ने कहा था कि अगर प्रोजेक्ट्स 30 जून तक पूरे नहीं होते हैं तो राज्य सरकारों को इन्हें खुद के खर्च पर पूरा करना होगा। फरवरी में भी केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के सचिव मनोज जोशी ने संसद की स्थाई समिति को बताया था कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे कुछ प्रोजेक्ट्स 30 जून की डेडलाइन तक पूरे नहीं हो पाएंगे और इसके लिए संबंधित राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी।

पिछले साल मध्य प्रदेश के इंदौर शहर को बेस्ट स्मार्ट सिटी का पुरस्कार मिला था। यह लगातार दूसरी बार था जब उसे नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड मिला था। शहरी विकास मंत्रालय ने 100 स्मार्ट शहरों की जो सूची जारी की थी उसमें इंदौर के बाद सूरत और आगरा का नंबर था।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 25 जून को रवाना होगा पहला जत्था

जानिए यात्रा से जुड़ी अहम बातें

जम्मू कश्मीर स्थित बाबा अमरनाथ में बर्फ से प्राकृतिक रूप से बनने वाले शिवलिंग के दर्शन करने के लिए छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत देशभर के प्रमुख शहरों से पहला जत्था 25 जून को रवाना होगा। वहीं, 29 जून से यात्रा शुरू होगी।

रायपुर से 150 और प्रदेशभर से 500 से अधिक श्रद्धालु रवाना होंगे। कई साल से यात्रा पर जा रहे अनुभवी श्रद्धालु पहली बार जाने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा में होने वाली परेशानियों से निपटने के विशेष सुझाव दे रहे हैं। इसके लिए व्हाट्सअप ग्रुप बनाया गया है, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालु एक-दूसरे के संपर्क में रहे।

करें ऑनलाइन-ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन

इस बार अमरनाथ यात्रा 29 से जून से शुरू होकर 19 अगस्त यानी की रक्षाबंधन पर्व तक चलेगी। 18वीं अमरनाथ यात्रा में बालाघाट और पहलगाम मार्ग से भक्त यात्रा करेंगे। 1 जुलाई को भक्त बाबा बर्फानी के दर्शन कर पाएंगे। यात्रा के लिए 17 अप्रैल से ही रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर की 20 बैंक शाखाओं में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी शुरू किए जा चुके हैं। अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुताबिक, 13 साल से लेकर 70 साल के लोग अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए https://jksasb.nic.in वेबसाइट पर जा सकते हैं।

इन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

अमरनाथ यात्रा के लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड, श्राइन बोर्ड से ऑथराइज्ड डॉक्टर के हाथों बना हुआ मेडिकल सर्टिफिकेट, 5 पासपोर्ट साइज फोटो की जरूरत होगी। इस यात्रा पर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, जॉइंट पेन, सांस की बीमारी, मिर्गी के दौरे जैसी बीमारियों से पीड़ित लोग नहीं जा सकते हैं। 29 जून 2024 से बाबा अमरनाथ की गुफा के पास भंडारा भी शुरू होगा और रक्षाबंधन के दिन तक चलेगा। इसमें यात्रियों के लिए नाश्ता, भोजन और चाय की व्यवस्था रहेगी। वहीं, बालटाल बेस कैंप में श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था भी की जाएगी।

अमरनाथ धाम को कहा जाता है तीर्थों का तीर्थ

चंद्रमा के साथ घटता-बढ़ता है शिवलिंग का आकार

अमरनाथ धाम की वार्षिक यात्रा 29 जून से शुरू होगी और इसका समापन 19 अगस्त को होगा। अमरनाथ धाम हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थों में से एक है। अमरनाथ धाम को तीर्थों का तीर्थ भी कहा जाता है। अमरनाथ धाम भगवान शिव को समर्पित है। हर साल आषाढ़ माह की पूर्णिया से अमरनाथ धाम की यात्रा शुरू होती है और रक्षाबंधन तक यह यात्रा यात्रा जारी रहती है।

अमरनाथ धाम दक्षिण कश्मीर में 3888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार यही वह स्थान है, जहां भगवान शिव ने माता पार्वती को ब्रह्मांड का रहस्य बताया था। इस दौरान दो कबूतरों ने भी इस कथा को सुन लिया था, जिससे वे भी अमर हो गए। माना जाता है कि वे दोनों कबूतर हर वर्ष सावन माह में इस पवित्र गुफा में देखे जा सकते हैं। अमर नाथ गुफा की लंबाई 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। गुफा करीब 11 मीटर ऊंची है।

यात्रा में आती है कई कठिनाई

अमरनाथ यात्रा कठिन माने जाने वाली यात्राओं में गिनी जाती है। यात्रा के दौरान कई उबड़-खाबड़ रास्ते पड़ते हैं, तो वहीं श्रद्धालुओं को इस दौरान बर्फबारी और बारिश का सामना तक करना पड़ता है। साथ ही कई बार बर्फीली हवाएं भी चलने लगती है। हालांकि, यह सब कठिनाइयां भी भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं ला पाती।

स्वयंभू हिमानी कहलाता है शिवलिंग

गुफा में शिवलिंग का निर्माण प्राकृतिक तरीके से हुआ है। शिवलिंग पर ऊपर से बर्फ की पानी की बूंदे टपकती है। प्राकृतिक बर्फ से निर्मित होने के कारण ही इस शिवलिंग को स्वयंभू हिमानी भी कहा जाता है। मान्यता है कि चंद्रमा के घटने बढ़ने के साथ ही शिवलिंग का आकार भी घटता-बढ़ता रहता है, जबकि श्रावण माह की पूर्णिमा को यह शिवलिंग अपने पूर्ण आकार में आ जाता है और अमावस्या तक धीरे-धीरे छोटा होता है।

जानें कब निकलेगी बाबा महाकाल की श्रावण सवारी

इस वर्ष 22 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत होने जा रही है। इसी के चलते उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में निकलने वाली बाबा महाकाल की सावन सवारी की तैयारियां भी शुरू हो गई है। इस बार श्रावण मास की शुरुआत सोमवार से होगी, ऐसे में इस माह के पहले ही दिन बाबा महाकाल की सवारी निकलेगी।

दर्शन व्यवस्था में भी होता है बदलाव

श्रावण मास में महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में भी विशेष बदलाव किया जाता है। सामान्य दिनों में मंदिर के पट तड़के चार बजे खुलते हैं। श्रावण मास में प्रत्येक रविवार को रात 2.30 बजे मंदिर के पट खुलते हैं। शेष दिनों में मध्य रात्रि 3 बजे मंदिर के पट खोले जाते हैं और बाबा महाकाल की भस्म आरती होती है। साथ ही कांवड़ियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाती है।

हर बार नए स्वरूप में दर्शन देते हैं बाबा महाकाल

श्रावण-भादौ माह में निकलने वाली प्रत्येक सवारी में बाबा महाकाल नए स्वरूप में दर्शन देते हैं। भगवान महाकाल के इन रूपों को शिव सहस्त्रनामावली में उल्लेखित शिव के विभिन्न नामों के आधार पर बनाया गया है। इस दौरान बाबा महाकाल मन महेश, चंद्र मौलेश्वर, शिव तांडव, उमा महेश, सप्त धान घटाटोप और होलकर स्वरूप में दर्शन देते हैं।

ऐसा रहेगा बाबा महाकाल की सवारी का शेड्यूल

22 जुलाई	पहली सवारी
29 जुलाई	दूसरी सवारी
5 अगस्त	तीसरी सवारी
12 अगस्त	चौथी सवारी
19 अगस्त	पांचवीं सवारी
26 अगस्त	छठी सवारी
2 सितंबर	शाही सवारी

रसोई में इस दिशा में लगवाएं खिड़की, घर आएगी सुख-शांति

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। आप घर में सकारात्मक माहौल चाहते हैं, तो वस्तुओं को सही दिशा में ही रखें। गलत दिशा में वस्तुओं को रखने से जीवन में अशुभ परिणाम आना शुरू हो जाते हैं। वास्तु शास्त्र के हिसाब से रसोई व मंदिर की दिशा पहले से ही तय है। रसोई में खिड़की भी वास्तु शास्त्र के हिसाब से लगानी चाहिए। यह आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करेगी। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी ने विस्तार से बताया है कि रसोई घर की खिड़की किस दिशा में होनी चाहिए?

रसोईघर में किस दिशा में होनी चाहिए खिड़की?

रसोई घर में खिड़की की दिशा को लेकर वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में खिड़की लगाने से सकारात्मकता आती है।

रसोई घर में पूर्व दिशा में हो खिड़की

पूर्व दिशा में खिड़की लगाने का कारण यह है कि इस दिशा में सर्योदय होता है। यह बहुत ही शुभ दिशा होती है। इस दिशा में खिड़की बनवाने से घर में खुशहाली आती है।

रसोई घर में उत्तर-पूर्व दिशा में होनी चाहिए खिड़की

उत्तर-पूर्व दिशा को ज्ञान और आध्यात्मिकता की दिशा माना जाता है, इसलिए रसोई में खिड़की इसी दिशा में लगवानी चाहिए, जिससे आपके घर में सकारात्मकता का माहौल बनता है।

इस दिन मनाया जाएगा आखिरी बड़ा मंगल जानिए सही तारीख और पूजा विधि

मंगलवार का दिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को समर्पित माना जाता है। विशेष कार्यों में सफलता पाने के लिए इस दिन भगवान के निमित्त व्रत भी रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को भगवान श्री राम और हनुमान जी की मुलाकात हुई थी। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार का बहुत महत्व माना जाता है। इस बार ज्येष्ठ का आखिरी बड़ा मंगल 18 जून को मनाया जाने वाला है।

बड़ा मंगल पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। सूर्य देव को जल चढ़ाएं। एक चौकी पर हनुमान जी की मूर्ति रखें। उन्हें सिंदूर अर्पित करें और फूलों की माला चढ़ाएं। शुद्ध घी का दीपक जलाएं और आरती करें। फिर उन्हें लड्डू, आदि चीजों का भोग लगाएं। इस दिन सच्चे मन से सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

इस दिन गरीबों को धन, भोजन और वस्त्र दान करें। कहा जाता है कि भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त हो, तो व्यक्ति भयमुक्त रहता है। साथ ही तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं।

बड़ा मंगल महत्व

हिंदू धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि भगवान हनुमान अमर देवताओं में से एक माने जाते हैं। मान्यता है कि प्रत्येक मंगलवार या बड़े मंगल को हनुमान जी की पूजा करने से व्यक्ति को रोग, दोष और नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही ग्रह दोष से भी राहत मिलती है।

हनुमान जी की पूजा करने से कुंडली में मंगल या शनि की स्थिति मजबूत होती है। बजरंगबली की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

शुक्र ग्रह कमजोर होने पर घट जाती है सुंदरता, ऐसे करें मजबूत

ज्योतिष शास्त्र में नव ग्रहों का विशेष स्थान दिया गया है। प्रत्येक ग्रह के अपने अलग-अलग कारक होते हैं। साथ ही ग्रहों का जातकों के जीवन में भी अलग-अलग असर पड़ता है। शुक्र ग्रह का भी ज्योतिष में विशेष महत्व बताया गया है। शुक्र कमजोर हो, तो आंखों में परेशानी होने लगती है। साथ ही मधुमेह की बीमारी हो सकती है। शुक्र ग्रह को महिलाओं के लिए काफी शुभ माना गया है। इस ग्रह को महिलाओं की सुंदरता से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जिस महिला की कुंडली में शुक्र शुभ होता है, वे काफी सुंदर होती हैं। वहीं जब शुक्र कमजोर हो तो इसका शरीर पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यहां आपको बताते हैं शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत है और इसे कैसे मजबूत किया जा सकता है।

शुक्र कमजोर होने के क्या संकेत हैं

चेहरे पर मुंहासों का अचानक निकलना शुक्र के कमजोर होने का संकेत माना जाता है।

चेहरे पर इंफेक्शन भी शुक्र कमजोर होने का संकेत है।

ऐसे मजबूत करें शुक्र ग्रह

* शुक्रवार के दिन सफेद रंग के कपड़े पहनने चाहिए
* सफेद रंग की वस्तुओं का दान करना शुभ होता है
* शुक्र यंत्र को घर में स्थापित करना चाहिए
* सफेद गाय को चारा खिलाने से शुक्र के प्रकोप से मुक्ति मिलती है
* केमिकल वाले परफ्यूम की जगह प्राकृतिक महक वाले इत्र का इस्तेमाल करना चाहिए
* गंदे और फटे-पुराने कपड़े पहनने से शुक्र ग्रह अशुभ फल देता है। ऐसे में इस तरह के कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

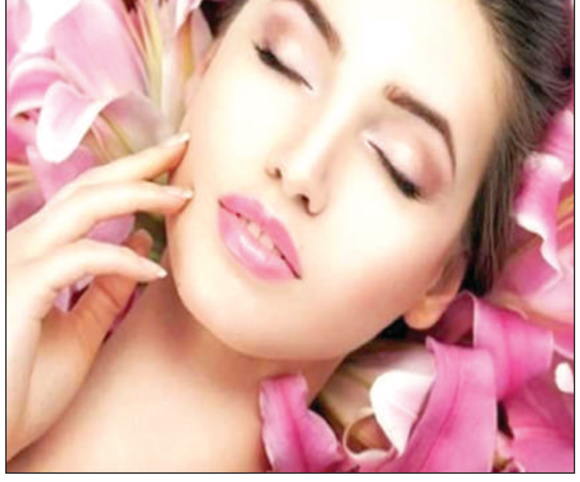

कब मनाया जाएगा रक्षा बंधन? इस बार भी रहेगा भद्रा का साया

रक्षाबंधन पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक माना जाता है। यह त्योहार हर साल सावन माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधती हैं और उसके लिए लंबी उम्र की कामना करती हैं। वहीं, भाई भी अपनी बहन को उपहार देते हैं और उसकी रक्षा करने का वचन देते हैं। आइए जानते हैं कि इस बार राखी का त्योहार कब मनाया जाएगा और शुभ मुहूर्त, तिथि क्या है।

कब मनाया जाएगा रक्षा बंधन?

पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह की पूर्णिमा तिथि सुबह 3.44 बजे शुरू होगी और रात 11.55 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, रक्षा बंधन 19 अगस्त को मनाया जाएगा। इस साल रक्षाबंधन भद्रा काल में शुरू होगा। भद्राकाल सुबह 5.53 बजे शुरू होगा और दोपहर 1.32 बजे समाप्त होगा।

कई अद्भुत संयोग का होगा निर्माण

रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और धनिष्ठा नक्षत्र समेत कई शुभ संयोग बनने जा रहे हैं। इस दिन सुबह 5.53 बजे से 8.10 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का निर्माण हो रहा है। रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का शुभ समय दोपहर 1 बजकर 32 मिनट से शाम 4 बजकर 20 मिनट तक है। इसके अलावा आप शाम 6 बजकर 56 मिनट से रात 9 बजकर 08 मिनट तक प्रदोष काल में भी राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन का महत्व

हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में रक्षाबंधन पर्व बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन भाई-बहन पारंपरिक कपड़े पहनते हैं। बहनें राखी, रोली, चावल के दाने, मिठाई, दीया और रक्षा सूत्र की थाली तैयार करती हैं। बहनें अपने भाई की आरती उतारती हैं और उसके माथे पर तिलक लगाती हैं और रक्षा सूत्र बांधती हैं। भाई अपनी बहनों को प्यार से उपहार देते हैं।

क्या आप भी गिनकर बनाते हैं रोटी, तो जान लें वास्तु की ये जरूरी बातें

खाने से लेकर सोने तक वास्तु शास्त्र में कई तरह के नियम बताए हैं। इन नियमों का पालन करके व्यक्ति एक खुशहाल जीवन जीता है। इसी तरह हिंदू धर्म में रसोई घर को बहुत महत्ता दी गई है। इसे एक पवित्र स्थान माना जाता है, जहां बना हुआ खाना व्यक्ति को जीवन व्यतीत करने की शक्ति देता है। हर दिन रोटी बनाई जाती है। हिंदू मान्यता के अनुसार, रसोई में बनाई जाने वाली रोटी से जुड़े नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। वरना घर में बरकत नहीं रहती है। साथ ही कई तरह की परेशानियां आने लगती है।

इस दिन नहीं बनानी चाहिए रोटी

एकादशी के व्रत के दिन चावल खाना वर्जित माना जाता है। वहीं, दिवाली, शरद पूर्णिमा, शीतलाष्टमी, नागपंचमी और किसी की मृत्यु पर घर में रोटी नहीं बनाई जाती है। इस नियम को न मानने पर मां अन्नपूर्णा नाराज हो जाती हैं। ऐसे लोगों को अन्न और धन की कमी होने लगती है।

गिनकर न बनाएं रोटी

रोटी बनाने से पहले अपने परिवार के सदस्यों से पूछना कि वे कितना खाएंगे या रोटी खिलाते या खाते समय रोटी गिनना, यह बहुत ही गलत आदत है। हिंदू मान्यता में इसे शुभ नहीं माना जाता है। रोटी का संबंध सूर्य से होता है और जब आप इसे गिनकर बनाते हैं, तो आप सूर्य देव का अपमान करते हैं। ऐसे में तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

रोटी बनाते समय दिशा का ध्यान रखें

रोटी बनाते समय कुछ वास्तु नियमों का भी ध्यान रखना चाहिए। जिस चूल्हे पर आप खाना बनाते हैं, वह आपकी रसोई के दक्षिण-पूर्व कोने यानी आग्नेय कोण में होना चाहिए। रोटी बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

पहली रोटी गाय को दें

रसोई में बनी पहली रोटी हमेशा गाय को देनी चाहिए। अगर गाय को नहीं खिला पाएं, तो पहली रोटी किसी कुत्ते को भी खिला सकते हैं। गाय या कुत्ते द्वारा रोटी खाने से उस घर में रहने वाले लोगों की सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

व्हाइट शिमरी साड़ी पहन रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज पर उनकी खूबसूरती देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से फैंस के बीच कहर ढा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने व्हाइट कलर की शिमरी साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।गले में नेकलेस, खुले बालों को स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि बी-टाउन की टॉप हसीनाओं में से एक रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें लोगों के बीच शेयर करती रहती हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज को देखकर तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने स्टनिंग और तीसरे यूजर ने यू लुक गॉर्जियस लिखा है।

चंदू चैंपियन ने दिखाया जलवा पहले वीकेंड पर हुई इतनी कमाई

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' बॉक्स ऑफिस पर पहला वीकेंड पूरा कर लिया है। 14 जून को रिलीज हुई फिल्म को तीन हो चुके हैं और तीनों दिन लगातार कमाई के आंकड़े बढ़े हैं। इस तरह से कार्तिक आर्यन की फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। रविवार को छुट्टी का दिन था और लोग फिल्म 'चंदू चैंपियन' देखने के लिए सिनेमाघरों में उमड़ पड़े। जिसका नतीजा बॉक्स ऑफिस आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। आइए जानते हैं कि कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' ने फर्स्ट वीकेंड पर कितना कलेक्शन किया है।

फिल्म 'चंदू चैंपियन' के फर्स्ट वीकेंड का कलेक्शन

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के स्टार कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' की फिल्म बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने पहले वीकेंड पर अच्छी कमाई कर ली है। फिल्म के शुरुआती तीन दिन के आंकड़ों को देखा जाए तो रोजाना बढ़त देखने को मिली है। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' ने रविवार को 11.01 करोड़ रुपये का कलेक्शन करते हुए अब तक 24.11 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म के तीन दिन के आंकड़ों पर नजर डालें तो शुक्रवार को 5.40 करोड़ रुपये, शनिवार को 7.70 करोड़ रुपये और रविवार को 11.01 करोड़ रुपये की कमाई की है। अब देखने वाली बात होगी कि फिल्म सोमवार को कितनी कमाई करती है।

चंदू चैंपियन' का बॉक्स ऑफिस पर 'मुंज्या' से मुकाबला

बताते चलें कि कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' का बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 'मुंज्या' से मुकाबला हो रहा है। फिल्म 'मुंज्या' को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। गौरततलब है कि कबीर खान के डायरेक्शन में बनीं फिल्म 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की लाइफ पर बनी है। फिल्म 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया है।

जिगरा के रिलीज डेट से उठा पर्दा

खुद आलिया भट्ट ने फिल्म के पोस्टर को साझा कर किया तारीख का ऐलान

आलिया भट्ट के दीवानों के लिए खुशखबरी आ रही है। इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म जिगरा की रिलीज डेट सामने आ गई है। खुद अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से इस फिल्म के पोस्टर को अपने फैंस के संग साझा करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया है। वेदांग रैना के साथ आलिया इस फिल्म में धमाल मचाती नजर आने वाली हैं।साल 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्म जिगरा की रिलीज डेट सामने आ गई है। आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, 11 अक्तूबर 2024 को जिगरा के साथ सिनेमाघरों में मिलते हैं। सोशल मीडिया पर आलिया का यह पोस्ट वायरल हो रहा है। उनके फैंस लगातार उनके इस पोस्ट कर कमेंट कर रहे हैं। आलिया भट्ट के लिए फिल्म जिगरा काफी खास होने वाली है। इस फिल्म में वे अभिनेत्री होने के अलावा को-प्रोड्यूसर भी हैं। आलिया ने साल 2023 में इस फिल्म की घोषणा की थी। जिगरा में उनके साथ वेदांग रैना भी नजर आने वाले हैं।आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा के पोस्टर में आलिया का एक एनिमेटेड अवतार देखने को मिल रहा है। पोस्टर में एक लड़की पीठ पर बैग टांगे खड़ी नजर आ रही है। इस पोस्टर को देखकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया भट्ट और वेदांग रैना की इस फिल्म की कहानी एक बास्केटबॉल खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। सूत्रों की मानें तो इस फिल्म के लिए आलिया भट्ट ने बास्केटबॉल खेलना सीखा है। वे जिगरा के कई दृश्यों में बास्केटबॉल खेलती नजर आने वाली हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की रौतू का राज की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

ट्रेलर भी आया सामने

अपनी बेमिसाल एक्टिंग के लिए फेमस नवाजुद्दीन सिद्दीकीसिल्वर स्क्रीन और ओटीटी, दोनों ही प्लेटफॉर्म्स पर अपना दमखम दिखा चुके हैं। सीरियस रोल करना हो या कॉमेडी, नवाजुद्दीन हर तरह के किरदार में खुद को ढालते हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी को आखिरी बार फिल्म सैंधव में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। यह उनकी पहली तेलुगु फिल्म थी।अब नवाज फिल्म रौतू का राज में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान आनंद सुरापुर ने संभाली है।यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि जी 5 पर रिलीज होगी। अब निर्माताओं ने रौतू का राज की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।इसके साथ फिल्म का ट्रेलर भी सामने आ गया है।रौतू का राज का प्रीमियर 28 जून, 2024 से जी 5 पर होने जा रहा है। इस फिल्म का निर्माण उमेश बंसल और चिंटू श्रीवास्तव ने किया है। जी 5 ने लिखा, जितना अलग है रौतू की बेली का मिजाज, उतना ही अलग होगा इस हत्या की जांच का अंदाज़।रौतू का राज का ट्रेलर सस्पेंस और कॉमेडी से भरपूर है। पुलिस की वर्दी में नवाज खूब जंच रहे हैं।इस फिल्म में नवाज के किरदार का नाम एसएचओ दीपक नेगी है।

रौतू के राज को लेजी मिस्ट्री थ्रिलर करार दिया गया है। ये फिल्म डराएगी, तो बैलेंस बनाने के लिए हंसाएगी भी। नवाजुद्दीन ने कहा कि शूटिंग के दौरान उन्होंने काफी मस्ती की। वहां दीवाली भी ऐसे सेलिब्रेट की जैसे सब एक परिवार की तरह हों। शूटिंग के 4-5 दिन बाद ही दीवाली थी और हमने अपनी मौज मस्ती से जंगल का माहौल खराब कर दिया।रौतू के राज को लेजी मिस्ट्री थ्रिलर करार दिया गया है। ये फिल्म डराएगी, तो बैलेंस बनाने के लिए हंसाएगी भी। नवाजुद्दीन ने कहा कि शूटिंग के दौरान उन्होंने काफी मस्ती की। वहां दीवाली भी ऐसे सेलिब्रेट की जैसे सब एक परिवार की तरह हों। शूटिंग के 4-5 दिन बाद ही दीवाली थी और हमने अपनी मौज मस्ती से जंगल का माहौल खराब कर दिया।नवाजुद्दीन ने कहा कि काम को लेकर प्रेशर लेने की जरूरत नहीं। काम को सीरियस करो, खुद को सीरियस लेने की जरूरत नहीं है। जब आप कोई सीन कर रहे होते हैं, तो आपके सामने वाले एक्टर की कैपेबिलिटी के बारे में पता चलता है। अपने को-स्टार राजेश शर्मा की तारीफ करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा कि टीवी पर इनकी इमेज कॉमेडी एक्टर की रही है, लेकिन इनके अंदर अलग इंसान है।बता दें कि रौतू का राज जी 5 पर 28 जून को रिलीज होगी।

आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ ट्रोलिंग से बच नहीं सकते : दीपिका सिंह

सुपरहिट धारावाहिक दीया और बाती से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने शो मंगल लक्ष्मी से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस शो को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी एक्टिंग की सराहना की जाती है, तो वहीं वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने डांसिंग वीडियो को लेकर ट्रोल होती रहती हैं।एक्ट्रेस का कहना है कि उन पर ट्रोलिंग का कोई असर नहीं पड़ता।दीपिका ने कहा, ट्रोलिंग का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं, क्योंकि मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ओडिसी डांस टीचर्स जैसे लोग हैं। उनके साथ रहकर मैंने जिंदगी की हर परिस्थितियों को स्वीकार करना सीखा है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि चाहे आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप इससे बच नहीं सकते।एक्ट्रेस 10 साल से ओडिसी डांस सीख रही हैं।एक्ट्रेस ने कहा, सभी लोग आपको स्वीकार नहीं कर सकते। जो लोग आपकी तरह सोचते हैं, केवल वही आपको स्वीकार कर पाएंगे। मेरे जैसे लोग ही मुझे समझेंगे।दीपिका ने कहा, कुछ लोग मुझे पसंद तो करते हैं लेकिन मेरी सराहना नहीं करते। लेकिन मैं जानती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। मैं खुद के बारे में सोचना पसंद करती हूं, ना कि इस बारे में कि दूसरे क्या सोचते हैं। मैं अपने लिए और अपनी खुशी के लिए काम करती हूं, चाहे वह मेरा इंस्टाग्राम पेज हो या मेरी एक्टिंग।एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी लाइफ है और भगवान ने मुझे इसके लिए चुना है, इसलिए मैं किसी के भी प्रति जवाबदेह नहीं हूं। यही वजह है कि ट्रोलिंग और आलोचनाओं का मुझ पर कोई असर नहीं होता।उन्होंने कहा, जब आपको कामयाबी मिलती है और आप ऊपर की ओर बढ़ रहे होते हैं, तो आपको प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एक ऐसी शक्ति होती है जो आपको नीचे गिराने की कोशिश करेगी।दीपिका ट्रोलिंग को पॉजिटिव तरीके से देखती हैं।उन्होंने कहा, जब बिना किसी कारण के ट्रोलिंग होती है, तो मुझे पता चलता है कि मैं अच्छा काम कर रही हूं, इसीलिए लोग मुझे नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं। फिर मैं और भी ज़्यादा ताकत के साथ वापस आती हूं और पहले से भी बेहतर काम करती हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे आलोचक भी हैं।दीपिका ने कहा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दिखते ही नहीं। कम से कम, मुझे लोग देख तो रहे हैं जो मेरी आलोचना कर

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय बहतर रहेगा कार्य सिद्धि होगी । कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोतरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा तरल भोजन करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज गणेश जी को दूर्वा और सिन्दूर चढाए मनोवांछित फल मिलेगा। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा पदोन्नति संभव हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ध्यान और प्राणायाम करें शरीर मे उर्जा रहेगी। आपको यात्रा पर जाना पड़ सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर होगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज मनमुताविक कार्य नही होंगे ।बहते पानी मे शक्कर बहादें। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

गणेश मंत्र का जप करें गाय को हरी सब्जी खिलाए । नई योजना बना सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। घर परिवार का माहौल ठीक रहेगा। यात्रा का योग बनेगा गुड का सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें । आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। खानपान में सावधानी बरते शाम को दूध का सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपको बुजुर्गों का माता पिता का आशीर्वाद लेकर चलें । आज खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। यात्रा का बिल्कुल नही है सावधानी बरते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अनुकूल नही हैं शिवमंत्र का जप करें । तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। सावधानी से खर्च करें। चींटियों को आटा डालें कर्ज मुक्त होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शानदार बनाना हैं तो ब्रह्म मुहूर्त मे निंद्रा त्याग कर ईश्वर का चिंतन करें । अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। दाम्पत्यजीवन मे पूर्ण सहयोग रहेगा। रिश्तों मे मधुरता बढेगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन खुशहाल हैं तरक्की के रास्ते खुलेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं।
ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। नौकरी मिलने की पूरे योग हैं धन के रास्ते खुलेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप जो महनत करेंगे उसका परिणाम सौ प्रतिशत मिलेगा। आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। कुंवारों का रिश्ता तय हो सकता है दुर्गा जी को लाल पुष्प चढाए कार्य सिद्ध होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको विरोधी नुकसान पहुंचा सकते हैं सतर्कता बरतें । किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। वाणी पर क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपशब्दों का इस्तेमाल न करें व्यवहार खराब होगा संयमित रहें।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 18 जून 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 06:26 तक
नक्षत्र : स्वाति दोपहर 03:56 तक
योग : शिव प्रात: 09:38 तक
करण : विष्टि प्रात: 06:26 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : निर्जला एकादशी व्रत ,
भद्रा प्रात: 06:26 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अलवर के थानागाजी में 11 मोर मृत पाए गए

अलवर, 17 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में अलवर जिले के थानागाजी उपखंड इलाके में किशोरी पंचायत के निकटवर्ती क्यारा गांव में सोमवार को 11 मोर एक साथ मृत पाए गए।

मोरों के अचेतावस्था की खबर सुन कर समाज सेवी जयराम मीणा ने प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित किया जिसमें पुलिस एवं रेंज थानागाजी की टीम मौके पर पहुंची तो वहां पाया सभी मोर मृत अवस्था में थे। इसके बाद टीम ने मोरों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा कर नाका घाटा पर दफनाया। एक साथ इतने मोरों की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए। आखिर 11 मोर एक साथ एक समय एक जैसी स्थिति में कैसे मरें, इनके साथ तापघात या घात अथवा बीमारी या ईश्वर की दी गई मौत या कहीं ज़हरीला दाना डाल कर एक साज़िश के तहत मौत दी गई।

इधर रेंजर जितेंद्र कुमार ने बताया कि मृत मोरों का पोस्टमार्टम कराया गया और इनके पोस्टमार्टम के बाद बिसरा को एकत्रित कर सैंपल को जांच के लिए भेजा गया जिससे यह पुष्टि हो जाए कि इन मोरों की मौत किस तरीके से हुई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का आरोप है कि अज्ञात लोगों ने जहरीला चुका डाला जिसके खाने के बाद उनकी मौत हुई है।

पीएम मोदी से राजस्थान के सीएम भजनलाल ने की मुलाकात

नई दिल्ली/जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री मोदी से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। श्री शर्मा ने बताया कि आज राजधानी दिल्ली में विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए साधनारत, भारत के अमृतकाल के सारथी श्री मोदी से स्नेहपूर्ण भेंटकर उनका स्नेहिल आशीर्वाद एवं आत्मीय मार्गदर्शन प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत के निर्माण और जन जन की सतत सेवा के लिए पूर्णतः संकल्पित है। श्री शर्मा ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री एम एल खट्टर से भी मुलाकात की। इस अवसर पर श्री शर्मा ने श्री खट्टर के साथ राजस्थान प्रदेश से जुड़े विकास एवं विद्युत क्षेत्र में ऊर्जा के नए स्रोतों की बढ़ोतरी, आधुनिकीकरण और नवीन टेक्नोलॉजी के उपयोग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

सैनी ने अंबाला से अयोध्या के लिये बस को दी हरी झंडी

अंबाला, 17 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्री योजना के तहत अयोध्या के लिये बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री सैनी ने कहा कि अंबाला से 42 लोगों का एक जत्था अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के लिये जा रहा है। इन लोगों को विशेष बस से अयोध्या ले जाया जा रहा है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनका सपना आज साकार हो रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा की बधाई और शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे हैं। यह बहुत ही खुशी की बात है, उनकी यात्रा मंगलमय हो।

भजनलाल ने कंचनजंगा एक्सप्रेस एवं मालगाड़ी हादसे पर जताया दुख

जयपुर, 17 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाई गुड़ी में कंचनजंगा एक्सप्रेस एवं मालगाड़ी हादसे पर गहरा दुख प्रकट किया है।

श्री शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि न्यू जलपाई गुड़ी में कंचनजंगा एक्सप्रेस एवं मालगाड़ी में भीषण टक्कर दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की और कहा मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भी इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुःखद समाचार मिला। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना तथा घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। श्री गहलोत ने सरकार से त्वरित प्रभावी उपायों द्वारा जन जीवन संरक्षण सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया।

राजस्थान में ट्रेलर के पलटने से चार लोगों की मौत

उदयपुर, 17 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में उदयपुर सिरोही राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बेकरियां थाना क्षेत्र में सोमवार को एक अनियंत्रित ट्रेलर राहगीरों को चपेट में लेता हुआ पलट गया जिससे दो महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि बेकरिया थाना क्षेत्र में मालवा का चौरा में अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे चल रहे राहगीरों को चपेट ले लिया और पलट गया। हादसे में तिलोई गांव निवासी मसरु गरासिया, हकरी बाई, सौवनी बाई तथा ट्रेलर चालक पंजाब निवासी बलविंदर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को 108 एम्बुलेंस से उपचार के लिए उदयपुर ले जाया गया है। मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई है। उनके आने पर शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बलराज हत्याकांड: प्रदर्शनकारियों का तोड़फोड़ का वीडियो आया सामने

फतेहाबाद, 17 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा के फतेहाबाद शहर के काठमंडी निवासी बलराज उर्फ गोली हत्याकांड के बाद सोमवार को दूसरे दिन भी पुलिस अलर्ट रही। पुलिस की अलग अलग टीम कबीर बस्ती, बाल्मीकि चौक और मातूराम कॉलोनी में तैनात की गई है। यहां पर नाकेबंदी करके आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

पुलिस को आशंका है कि शरारती तत्व यहां पर विवाद कर सकते हैं। वहीं रविवार शाम को आरके कॉलोनी में कुछ युवकों द्वारा मकान में की गई तोडफ़ोड़ का वीडियो सामने आया है। 15 से 20 युवकों ने आरके कॉलोनी निवासी गुलशन जग्गा के घर में घुसकर तोड़फोड़ की थी। वीडियो में नजर आ रहा है कि युवक घर में घुसकर तोड़फोड़ कर रहे हैं। युवक चौबारे तक जाकर तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं। युवकों ने आंगन में खड़े बुलेट बाइक को आग लगा दी थी। काठमंडी निवासी बलराज पर शुक्रवार शाम को बाइक सवार कुछ युवकों ने फायरिंग कर दी थी।

वह अपनी पत्नी पूजा के साथ स्वामी नगर से प्लाट देखकर क्रेटा गाड़ी पर वापस काठमंडी स्थित अपने निवास पर लौट रहा था। उसके पेट में गोली लगी थी। हिसार में शनिवार सुबह 6 बजे के आसपास उसने दम तोड़ दिया था। पुलिस ने उसकी पत्नी की शिकायत पर सिरसा के बनसुधार निवासी संजय व फतेहाबाद के खेमाखाती चौक निवासी विकास पर मामला दर्ज किया है। कल शाम को परिजनों ने लाल बत्ती पर शव लाकर जाम लगा दिया था। करीब तीन घंटे तक हिसार-सिरसा रोड पर जाम रहा था।

भाजपा सरकार शिक्षा का निजीकरण कर रही है : सैलजा

सिरसा, 17 जून (एजेंसियां)।
कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार शिक्षा का निजीकरण कर रही है। सुश्री सैलजा ने सोमवार जारी बयान में कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद रिक्त पड़े हैं, पर सरकार रिक्त पदों पर भर्ती नहीं कर रही। इससे निजी स्कूलों को बढ़ावा मिल रहा है। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिये यह बड़ी समस्या बनती जा रही है क्योंकि उनके बच्चे सरकारी स्कूलों में ही शिक्षा ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे बच्चों को शिक्षा से वंचित रख कर उन्हें और ज्यादा पिछड़े रखना चाहती है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के 2300 स्कूलों में 9995 पीजीटी शिक्षकों के रिक्त हैं। इतने पद खाली होने से यह कहा जा सकता है कि सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था लचर हो चुकी है। इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार ने गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से वंचित रखने का षडय़ंत्र रचा हुआ है। उन्होंने कहा कि यही स्थिति उच्च शिक्षा में बनी हुई है। प्रदेश के 182 कॉलेज में प्रोफेसर के 7986 में से 4618 पद खाली पड़े हैं। इन खाली पदों ने हरियाणा के भविष्य के रास्ते को संकरा एवं अंधकारमय बना दिया है।

उपचार के दौरान वकील की मौत होने पर लोगों ने किया हंगामा

अजमेर, 17 जून (एजेंसियां)।
राजस्थान में अजमेर के पुष्कर रोड पर हरिभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य) स्थित आर्या न्यूरो हास्पिटल पर सोमवार को कुछ नागरिकों ने अस्पताल में उपचार के दौरान एक वकील की मौत होने पर हंगामा किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 13 जून को मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद ग्राम बड़ल्या के एडवोकेट दिलबाग सिंह रावत को उपचार चल रहा था। अस्पताल के डा. सूर्यप्रकाश चौधरी ने ईलाज के लिए भर्ती कर लिया और 14 जून को सिटी स्कैन किया गया। परिजनों का आरोप है कि बिना बताए आपरेशन कर दिया गया और अन्ततः मरीज की मौत हो गई। ईलाज के नाम पर 2.50 लाख रुपये भी ले लिए।

गत रात मौत की सूचना पर बड़ल्या गांव के ग्रामीण महिला-पुरुष, रावत समाज, परिजन सभी अस्पताल आ गये और आज सुबह जमकर हंगामा किया व नारेबाजी भी की। अस्पताल में हंगामे के समाचार सुन अतिरिक्त जिलाधीश (शहर) गजेंद्र सिंह राठौड़ , क्षेत्रीय उपाधीक्षक पुलिस रूद्रप्रकाश शर्मा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और समझाईश की, लेकिन सभी लोग अस्पताल प्रशासन, चिकित्सक डा. सूर्य कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते रहे तथा चेतावनी दी कि जब तक मृतक के परिजनों को मुआ-वजा नहीं दिया जाता, वे डटे रहेंगे। अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने भी अपने सदस्य वकील की मौत पर परिजनों का समर्थन किया है।

आमने सामने की टक्कर के बाद दो डंपरों में लगी आग, एक का चालक जिंदा जला

झज्जर, 17 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा के झज्जर जिले के बेरी में जहाजगढ़-छुछकवास मार्ग पर दो डंपरों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर लगने के बाद दोनों डंपरों में आग लग गई जिसमें एक डंपर का ड्राइवर जिंदा जल गया। फिलहाल मृतक ड्राइवर की पहचान नही हो पाई है। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और डंपरों में लगी आग को कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डस्ट से भरा एक डंफर छुछकवास से जहाजगढ़ की तरफ जा रहा था। सामने से आ रहे खाली डंफर से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर होने के बाद दोनों डंफरों में आग लग गई। आग लगने से जहाजगढ़ की तरफ से खाली आ रहे डंफर का ड्राइवर अंदर ही फंस गया और जिंदा जल गया। बेरी थाना प्रभारी अमित का कहना है कि जहाजगढ़-छुछकवास मार्ग पर दो डंफरों की आमने-सामने की टक्कर होने के बाद दो डंफरों में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। जहाजगढ़ की तरफ से आ रहे डंफर का ड्राइवर अंदर जिंदा जल गया। लेकिन फिलहाल मृतक ड्राइवर की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

पटना, गया, बक्सर, सीवान, बेगूसराय समेत कई जिलों में भीषण गर्मी का अलर्ट

पटना (एजेंसियां)।

बिहार वासियों को मानसून के लिए अभी दो दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। 19 जून से बिहार में आकाश में बादल छाएंगे और मानसून प्रवेश करने की संभावना बताई जा रही है जबकि 20 जून से प्रदेश में कई जिलों में बारिश होने के आसार हैं। पिछले कई दिनों से लगातार पूरा बिहार भीष्म उष्ण लहर और उष्ण लहर की चपेट में है। आग बरस रहे आसमान से आमजनों के साथ पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, और जानवर तक परेशान हैं। बारिश के बिछड़ते इस मौसम में खेतों में दरार पड़ते जा रहे हैं। खेती की समय सीमा एक सप्ताह शेष रह गई है। अगर ऐसी स्थिति में मानसून बिहार में प्रवेश नहीं करती है तो किसानों को अपने धन के बीज रोकने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और किसान खेती कार्य में पिछड़ सकते हैं। कुछ किसानों का यह

मानना है कि अपनी बोरिंग से वह अपने खेत में पानी का पटवन करके धान का बीज तो डाल चुके हैं लेकिन, तेज धूप और भीषण उष्ण लहर के कारण धान के पौधे जलने लगे हैं।

मौसम विश्लेषण के अनुसार दक्षिण पश्चिम भाग के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल जिले में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस जबकि दक्षिण मध्य भाग के पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री रहने की संभावना है। पटना, गया, बक्सर, भोजपुर, औरंगाबाद, कैमूर, रोहतास, जहानाबाद, अरवल में भीषण उष्ण लहर का रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं सारण, सीवान, वैशाली, शेखुपरा, बेगूसराय, समस्तीपुर और नवादा में उष्ण लहर का ऑरेंज अलर्टी जारी किया गया है।

राज्य में 40 डिग्री से ऊपर तापमान दर्ज किए गए जिलों के नाम पटना 43.0, गया 44.4 ,छपरा 43.01, डेहरी 45.2 ,भोजपुर 45.6, रोहतास 44.2, गोपालगंज 42.4, जमुई 42.2, बक्सर 46.4, औरंगाबाद 45.3, वैशाली 42.5, नवादा 44.01 राजगीर 44.01, अरवल 45.7, मुंगेर 40.7 और जीरादेई 44.3 जबकि भागलपुर 37.6 ,पूर्णिया 33.9, बाल्मीकि नगर 37.2, मुजफ्फरपुर 35.6, दरभंगा 35.2, सुपौल 32.6, फारबिसगंज 30.2, किशनगंज 28.0, मधुबनी 36.0, मोतिहारी 37.5, बेगूसराय 36.7, बांका 37.3, कटिहार 33.1 ,अररिया 31.7 और पूसा 36.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किए गए।

विगत 24 घंटे के दौरान राज्य के उत्तर पूर्वी भाग के कुछ हिस्सों पर मेघ गर्जन के साथ मध्यम स्तर की वर्षा हुई। राज्य के दक्षिणी पूर्वी एवं दक्षिणी पश्चिमी भाग के एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा हुई। बाकी भाग शुष्क बना रहा। राज्य के शुष्क बने हिस्सो का तापमान कई जगह 40 डिग्री सेंटीग्रेड से ज्यादा रहा। प्रदेश में कई जगह भीष्म उष्ण लहर की स्थिती बनी रही। वायु की दिशा जमीनी स्तर पर औसतन दक्षिण पश्चिम और पश्चिमी बनी हुई है मौसम का पूर्वानुमान इस प्रकार है। राज्य के पूर्वी भाग में मेघ गर्जन के साथ 24 घंटे के दौरान मध्यम स्तर की वर्षा हो सकती है। वहीं बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, पटना, गया, छपरा, शेखपुरा, नवादा, नालंदा, अरवल और भोजपुर ऊष्ण लहर के आसर हैं। अगले 48 घंटे के दौरान तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। उसके बाद तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। बिहार में मानसून 5 से 6 दिनों के बाद उत्तर पूर्व विभाग से प्रवेश करेगा उसके बाद धीरे-धीरे प्रदेश में मानसून का असर दिखाएं परने लगेगा।

भीषण गर्मी के कारण आठवीं कक्षा तक सभी स्कूल बंद

पटना और गया के डीएम ने जारी किया आदेश

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। आसमान से आग बरस रहे हैं। पटना समेत कई जिलों में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। कई लोग लू लगने से बीमार पड़ रहे हैं।

पटना और गया में प्रचंड गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन सभी स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि 18 और 19 जून तक उष्ण लहर की स्थिति बने रहने की सूचना मिली है। इसलिए 19 जून तक सभी स्कूल में आठवीं कक्षा तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।

पटना के डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि उष्ण लहर के कारण छात्रों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने

की संभावना है। इसलिए आठवीं कक्षा तक स्कूल में पढ़ाई 19 जून तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। इस अवधि में अपने कार्यालय कार्य कर सकते हैं। साथ ही ऑनलाइन माध्यम से कक्षाओं के संचालन की छूट होगी। 19 जून तक प्रभावी रहेगा।

वहीं गया के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने 18 जून से 19 जून तक ज़िले के सभी सरकारी एव निजी विद्यालयों के वर्ग एक से आठ कक्षा तक पठन पाठन कार्य को बंद कराने का आदेश दिया है। साथ ही सभी कोचिंग संस्थानों को भी बन्द रखने का आदेश दिया है। सभी आंगनबाड़ी सेन्टर भी उक्त अवधि तक बन्द रहेंगे। जिला पदाधिकारी गया ने जिलेवासियों से अपील किया है कि आपदा विभाग द्वारा हीट वेव को लेकर जारी किए गए एडवाइजरी को पूरी तरह पालन करें।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ऑटो को मारी टक्कर, महिला की मौत

पटना (एजेंसियां)।

पटना के दानापुर में ईंट लदे ट्रैक्टर ने ऑटो में टक्कर कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो बीच सड़क पर पलट गया और उसमें सवार पांच लोग घायल हो गए। आननफानन में घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी है। इस बीच ट्रैक्टर ड्राइवर गाड़ी मौके पर छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस फरार हुए ट्रैक्टर ड्राइवर की तलाश कर रही है।

बताया जा रहा है कि एक ऑटो पर सवार पांच लोग दाना-पुर से मनेर जा रहे थे। वहीं तेज रफ्तार से ईंट लोड ट्रैक्टर दानापुर की तरफ आ रहे थे। आरा

गोलंबर के नजदीक ट्रैक्टर ने ऑटो में टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही ऑटो बीच सड़क पर पलट गया और उसमें सवार तीन महिला दो पुरुष घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक थाना और दानापुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक महिला की पहचान किस्मतया देवी के रूप में की गई है। जो मनेर के छितनामा की निवासी थी। वहीं दूसरी तरफ इस हादसे में घायल शत्रुघन कुमार, अनीशा देवी, मुकेश कुमार एवं सविता देवी को इलाज के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना की पीएमसीएच रेफर कर दिया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची ट्रैफिक थाने की पुलिस ने दोनों गाड़ियों को अपने कब्जे में ले लिया है।

आरा सांसद ने बताई प्रशासन की लापरवाही

रील्स बनाने में नहीं, दोस्त को बचाने में गई चारों युवकों की जान

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में रविवार को गंगा में डूबे चार युवकों के शव को बरामद कर लिया गया है। चारों मृतक आपस में दोस्त थे। लगभग 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ टीम ने चारों शवों को ढूंढ कर बाहर निकाल लिया। उसके बाद आरा सदर अस्पताल में सभी के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान नव निर्वाचित सांसद सुदामा प्रसाद भी सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। बताया जा रहा है कि चारों युवकों की रील बनाने में नहीं, बल्कि एक दूसरे को बचाने में जान चली गई।

जानकारी के मुताबिक, गंगा दशहरा के दौरान रविवार को सभी

युवक शिवपुर गंगा घाट पर नहाने गए थे। जहां गंगा के गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। कई जगहों पर अफवाह फैलाई गई थी कि ये सभी युवक रील्स बना रहे थे जो कि पूरी तरह गलत है। मृतकों के परिजन इस बात से इनकार करते हुए बोले कि कोई रील नहीं बना रहा था, बल्कि सभी नहा रहे थे और गहरे पानी में एक दूसरे को बचाने में डूब गए।

जानकारी के अनुसार, गंगा में नहाने के दौरान जान गंवाने वाले मृतकों में निशु शर्मा अपने परिवार का इकलौता चिराग था। बताया जा रहा है कि निशु भोजपुर जिले के कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के घेघटा गांव निवासी लालबाबू शर्मा का इकलौता बेटा था। पिता के निधन के बाद वह अपने ननिहाल में रहता था। वह अपनी मां के साथ बचपन से ही अपने मामा संजय शर्मा और सोनू शर्मा के यहां रह रहा था।

वहीं, सोनू यादव अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था और इंटर कक्षा का छात्र था। जबकि पानी में डूबकर जान गंवाने वाला दीपू यादव अपने दो भाई और दो बहनों में चौथे नंबर का था और वह बीए पार्ट वन का छात्र था। इसके साथ ही पानी में डूबकर मरने वाला चौथा युवक गोंड बीए पार्ट वन का छात्र था और वह तीन भाई और तीन बहनों में तीसरे नंबर पर का था।

इस घटना को लेकर बताया जा रहा है कि उक्त चारों युवक नहाने के लिए बनाए गए घाट से लगभग 200 मीटर दूर गंगा नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से एक युवक डूबने लगा, उसे बचाने के चक्कर में अन्य तीन युवक भी डूब गए।

बताया जा रहा है कि आरा सदर अस्पताल में पुलिस द्वारा सभी मृतकों के शव लाए गए। उसके बाद पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिए गए। इस दौरान आरा के नव निर्वाचित सांसद सुदामा प्रसाद भी पहुंचे। उन्होंने जिला प्रसाशन पर ला-परवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इतना बड़ा कार्यक्रम गंगा दशहरा पर आयोजन होना था। पहले से जानकारी थी कि गंगा में भीड़ होने वाली है। फिर भी कोई बेरिकेडिंग क्यों नहीं की गई, खतरनाक घाटों को अलर्ट पर क्यों नहीं रखा गया।

नौकरी के नाम पर कई लड़कियों का शोषण

जिसका गर्भपात कराया गया, उसने खोला कंपनी का पूरा खेल

पटना

मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर हैवानियत हुई है। एक चिटफंड कंपनी के दरिंदों एक नहीं कई लड़कियों का यौन शोषण किया है। घटना के बाद से पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। एक पीड़ित लड़की किसी भी तरह इन दरिंदों के चंगुल से भाग निकली और कंपनी की काली करतूत को उजागर किया है। पीड़िता बिहार सरकार से न्याय की गुहार लगा रही है। उसने आरोपियों कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। मामला मुजफ्फरपुर के अहियापुर इलाके का है। करीब 180 लड़कियों को नौकरी देने का झांसा देकर बंधक बनाया गया। उनके साथ मारपीट की गई। इनमें से कई लड़कियों के साथ

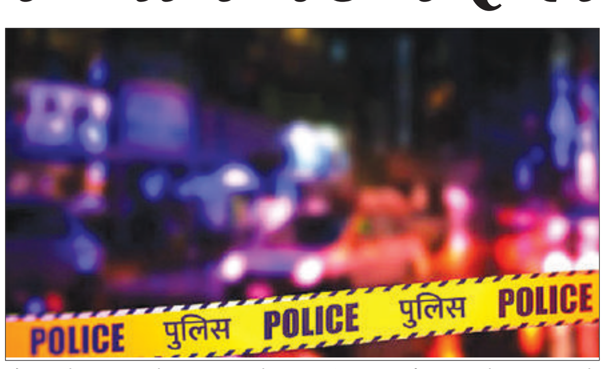

यौन शोषण करने का आरोप लगाया जा रहा है।

लड़कियों के साथ नौकरी के नाम पर किए गए इस धोखे और काली काम को लेकर छपरा जिले की रहने वाली एक पीड़िता ने जिले अहियापुर थाने में केस दर्ज करवाई। उसने बताया कि सोशल मीडिया पर महिलाओं के लिए जॉब ऑफर के एक पोस्ट के माध्यम से वह डीवीआर नाम के संस्था से जुड़ी थी। अप्लाई करने पर चयन होने के बाद प्रशिक्षण के नाम पर 20 हजार रुपये की मांग की गई। रकम के जमा करने के बाद बहुत सारी लड़कियों के साथ अहियापुर थाना क्षेत्र में ही बखरी के पास एक मकान में रखा गया। इस दौरान में लगभग तीन महीना तक गुजर जाने के बाद भी जब सैलरी नहीं मिली तो उसने संस्था के सीएमडी तिलक सिंह के समक्ष अपनी बात रखी और तब उसे ये बताया गया कि 50 और लड़कियों को संस्था से जोड़ने पर उसकी सैलरी 50 हजार कर दी जाएगी।।

पीड़ित लड़की ने बताया कि वह 50 और लोगों को जोड़ने में असमर्थ है, तो उस पर दबाव बनाया गया और उसके मोबाइल के सभी कांटेक्ट लिस्ट के हिसाब से लोगों को जोड़ने की नसीहत दी गई और तब तक वह कंपनी की असलियत से वाकिफ नहीं थी और पैसे की लालच में अपने मोबाइल के सभी कॉन्टेक्ट लिस्ट के हिसाब से लोगों को कंपनी से जोड़ना शुरू किया। इसी बीच अहियापुर स्थित संस्था के कथित दफ्तर और एक हॉस्टल पर पुलिस की छापेमारी हुई और वहां से बहुत सी लड़कियों को पुलिस ने छुड़ाया भी था।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि तिलक सिंह ने उसके साथ जोर जबरदस्ती कर शारीरिक संबंध बनाया था। इस दौरान वह गर्भवती भी हुई। इस बात की भनक जब तिलक सिंह को लगी तो उसका जबरदस्ती गर्भपात भी करा दिया गया और जब जब मायके जाने की जिद की तो उसे जबरदस्ती मारपीट कर चुप कर दिया जाता था। बाद में तिलक सिंह अपने सहयोगियों के साथ आया। इसके बाद दो सौ रुपये का नोट देकर नसीहत दी। तुम मायके जाना चाहती हो तो आजाद हो जाओ। पीड़ित लड़की ने आरोप लगाया कि इस चिटफंड कंपनी में 180 लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर फंसाया गया था। इनमें से कई लड़कियों के साथ मारपीट की गई और कई लड़कियों का शारीरिक शोषण किया गया। सरकार इस मामले की गंभीरता से जांच करवाए। दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाए।

पूरे मामले में अहियापुर था-नेदार रोहन कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से मुख्य आरोपी फरार हो गया है। कुछ लोगों की तलाश में छापेमारी चल रही है।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने आम लोगों के बीच ने अदा की बकरीद की नमाज

देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

सुपौल (एजेंसियां)।

बिहार के सुपौल में मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को ईद उल अजहा (बकरीद) का त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जा रहा है। पर्व को लेकर मुस्लिम धर्मावलंबियों में सुबह से ही उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। वहीं, बकरीद की वजह से बाजार की चहल-पहल में कमी रहने की उम्मीद है। कुर्बानी को लेकर भी लोगों की मुकम्मल तैयारी नजर आ रही है।

पर्व के मद्देनजर पूर्व केंद्रीय मंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन रविवार को ही सुपौल स्थित अपने पैतृक घर पहुंच गए थे। सोमवार की सुबह उन्होंने भी परिवार सहित सुपौल शहर के ईदगाह मैदान पहुंच कर बकरीद की नमाज अदा की। वहीं, इसके बाद उन्होंने आसपास मौजूद लोगों को भी ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी।

शाहनवाज ने कहा कि बकरीद कुर्बानी का त्योहार है। इस मौके पर वह तमाम देशवासियों के लिए अमन और चैन की कामना करते हैं। उन्होंने लोगों को बकरीद की शुभकामनाएं दीं। खास बात यह रही कि शाहनवाज आम लोगों के बीच ही मैदान के बीच वाली कतार में नमाज में शामिल हुए। उनके घर आज दावत का भी आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में खास और आम लोग भी आमंत्रित किए गए हैं। इधर, पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह चौकस नजर आ रहा है। जगह-जगह पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुबह 8:20 बजे तक जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

दरभंगा में पति के अवैध संबंध का विरोध करने पर पत्नी की हत्या

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के दरभंगा के सिमरी थाना क्षेत्र के बिरदीपुर गांव में पति कैलाश सहनी के अवैध संबंध का विरोध कर रही पत्नी फूलों देवी (37) की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही सिमरी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है।

इस मामले को लेकर मृतका के पिता योगिंदर सहनी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

प्राथमिकी में मृतका के पिता योगिंदर सहनी ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी फूलों देवी की शादी 22 साल पहले सिमरी थाना क्षेत्र के बिरदीपुर में बिरजू सहनी के बेटे कैलाश सहनी से की थी। इस बीच दोनों से दो बेटे और एक बेटी हुई। उन्होंने बताया कि उनके दामाद कैलाश सहनी का किसी महिला के साथ अवैध चल रहा था, जिसका फूलों देवी लगातार विरोध कर रही थी।

उन्होंने बताया कि इसी मामले को लेकर बीते दिन भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। उसके बाद पति ने अपनी पत्नी को पीट-पीट कर बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। उसके बाद परिजनों ने इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के मृतका का पति शव छोड़कर फरार हो गया।

इस मामले को लेकर सिमरी थानाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। मृतका के पिता योगिंदर सहनी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com